



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 10, 1975 (वैशाख 20, 1897)

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10, 1975 (VAISAKHA 20, 1897)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मार्च 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 3-2-75 से 22-3-75 तक की 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री पी० डी० श्रीवास्तव को राष्ट्रपति द्वारा 16-12-74 से 31-1-75 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री आर० के० मांगो को राष्ट्रपति द्वारा 16-12-74 से 31-1-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी 56GI/75

आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 6-1-75 से 22-1-75 (पूर्वाह्न) तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एच० सी० वर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 30-12-74 से 15-2-75 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से 28-2-75 तक 63 दिन की अवधि के लिए अथवा

अथवा अगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 मार्च 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्ना को राष्ट्रपति द्वारा 17-2-1975 से 13-3-1975 तक 25 दिन की अवधि के लिए इस सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 मार्च 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 13-12-74 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक, श्री बी० टी० खूबचन्दानी को, राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 1-3-75 से 31-3-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग।

प्रवर्तन निदेशालय

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 मार्च, 1975

नियुक्ति

सं० ए-11/2/75—श्री जे० सी० मलिक, निरीक्षक, आयकर दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 18-2-75 से अगले आदेशों तक के लिये प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बक्षी,
उप-निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी, 1975

सं० एच-3/71-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एच० एस ज्ञानी, पुलिस उप-अधीक्षक, समन्वय स्कंध, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिनांक 31-1-74 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 10 मार्च, 1975

सं० ए-35013/4/75-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से मध्य प्रदेश संवर्ग के श्री एस० सी० त्रिपाठी को दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

श्री एस० सी० विद्यार्थी, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) को दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के पद से कार्य-भारमुक्त कर दिया गया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

सं० 6/1/74-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से दिनांक 31-8-74 से निम्नलिखित 3 को उप-विधि सलाहकार नियमित रूप से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री आर० जी० गुलाबानी
2. श्री पी० एन० नम्बोसन
3. श्री एम० पी० सिंह

उप-विधि सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्तियां दिनांक 31-8-74 से पूर्व तदर्थता के आधार पर मानी जाएंगी।

यह अधिसूचना सं० आर०-3/69-प्रशासन-5, दिनांक 12-6-74 पी०एफ०/पी०-69-प्रशासन-5, दिनांक 11-7-74 तथा पी० एफ०एम०/83/67-प्रशासन-5, दिनांक 26-7-74 व 6-9-74 के अधिक्रमण में है।

सं० टी०-5/72-प्रशासन-5—राजस्थान राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री तेग बहादुर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिल्ली शाखा में दिनांक 5-2-75 (अपराह्न) में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था)

नई दिल्ली दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 11/6(6)/74-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री पी० एन० भोई को, दिनांक 20-2-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, अहमदाबाद शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी

कुले पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पु

स्थ

गृह मंत्रालय
समन्वय निदेशालय
पुलिस बेतार

810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-
के वेतनमान में तारीख 24 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से अगले
आदेश जारी होने तक बिल्कुल तदर्थ आधार पर नियुक्त
किया जाता है।

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च, 1975

सं० ए-38/3/71-वायरलेस—श्री जे० बी० बन्धोपाध्याय
को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अतिरिक्त सहायक
निदेशक के पद पर स्थापनापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-

छत्तपति जोशी,
निवेशक
पुलिस दूर संचार

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० एफ० 3/22/74 ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०):—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नति
के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पद स्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी
गई हैं।

| सं० | नाम | पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा | पद छोड़ने की तिथि | पद तथा बटालियन जिसका कार्यभार संभाला | पद ग्रहण करने की तिथि |
|-----|-------------------------|--|------------------------|---|--------------------------|
| 1. | मेजर के० के० शैटर्जी | सहायक कमान्डेंट 44 बटालियन | 7-2-75 (पूर्वाह्न) | कमान्डेंट 23 बटालियन | 13-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 2. | श्री सी० पी० सिंह | सहायक कमान्डेंट ग्रुप सेन्टर मुकामाघाट | 30-1-75 (अपराह्न) | कमान्डेंट 20 बटालियन | 10-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 3. | श्री जार्ज सी० पोदीपारा | सहायक कमान्डेंट 3 बटालियन | 30-1-75 (पूर्वाह्न) | कमान्डेंट 3 बटालियन | 30-1-75 (पूर्वाह्न) |
| 4. | श्री एन० समयुद्दीन | सहायक कमान्डेंट/वाई प्रिंसिपल 2 आर० टी० सी० | 1-2-75 (अपराह्न) | कमान्डेंट 47 बटालियन | 12-2-75 (अपराह्न) |

दिनांक 13 मार्च, 1975

सं० ओ०-II-976/74-स्थापना-1—डाक्टर बिनोद बिहारी
जेता ने उनके त्याग पत्र के स्वीकृत होने पर 39 बटालियन
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद
का त्याग 18-2-1975 अपराह्न से कर दिया।

सं० 3/17/74-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति,
श्री एम० एल० बोहरा, सहायक कमान्डेंट, ग्रुप सेन्टर, सी०
आर० पी० फोर्स, झारोदाकला, नई दिल्ली-43 का त्यागपत्र
दिनांक 1-1-75 से स्वीकार करते हैं।

सं० ओ-II-1004/75-स्थापना-1—महानिदेशक केन्द्रीय
रिजर्व पुलिस दल डाक्टर सुधांशु शेखर पात्रा को तदर्थ रूप
में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में
कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने
की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर सुधांशु शेखर को 37 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का
कार्यभार दिनांक 15 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 18 मार्च, 1975

सं० डी०-1-1/74-स्थापना—श्री आर० के० मेहरा ने उनके
आई० टी० बी० पी० में कमान्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्ति पर
चुने जाने के फलस्वरूप कमान्डेंट 37 बटालियन के० रि० पु० दल
का कार्यभार 5-2-74 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 19 मार्च, 1975

सं० ओ-II-995/74-स्थापना 1—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस दल डाक्टर माहेश्वर साहू को तदर्थ रूप में पहले एक
वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा
अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से
नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर माहेश्वर साहू को 32 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद
का कार्यभार दिनांक 30-1-75 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 22 मार्च, 1975

सं० ए-VI-2/74-स्थापना—राष्ट्रपति एक्स-मेजर बी० आर० मेनन को उनकी पुनःनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप पुलिस-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर) के पद का कार्यभार 12 बटालियन, के० रि० पु० दल में 6-3-75 (अपराह्न) से संभाल लिया।

सं० ओ-II-1003/75-स्थापना 1—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर राधा मोहन नन्दा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर राधा मोहन नन्दा को बेस हॉस्पिटल सी० आर० पी०, नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 10-2-75 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

एस० एन० माथुर
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 12 मार्च, 1975

सं० ई-31013(2)/5/74-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निरीक्षक ए० एस० भट्टी को दिनांक 16 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत खाद्यनिगम, नई जलपाइगुरी, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं तथा उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(2)/12/74-प्रशा०-1—श्री जी० एस० सन्धू, ने दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की 19वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई-31013(2)/5/74-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निरीक्षक आर० एम० दश को दिनांक 6 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

यूनिट, भारत उर्वरक निगम, तलचर, जिला धनकनाल, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने पद का कार्यभार उसी दिनांक से संभाल लिया।

2. यह दिनांक 3-2-75 के सम संख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में जारी की जाती है।

दिनांक 13 मार्च, 1975

सं० ई-38013(2)/12/74-प्रशा०-1—श्री के० एन० कपूर, आई० पी० एस०, ने दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली की 19वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद, के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई-16014(3)/13/73-प्रशा०-1—स्वैच्छिक निवृत्ति के लिये प्रार्थना, पुलिस महानिरीक्षक, मद्रास, द्वारा मंजूर किए जाने पर श्री के० बालाकृष्णन नायर, जो प्रतिनियुक्ति पर थे, ने दिनांक 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/12/74-प्रशा०-1—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता हवाई पत्तन, कलकत्ता के कमांडेंट श्री ए० सी० राय ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता हवाई पत्तन के कमांडेंट के कार्यभार के अतिरिक्त दिनांक 1 मार्च 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता के ग्रुप कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

2. श्री एस० सेन, आई० पी० एस०, ने दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता, की तेरहवीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और वह उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पूर्वी क्षेत्र के सहायक महानिरीक्षक पद के कार्यभार को जारी रखेंगे।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महापंजीकार
नई दिल्ली-110011, दिनांक

सं० 25/2/74-आर० जी० (ए० डी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/2/74-आर० जी० (ए० डी०-1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री बी० एस० नारासिम्हा युप्पी एवं श्री आर० वाई० रेवाशेट्टी के क्रमशः उपजनगणना निदेशक एवं सहायक जन गणना निदेशक

(तकनीकी) के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को उन्हीं शर्तों पर विनांक 14 मई, 1975 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

बद्रीनाथ
भारत के उप महापंजीकार एवं पदेन
उप सचिव

उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामायिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन,
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० एस०(49)/ए-III/ए-II—श्री श्रीकान्त सोहोनी, ओवरसियर को 27-1-1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय, रिग रोड, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) नियुक्त किया गया है।

श० म० जाम्भोलकर
मुद्रण निदेशक

कार्यालय महा लेखाकार

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध
नई दिल्ली, दिनांक

सं० प्रशासन-1/2(4)/V/21058-72—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्न अनुभाग अधिकारियों को 17/2/75 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक कार्यालय वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से लेखा-अधिकारियों के पदों पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

1. श्री मोती लाल नाथ
2. श्री निर्मल चन्द बनर्जी

पी० एन० मालवीय,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

नवीन प्रतिभूति कागज कारखाना एवं

विभागाध्यक्ष प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 17 मार्च, 1975

सं० —श्री एन० पी० सिंह फोरमैन (यांत्रिक) को प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में तदर्थ आधार पर सपये 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के खेतनमान में दिनांक 17-3-75 के पूर्वाह्न से 30-9-75 तक सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम,
विशेष कार्य अधिकारी

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार, रांची-2

बिहार, दिनांक

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री अम्बिका प्रसाद बूबे स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 18-2-75 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिंह
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 17 मार्च, 1975

सं० 2141/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड के अधिकारी श्री जे० बी० मार्टिन को, रक्षा लेखा महा नियंत्रक स्थानापन्न रूप में दिनांक 17 मार्च, 1975 पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० के० सुन्दरम्
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 20 मार्च, 1975

सं० 2/1975—श्रीमती एन० पद्मासनी, रसायन सहायक ग्रेड-1, सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्रास को विनांक 12-3-1975 (पूर्०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1975

सं० 40011(1)/75-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

| क्रम सं० | नाम | संगठन जिसमें सेवारत हैं। | तारीख |
|----------|-----------------------|---|------------------------|
| सर्वश्री | | | |
| 1. | श्याम सुन्दर शर्मा | रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ | 10-1-1975 (पूर्वाह्न) |
| 2. | हरिकृष्ण शर्मा | रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिम कमान, मेरठ | 8-1-1975 (पूर्वाह्न) |
| 3. | रामा नन्द गुप्ता | रक्षा लेखा नियंत्रक), (वायु सेना), देहरादून | 27-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 4. | जे० रामनाथन | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना | 18-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 5. | रणजीत सिंह | रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून | 16-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 6. | महेन्द्र सिंह | रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना | 10-1-1975 (पूर्वाह्न) |
| 7. | मान सिंह | रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना | 27-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 8. | एल० एन० नाथमुनी | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना | 20-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 9. | घासी राम गोकुला | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ | 28-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 10. | डोरी लाल | रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना | 16-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 11. | पी० पेरिया स्वामी | रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून | 30-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 12. | पी० के० धीवन | रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद | 27-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 13. | ज्योति लाल | रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून | 16-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 14. | राधेश्याम पाल | रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना | 31-12-1974 (पूर्वाह्न) |
| 15. | डी० कृष्णा मूर्थी | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 16. | एन० पद्मनाभन | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 17. | भ्रमरनाथ भरारा | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ | 3-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 18. | एस० यू० जोशी | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पूना | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 19. | मृत्युञ्जय दे | रक्षा लेखा नियंत्रक (कैप्टीज), कलकत्ता | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 20. | गणेश दास सेठी | रक्षा लेखा नियुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 21. | एन० शिवाशंकरन | रक्षा लेखा नियंत्रक, (कैप्टीज), कलकत्ता | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 22. | आर० के० राजपाल | रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद | 27-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 23. | के० रत्नास्वामी | रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 24. | ए० एल० मलिक | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ कैन्ट | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 25. | बी० अच्युत नारायण | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 26. | जे० पी० मेहरा | रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना), देहरादून | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 27. | ए० सी० कपूर | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 28. | धर्मबीर अचरोल | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 29. | सूरत सिंह | रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ | 5-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 30. | रामदत्ता मल मल्होत्रा | रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद | 27-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 31. | हरिचन्द बाबा | रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 32. | जे० एन० माथुर | रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 33. | परशोतम लाल शर्मा | रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू कैन्ट | 12-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 34. | जगदीश राम खन्ना | रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 35. | के० एस० माधवन | रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई | 3-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 36. | बी० एस० कृष्णामूर्ति | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास | 17-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 37. | एन० एन० कपूर | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ | 27-2-1975 (पूर्वाह्न) |
| 38. | मंगल सेन भसीन | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ कैन्ट | 1-2-1975 (पूर्वाह्न) |

दिनांक 19 मार्च 1975

संशोधन

सं० 18317/प्रशा०-II—श्री ए० बी० कृष्णा राव, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, जो कि विस्तार निदेशालय, कृषि विभाग, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय, नयी दिल्ली में उपनिदेशक (ले) की हैसियत से प्रतिनियुक्ति पर सेवारत थे, को पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया है तथा दिनांक 28-2-75 अपराह्न से इन्हें विभाग की नफरी से हटा दिया गया है।

(2) श्री ए० बी० कृष्णा राव को 74 दिन अर्थात् 1-3-75 से 13-5-75 तक की अस्वीकृत छुट्टी प्रदान की जाती है।

(3) श्री ए० बी० कृष्णाराव के बारे में इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 18317/प्रशा०-II, दिनांक 16-1-75 को रद्द किया जाता है।

दिनांक 20 मार्च 1975

सं० 18155/प्रशा०-II—श्री पी० पी० एन० सिंह, रक्षा लेखा उप नियंत्रक द्वारा भारतीय रक्षा लेखा सेवा से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 5-1-75 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत कर लिया गया। तदनुसार उन्हें उसी तारीख से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

सं० 40011 (2)/74-प्रशा०-ए० —वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायेगा।

| क्रम सं० | नाम, रोस्टर सं० सहित | ग्रेड | पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख | संगठन |
|----------|-----------------------------------|-------------------------|----------------------------------|--|
| सर्वश्री | | | | |
| 1. | बी० डी० नामजोशी (पी०/463) | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-5-75 (अपराह्न) | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना। |
| 2. | एम० आर० सुब्रमन्यम (पी०/691) | स्थायी लेखा अधिकारी | 30-4-75 (अपराह्न) | रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता। |
| 3. | टी० ए० मैथ्यूज (ओ०/111) | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-5-75 (अपराह्न) | रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौसेना), बम्बई। |
| 4. | बी० बी० चिटनिस (ओ०/126) | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 30-6-75 (अपराह्न) | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना। |
| 5. | टी० आर० नांगिया (अ० नि० नहीं हुआ) | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-5-75 (अपराह्न) | रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन), इलाहाबाद। |

सं० 68019(1)/73-प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महा-नियंत्रक, रक्षा लेखा विभाग के श्री आर० एन० गुप्ता, अनुभाग अधिकारी (लेखा) (जो रक्षा मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर थे) को अनुक्रम नियम के अधीन स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में रु० 840-40-1000-द० रो० -40-1200 के वेतनमान में 1-8-1974 (पूर्वाह्न) से 26-12-1974 तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 18296/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० एस० स्याल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 31-7-75 (अपराह्न) को पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

सं० 18277/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० जी० पटवर्दन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 30-6-1975 अपराह्न को पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

2. श्री एस० जी० पटवर्दन को 3-3-75 से 30-6-75 तक सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी मंजूर की गई।

सं० 18123/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री टी० जी० तारावनर, रक्षा लेखा उप नियंत्रक को 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायेगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैंक्टरियां
भारतीय आर्डनेन्स फैंक्टरियां सेवा
कलकत्ता, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 11/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एफ० ई० जोशी, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैंक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6/431/56-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एन० के० जगताप, नियंत्रक, द्वितीय श्रेणी को तीन महीने के लिए 9-12-74 (पूर्वाह्न) से उसी कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक मार्च 1975

सं० 6/731/64-प्रशा० (जी०)—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री एस० भट्टाचार्य ने 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न को नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 6/1069/75-प्रशा० (जी०)—श्री ए० एम० श्रीनिवासन को अवकाश स्वीकृत करने पर, वाणिज्य मंत्रालय में काम कर रहे श्री तिलोक सिंह, वरिष्ठ निजी सहायक को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से 22 मार्च, 1975 के अपराह्न तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रवरण श्रेणी) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० 6/126/54-प्रशा० (जी०)—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री एम० एस० पुरी, स्थायी उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को 11-2-75 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक, बम्बई में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1975

सं० 6/1041/74-प्रशा० (राज०)—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्वारा विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय, नई दिल्ली के प्रभारी अधिकारी श्री एस० पी० छिन्नर को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय (के० ला० श्रे०), नई दिल्ली में 10 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से हटकर) पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एस० पी० छिन्नर नियमों के अनुसार 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 मार्च 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(638)—श्रीमान् राष्ट्रपति, 19 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री अमर जीत जस्साल को बुनकर सेवा केन्द्र, इंदौर में उप-निदेशक (पी० और डी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-1-2(237)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के उप-निदेशक श्री एन० सुब्रह्मण्यन्, 14-10-1974 से 31-1-1975 तक निवृत्ति पूर्व छुट्टी ग्रहण करके, 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न में सेवा से निवृत्त हो गए।

मणि नारायणस्वामी,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1975

सं० सी० ई० आर०/6-ए०/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58, दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 12 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,
मद्रास।

(दो) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,
मद्रास।

- (तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र, मद्रास ।
- (चार) उप निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास ।
- (पांच) सभी वस्त्र नियंत्रण अधिकारी ।
- (छ) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास ।
- (सात) सहायक निदेशक हाथकरघा और वस्त्र कोडम्बतूर, सेलम, मधुराई, त्रिची, तिरुनेलवेली, कांचीपुरम्, मधुराई स्थित रामनाड, इरोड और तिरुचेनगोड मंडलों में ।
- (आठ) सभी वस्त्र निरीक्षक ।
- (नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों ।
- (दस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक अधिकारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न हों ।
- (ग्यारह) पुलिस तथा चुंगी विभाग के अधिकारी जो सब-इंस्पेक्टर की श्रेणी से नीचे के न हों ।

सं० सी० ई० आर०/6-बी०/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से, मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (12)/58, दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त सशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रमसंख्या 11 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

| क्र० सं० | अधिकारी का पदनाम | राज्य का नाम |
|----------|---|--------------|
| 11 (एक) | निदेशक हाथकरघा और वस्त्र, मद्रास | तमिलनाडु |
| (दो) | संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र, मद्रास | |
| (तीन) | उपनिदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास | |
| (चार) | सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास । | |

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 29 मार्च 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (646)—वस्त्र आयुक्त 10 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई के कला रूपकार श्री ठाकोर भाई किशोर भाई पटेल को वुनकर सेवा केन्द्र मेरठ में विशेषज्ञ रूपकार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

बि० ना० वसु,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 10 मार्च 1975

सं० ए० 19011(177)/74-सि० ए०—राष्ट्रपति श्री एम० के० ग्रन्थुल मुनाफे को 7 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 22 मार्च 1975

सं० ए०-19011(176)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एस० एल० पीटाले को 11 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में स्थानापन्न रूप में सहायक खनि नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं ।

दिनांक मार्च 1975

सं० ए० 19011(20)/70-सि० ए०—श्री एन० एल० चटर्जी, स्थायी उप खान नियंत्रक, स्थानापन्न प्रादेशिक खान नियंत्रक ने भारत एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड की कोरबा परियोजना में खनन और भूविज्ञान प्रमुख के रूप में प्रतिनियुक्ति पर दि० 6-12-74 के अपराह्न से प्रादेशिक खान नियंत्रक का पद भार त्याग दिया है ।

ए० के० राघवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी,
कृते नियंत्रक

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1975

सं० टी०-31013/5/सी०बी०एम०/72—खनिज समारक्षण एवं विकास नियम, 1958 के सम्बन्ध में कार्यवाही करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने हेतु मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के समकक्ष निविष्ट नियम/नियमों के अधीन मेरी ओर से कार्यवाही करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ :—

| | |
|---|---------------------|
| 1. खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग । | नियम 13(2) और 24 |
| 2. प्रादेशिक खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग । उप खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग । सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग । | |

ये आदेश तुरन्त लागू होंगे ।

आदेश

1. आदेश दिया जाता है कि भारतीय खनि विभाग के अधिकारियों को ये प्राधिकरण समस्त खान मालिकों की सामान्य सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किये जायें ।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इन प्राधिकरणों की एक प्रति इस विभाग के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त खान मालिकों को संचारित की जाय ।

डी० एन० भार्गव, नियंत्रक,
भारतीय खनि विभाग

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1975

सं० 2222(डी०आर०के०)/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री डी० आर० कामेश्वर को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 15 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(एस०के०वी०)/19-ए०—श्री सुभाष कुमार वर्मा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रुपए मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 17-1-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन,
महा निदेशक

(पूर्ति विभाग)

कार्यालय, मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

सं० ए०-24013/74-75/कलकत्ता/प्रशा०/ (समन्वय)/ 4431-36 दिनांक 13 मार्च, 1975—वरिष्ठ उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, कलकत्ता के स्थानापन्न सहायक मुख्य वेतन और लेखा अधिकारी श्री एम० के० बनर्जी निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर दिनांक 1 फरवरी, 1975 से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

पी० पी० गंगाधरन,
मुख्य वेतन तथा
लेखा अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक मार्च 1975

सं० प्र०-1/1(972)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा सर्वश्री ए० अब्दुल रसीद और मन मोहन पाल सिंह को दिनांक 1-3-75 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(हिन्दी अनुभाग)

दिनांक मार्च 1975

सं० प्र०-6/247 (472)/63—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री डी० आर० मेहरे को दिनांक 3-2-75 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मेहरे ने 7-12-74 के अपराह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार छोड़ दिया

और दिनांक 3-2-75 के पूर्वाह्न से अवकाश से लौटने पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक
पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 मार्च 1975

सं० प्र०-1/1(1020)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री एस० के० शर्मा को 1 मार्च 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति, पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्युस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के आधीन होगी।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग

केन्द्रीय कार्यालय

हावड़ा-3, दिनांक 5 मार्च 1975

सं० बी० एस० आई०-66/91/74-इस्टे०—संच लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग डा० जगदीश नारायण सिंह की नियुक्ति केन्द्रीय कार्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग-हावड़ा के द्वितीय श्रेणी राजपत्रित स्वायत्त केमिस्ट पद पर संशोधित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810- ई० बी०-880-40-1000-40-1200 में 22 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से पुनः आदेश होने तक, करते हैं।

एम० एल० मुखर्जी,
प्रशासकीय अधिकारी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6/5/74-पुरा०—पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन, जो पुरावशेष नहीं हैं ऐसी निर्यात की वस्तुओं, पदार्थों और सामग्रियों को पारित करने के काम को सीधे निपटाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक इसके द्वारा बंगलौर (टीपू सुलतान पेलेस, बंगलौर) में विशेषज्ञों

की एक समिति का गठन करते हैं। इस समिति के सदस्य निम्न-लिखित होंगे :—

वन साधन का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

वेहराडून, दिनांक 19 मार्च 1975

1. अधीक्षण पुरातत्त्ववेत्ता, संयोजक
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
दक्षिणी मंडल, फोर्ट सेंट जार्ज,
मद्रास ।

2. निदेशक, सदस्य
पुरातत्व और संग्रहालय,
(कर्नाटक राज्य),
मैसूर ।

3. मुख्य पुरालेखविद्, सदस्य
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
100 फोर्ट रोड,
मैसूर ।

4. डा० शिवराज करनाथ, सदस्य
कोटा (दक्षिण कनारा),
कर्नाटक ।

सं० एफ० 3-18/74-प्रशासन—वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण, उत्तरीय आंचल शिमला के श्री एस० एस० सीनी, सहायक अस्थपाल को दिनांक 25-8-74 अपराह्न से आगामी आदेशों तक वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण भूटान, जिसका मुख्यालय पारो में है, प्रतिनियुक्त किया जाता है । श्री सीनी की प्रतिनियुक्ति विदेश मंत्रालय के पत्र सं० ई० 4/551/72 दिनांक 10-5-1973, जो कि समय समय पर सुधरता है, में निहित शर्तों के द्वारा नियंत्रित की जावेगी एवं वे उन आदेशों के अनुसार भूटान भ्रम के अधिकारी होंगे ।

रोमेश चन्द्रा,
मुख्य समन्वयक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक मार्च 1975

सं० 2/32/60 एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० एन० कुण्डू, लेखाकार, बेतार जगत, आकाशवाणी, कलकत्ता को दिनांक 19-3-75 से आकाशवाणी, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर रु० 650-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

एन० आर० बैनर्जी,
निदेशक पुरावशेष,
कृते महानिदेशक

इन्द्र सेन पांडी,
अनुभाग अधिकारी,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1975

सं० 2(4)/74-एस०-तीन०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को, प्रत्येक के सामने लिखी तारीखों से, उनके नामों के सामने उल्लिखित केन्द्रों/कार्यालयों पर अग्रेतर आदेशों तक सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने को नियुक्त करते हैं :—

| क्रम सं० | नाम | कहां तैनात किए गए | नियुक्ति की तारीख |
|----------|------------------------|--|---------------------|
| 1. | श्री प्रकाशशुक्ल | अनुसंधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली | 17-1-75 |
| 2. | श्री गणु मुरली | आकाशवाणी, हैदराबाद | 21-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 3. | श्री जी० बी० मुरलीधर | आकाशवाणी, गौहाटी | 24-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 4. | श्री पी० सी० खुराना | आकाशवाणी, कोहिमा | 19-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 5. | श्री एल० डी० शर्मा | आकाशवाणी, कोहिमा | 20-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 6. | श्री बी० एस० मेनन | क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व) आकाशवाणी, कलकत्ता | 25-1-75 (पूर्वाह्न) |
| 7. | श्री एस० आर० अप्पा राव | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, राजकोट | 28-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 8. | श्री एन० मित्रा | उच्च शक्ति प्रेषित, चिन्सुरा | 26-2-75 (पूर्वाह्न) |
| 9. | श्री टी० जे० चाको | दूरदर्शन मूल प्रस्तुतीकरण केन्द्र, कटक | 1-3-75 (पूर्वाह्न) |
| 10. | श्री आर० रंगास्वामी | आकाशवाणी, गौहाटी | 7-3-75 (पूर्वाह्न) |

आर० के० खट्टर,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० 5(41)/67-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री शंकर लाल, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, शिमला को 28 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, अस्थायी पदक्षमता में, आकाशवाणी, जयपुर में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1975

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 3 और 4 के अधीन नियुक्ति—आदेश और घोषणा।

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 3 और 4 का अनुसरण करते हुए, पी० सी० चटर्जी, महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री के० बी० सुब्बा राव, कृषि रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, हैदराबाद, के कार्यस्तर, आचरण और चरित्र का विचार कर इस बात से सन्तुष्ट होने पर कि वे भारत सरकार में 20-11-1973 (पूर्वाह्न) से कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर स्थायीवत् पद क्षमता में नियुक्त किए जाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति हैं। उक्त श्री के० बी० सुब्बा राव को एतद्द्वारा उक्त तारीख से उक्त पद पर स्थायीवत् पद क्षमता में नियुक्त करता हूँ।

पी० सी० चटर्जी,
महानिदेशक, आकाशवाणी

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1975

शुद्धि पत्र

सं० 5(24)/69-एस०-एक—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 5(24)/69-एस०-एक दिनांक 9 जनवरी, 1975, जो श्रीमती बी० एल० लियानी की कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्ति से सम्बन्धित थी, में उल्लिखित शब्दों और अंकों “21 दिसम्बर, 1974” को कृपया “21 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न)” पढ़ें।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1975

सं० 9/53/61-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक ने इस निदेशालय में तकनीकी सहायक (मुद्रण प्रचार) श्री एम० एल० मुखर्जी, को एतद्द्वारा 13 जनवरी, 1975 से 1 मार्च, 1975 तक स्थानापन्न सहायक प्रोडक्शन मैनेजर (मुद्रण प्रचार) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री आर० एच० भनोट की अवकाश रिक्ति शृंखला में श्री आर० जे० चन्द्रभान सिंह के स्थान पर की गई है।

आर० एल० जैन
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 21 मार्च 1975

सं० 7/पी० एफ०-II/48 सिबन्दी-I—श्री डी० एन० चावला स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग बम्बई के अवकाश पर से वापस आने के कारण, श्री एल० टी० फर्नडिस दिनांक 14-3-75 के पूर्वाह्न से विज्ञेला फिल्म प्रभाग, बम्बई के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1975

सं० 20/1(22)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) उमा जैन को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, में 7 मार्च, 1975 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल,
उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०)

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 26-6/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति, डा० एस० के० शोम को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली, में सहायक निदेशक (कवक विज्ञान) के स्थायी पद पर 21 फरवरी, 1972 के पूर्वाह्न से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 मार्च 1975

सं० 17-16/73-एडमिन-1—राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के प्रथम ग्रेड पुस्तकाध्यक्ष श्री एम० के० भट्ट ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली से विदेश सेवा पर प्रतिनियुक्ति पर से वापिस लौटने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 1 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से प्रथम ग्रेड पुस्तकाध्यक्ष के पद का कार्यभार पुनर्ग्रहण कर लिया।

प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एस० के० शर्मा ने 31 जनवरी 1975 के अपराह्न से इस निदेशालय में प्रथम ग्रेड पुस्तकाध्यक्ष के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 9-29/74-प्रशासन-1—राष्ट्रपति, डा० (कुमारी) ए० भादुड़ी को उप-प्रधानाचार्या, राजकुमारी अमृतकीर उपचर्या कालिज, नई दिल्ली, के स्थायी पद पर 31 अगस्त, 1970 से मूल रूप से युनियन करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1975

सं० 9-3/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन और सतर्कता निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 1 फरवरी 1975 से आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, में क्लिनिकी अनुदेशिका के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

1. कुमारी सुजाना डोडा
2. श्रीमति ममता वीक्षित।

दिनांक

(शुद्धि-पत्र)

सं० 9-24/73-एडमिन-1—इस निदेशालय की 15 दिसम्बर, 1973 की अधिसूचना संख्या 9-24/73-एडमिन-1 में चौथी पंक्ति में “22 अगस्त 1973 (पूर्वाह्न)” के स्थान पर “28 अगस्त 1973 (पूर्वाह्न)” पढ़ें।

दिनांक 22 मार्च 1975

सं० 1-13/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान कलकत्ता, के अधीक्षक श्री एस० दास को उसी संस्थान में 31 जनवरी 1975 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 24 मार्च 1975

सं० 17-21/72-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जे० एस० मन्जुल को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा कार्यालय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (शिक्षक प्रशिक्षण) के स्थायी पद पर 4 जून 1971 के स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 1-15/71-एडमिन-1—केन्द्रीय श्रम संस्थान बम्बई में सहायक निदेशक (शरीर क्रिया विज्ञान) के पद पर नियुक्ति के लिए चुने जाने के फलस्वरूप डा० एस० आर० दत्त ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में 23 नवम्बर 1974 के अपराह्न से अनुसन्धान अधिकारी (शरीर क्रिया विज्ञानी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 1-10/72-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री एम० ए० सम्पत्कुमारन् को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में समन्वय अधिकारी के स्थायी पद पर 21 मार्च, 1972 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय,

नागपुर, दिनांक 14 मार्च 1975

सं० फा० 3(13)/52/75-वि० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I, दिनांक 21-7-1973 (पृष्ठ 1785) में प्रकाशित अधिसूचना सं० फा० 3(13)52/73-वि० II, दिनांक 4 जुलाई 1973 के आंशिक रूपान्तरण में श्री घनश्याम सिंह, विपणन अधिकारी और श्री बी० एन० के० सिन्हा, प्रवर निरीक्षक के उक्त अधिसूचना में होने वाले नाम को रद्द समझा जाये।

एन० के० मुरलीधरा राव,
कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० फा० 4-6(41)74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री दाऊद खां, सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग-द्वितीय, बम्बई, को दिनांक 7 जनवरी, 1975, के पूर्वाह्न से दिनांक 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न तक विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन बम्बई में स्थानापन्न विपणन अधिकारी, वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया।

2. सरकारी सेवा से उनका त्यागपत्र स्वीकार होने पर श्री खां को, दिनांक 31 जनवरी, 1975, के अपराह्न में इस निदेशालय से कार्यभार मुक्त किया गया।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० फा० 4-6(68)/75-प्रशा०-I—संघलोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जी० के० उपाध्याय, जो तदर्थ आधारे पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-द्वितीय) के पद पर कार्यरत हैं, को, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में तारीख 8 नवम्बर, 1974 से अगले आदेश होने तक नियमित रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-द्वितीय) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरालीधरा राव,
कृषि विपणन सलाहकार

(सिंचाई विभाग)

महाप्रबन्धक का कार्यालय

फरक्का बांध परियोजना

फरक्का, दिनांक 23 मार्च 1975

सं० पी० एफ०-II/93—श्री डी० पी० घोसाल, सहायक अभियंता, जो प्रतिनियुक्ति पर थे। भारत सरकार के सिंचाई एवं विद्युत मंत्रालय (अभी कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय, सिंचाई विभाग) के फरक्का बांध परियोजना के अधीक्षक अभियन्ता, यांत्रिक मंडल के व्यक्तिगत सहायक के पद भार को दिनांक 31

अगस्त, 1974 के अपराह्न में छोड़ दिये, और अपने पूर्व विभाग पश्चिम बंज सरकार के (मिचार्ड एवं जल पथ) में वापस चले गये।

जे० एन० मंडल,
महा प्रबन्धक,
फरक्का बांध परियोजना

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० पी० ए०/79(II)/72-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई आणु लिपिक (वरिष्ठ) श्री टुमकुर कृष्णमूर्ति नरसिंहमूर्ति को श्री सी० पी० जेम्स सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 5 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से 30 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० पी० ए०/73(5)/73-आर-4—इसी संख्या के 2 जनवरी, 1975 के कार्यालय ज्ञापन के सिलसिले में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने 1 जनवरी, 1975 से आगामी आदेश तक के लिये इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में डा० (श्रीमती) शशिकला रजनीकांत त्रिभुवन की अस्थाई रूप से मिरंतर स्थानापन्न नियुक्ति का अनुमोदन किया है।

पी० उन्नीकृष्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (भरती)

बम्बई-400085, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 5/1/75-स्थापना-5—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के सहायक श्री चित्तामणि वासुदेव पेडसे को 2-12-1974 से 7-2-1975 तक के लिए अस्थाई रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांतकुमार मेनन,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० रापविप/04627/1(153)/73/स्थ०—मेसर्स भारत पम्प एण्ड काम्प्रेसर लिमिटेड, नैनी में प्रतिनियुक्ति पर, राजस्थान

परमाणु विद्युत परियोजना के एक स्थायिवत् व्यक्तिगत सहायक एवम् स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी श्री आर० के० बाली ने उस परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 9 जुलाई, 1973 के अपराह्न से छोड़ दिया।

दिनांक 9 जुलाई, 1973 की अधिसूचना सं० रापविप/04627/1(153)/73/स्थ०/944 निरस्त समझी जाय।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

तारापुर परमाणु बिजलीघर
थाना, दिनांक 28 फरवरी, 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/673-ए(एक्स) 254—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी फोरमैन श्री एन० के० अग्रवाल को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से उसी बिजलीघर में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

क्रय एवम् भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 मार्च 1975

सं० डी० पी० एस०/ए/32011/2/73/स्थापना 253—क्रय तथा भंडार निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक श्री वामन गंगाधर तिलक को, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० जी० कुलकर्णी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 26-2-1975 (पूर्वाह्न) से 19-4-1975 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए क्रय तथा भंडार निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन-अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन
नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1975

सं० ए० 32012/4/73-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी० डी० रंगनाथन, अधीक्षक (आराजपत्रित) को 22 जनवरी, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेश जारी होने तक क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी (राजपत्रित श्रेणी II) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 मार्च, 1975

सं० ए० 12025/5/74 ईके सी०—राष्ट्रपति ने श्री उपेंद्र नारायण सिंह को 24-2-1975 से अगले आदेश जारी होने तक वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में अस्थायी रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबन्स लाल कोहली
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० ए० 31014/1/75 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को 1 जनवरी, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थायी रूप से सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

1. श्री एम० पी० के० पिल्ले
2. श्री वी० एन० अय्यर
3. श्री एन० जे० जाब
4. श्री आर० सुब्रमण्यन
5. श्री के० मुथुकृष्णन
6. श्री आर० एन० पांडे
7. श्री जी० कन्नयन
8. श्री जी० एस० करनानी
9. श्री आर० आर० अय्यर
10. श्री टी० एस० प्रकाशम
11. श्री एस० रामामृतम
12. श्री एम० राघवन
13. श्री एस० कृष्णामूर्ति
14. श्री के० गोपालाकृष्णन्
15. श्री डी० पी० चौहान
16. श्री एस० मणिकम
17. श्री आर० एस० राघवन
18. श्री एस० के० नियोगी
19. श्री के० वी० बासुदेवन
20. श्री बी० आर० श्रीनिवासन
21. श्री के० इसैया
22. श्री पी० के० सेन
23. श्री एन० पीचूमणि
24. श्री एम० कृष्णा
25. श्री आर० आर० जोशी
26. श्री के० डी० तुली
27. श्री सी० एल० खेरा
28. श्री पी० एस० एन मूर्ति
29. श्री के० सी० नायर
30. श्री एल० आर० डवरा
31. श्री जी० बरनार्ड
32. श्री दलीप सिंह
33. श्री एस० एस० चौधरी
34. श्री गुरुबचन सिंह बेदी
35. श्री वी० वी० हरनल
36. श्री ए० पी० सुन्दरम्
37. श्री जे० एच० डेविड
38. श्री ए० सी० थामस

39. श्री पी० सालोमन राजू
40. श्री के० के० सिद्धार्थन
41. श्री एन० ए० जोसफ
42. श्री एस० पी० शर्मा
43. श्री के० सी० बिस्वास
44. श्री पी० आर० नायर
45. श्री पी० के० दत्ता
46. श्री बी० जी० सान्याल
47. श्री एम० वी० के० मूर्ति
48. श्री वी० एस० पिल्लै
49. श्री जे० भट्टाचार्य
50. श्री पी० एम० सुबैया
51. श्री जगदीश सिंह
52. श्री जे० पी० आनन्द
53. श्री पी० आर० बनर्जी
54. श्री वी० एस० डेविड
55. श्री एन० एस० पाल
56. श्री डी० पाल
57. श्री पी० रामीओस
58. श्री एस० वी० राजन
59. श्री एम० के० देसाई
60. श्री एम० एस० सचदेव
61. श्री वी० के० दास
62. श्री वी० रंगानाथन

हरबन्स लाल कोहली
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1975

सं० ए० 19013/14/72-ई० एच०—श्री बाई० आर० मलहोत्रा ने निर्वर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से नागर विमानन विभाग में उप महानिदेशक के पद का कार्यभार त्याग दिया है। श्री मलहोत्रा को 1 मार्च, 1975 से 120 दिन की "अस्वीकृत छुट्टी" प्रदान की गई है।

टी० एस० श्रीनिवासन
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1975

सं० ए० 12034/4/75 ई० ए०—निम्नलिखित अधिकारी निर्वर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप 28 फरवरी, 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये :—

| क्रम सं | नाम | पदनाम | स्टेशन |
|---------|---------------|-----------------------------|------------------------------|
| स्वश्री | | | |
| 1. | के० सी० बोस | वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी | सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली। |
| 2. | बी० डी० लाइनल | सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी | मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास। |

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० ई० (1) 05554—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एन० आर० सेनगुप्त को 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० आर० सेनगुप्त वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किये गये हैं।

दिनांक 15 मार्च 1975

सं० ई० (1) 04294—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक प्रादेशिक मौसम केंद्र कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबारी के व्यवसायिक सहायक, श्री एस० आर० सेन को 25 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० आर० सेन निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबारी में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04247—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, कलकत्ता के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री सी० एस० सरकार, को 20 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री सी० एस० सरकार निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, गोहाटी में तैनात किये गये हैं।

सं० ई० (1) 05503—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एन० बी० आयर को 3 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० बी० आयर, स्थानापन्न सहायक, मौसम विशेषज्ञ निदेशक उपकरण, पूना के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास

मौसम विशेषज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० 16/99/67-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने डा० पी० बी० एल० श्रीवास्तव द्वारा वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में 3—56GI/75

अनुसंधान अधिकारी के अपने पद की नियुक्ति से दिया गया त्यागपत्र 1 जनवरी, 75 के अपराह्न से सहर्ष स्वीकार किया है तथा उसी तारीख से उन्हें उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

प्रेम कपूर

कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1974

सं० 1/321/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री एन० के० दाम को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 2-12-74 से लेकर 21-2-74 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उम्मीद शाखा में स्थानापन्न रूप में पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० के० जी० नायर

उप निदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक

केंद्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहृतलय

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1975

सं० 17—प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तरक्की होने पर श्री परेसनाथ चटर्जी अपराह्न दिनांक 5-2-75 को कलकत्ता चतुर्थ केंद्रीय उत्पादन डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारी का भार ग्रहण कर श्री एन० एन० बोस, प्रशासनिक अधिकारी, को कलकत्ता एवं उड़ीसा कलकटरी के लिये स्थानांतरित किये।

सं० 18—द्वितीय श्रेणी अधीक्षक के पद पर तरक्की होने पर श्री अमृत्यु कुमार साहा मध्यान पूर्व दिनांक 1-2-75 को कूचबिहार केंद्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत फालाकाता रेंज का कार्यभार ग्रहण कर श्री मृत्युंजय बसु, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, को कलकटरी प्रधान कार्यालय में स्थानांतरित किये।

सं० 19—कूच बिहारी केंद्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के फालाकाता रेंज से बदली होने पर श्री मृत्युंजय बसु, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्यान पूर्व दिनांक 11-2-75 को कलकटरी प्रधान कार्यालय के केंद्रीय विनिमय में कार्यालय अधीक्षक का भार ग्रहण किये।

सं० 20—कृष्णनगर सीमा शुल्क डिवीजन कार्यालय से बदली होने श्री अरविंद घोष, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, अपराह्न दिनांक 10-2-75 को कलकत्ता चतुर्थ केंद्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत कृष्णनगर केंद्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत कृष्णनगर केंद्रीय उत्पादन शुल्क रेंज का कार्यभार ग्रहण कर श्री विरेन्द्र नाथ राय, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, को स्थानांतरित किये।

सं० 21—कलकत्ता चतुर्थ केंद्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत कृष्णनगर केंद्रीय उत्पादन शुल्क रेंज से बदली होने पर श्री विरेन्द्र नाथ राय, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्यानपूर्व दिनांक 11-2-75

को हठगनगर सीमा शुल्क डिवीजनल निवेष्ट इकाई का भारत ग्रहण कर श्री अरविंद घोष, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, को स्थानांतरित किये ।

सं० 22—वर्धमान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन से निरीक्षण टोली—2 को समाप्त करने पर श्री मृनाल काति चौधरी, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक मध्याह्नपूर्व दिनांक 10-2-75 को उपरोक्त डिवीजन के अन्तर्गत दुर्गापुर में नव स्थापित एलाय स्टील प्लांट रैंज का भार ग्रहण किये ।

सं० 23—कलकत्ता चतुर्थ केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के निरीक्षण टोली-1 के उन्मूलन पर श्री डी० सी० काजीलाल, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्नपूर्व दिनांक 21-2-75 को उपरोक्त डिवीजन के अन्तर्गत नव स्थापित विशेष दल (स्क्वाड) का कार्य भार ग्रहण किये ।

एन० एन० राय चौधरी
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क

पटना, दिनांक 16 मार्च 1975

सं०-11(7)1-स्था० 70/2429—श्री ए० के० बनर्जी स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना दिनांक 31-1-75 के अपराह्न से निवृत्त पर सेवा निवृत्त हुए ।

हरि नारायण साहू
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1975

सं० सी० 11/3/32/75-संस्थापन :—श्री बी० जी० गस्पर, अधीक्षक, श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, समाहर्ता-कार्यालय, मद्रास अधिवाषिकी की आयु प्राप्त करने पर 31-1-75 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये हैं ।

सी० चिदम्बरम्
समाहर्ता

बम्बई 400 038, दिनांक 6 जनवरी 1975

सीमाशुल्क

सं० 1/75—श्री आर० एस० कणिक, स्थायी मूल्यनिरूपक, बम्बई सीमाशुल्क भवन, दिनांक 31-12-1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए ।

बी० बी० गुजराल
सीमाशुल्क समाहर्ता

सीमाशुल्क/सिध्ददी

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1975

सं० 1/75—श्री एन० सुन्दरराजन, मद्रास सीमा शुल्क के सीनियर ग्रेड प्रवेंटर आफिसर, जो इस कार्यालय के आदेश सं० 235/74 ता० 22-11-74 से मूल्य निरूपक पदोन्नति किये गये थे 11-12-74 प्रातः काल से विसंगठनम सीमाशुल्क में अधिकार कर लिये हैं ।

सं० 2/75—श्री के० बालगोपलन, एक्जामिनेर (ए० सं० जी०) कोचिन सीमा शुल्क जो इस कार्यालय के आदेश सं० 236/74 ता० 22-11-74, से मूल्य निरूपक पदोन्नति किये गये, वे 25-11-74 प्रातःकाल से कोचिन सीमा शुल्क में अधिकार प्राप्त कर लिये हैं ।

सं० 3/75—श्री के० रामनादन, डिप्टि, आफिस सुपरिटेन्डेंट, जो इस कार्यालय के आदेश सं० 234/74 ता० 22-11-74 से मूल्य निरूपक पदोन्नति किये गये, वे 30-11-74 प्रातःकाल से कोचिन सीमा शुल्क में अधिकार प्राप्त कर लिये हैं ।

सं० 4/75—श्री के० बाश्याम, स्थायी सीनियर ग्रेड प्रवेंटर आफिसर, जो इस कार्यालय के आदेश 231/74 ता० 22-11-74 से प्रवेंटर इन्स्पेक्टर पदोन्नति किये गये थे 23-11-74 प्रातःकाल से अधिकार प्राप्त कर लिये हैं ।

जी० संकरन
सीमा शुल्क समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

मोनार, दिनांक 12 मार्च, 1975

सं० 8—नियुक्ति पर श्री एस० पी० श्रीवास्तव, स्थानापन्न, उप अधीक्षक (कार्यपालक) ने, जो आपातकालीन जोखिम बीमा निदेशालय, कानपुर केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, 1 फरवरी, 1975 के दोपहरपूर्व को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, लखनऊ में अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्य-भार सम्भाल लिया ।

अभिलाष शंकर
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

निर्माण और आवास मंत्रालय

नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० ए०-12025(iii)/1/74-टी० सी० पी० ओ०/एस्ट०—अध्यक्ष, नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन, श्री आर० एन० कपूर, सहायक आयोजक को केवल अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर, सहायक वास्तुक के पद पर रुपये 850-1200 वेतनमान पर 1-3-75 से 6 महीने के लिये या जब

तक लोक सेवा आयोग का नामित पदग्रहण ना करें, तब तक के लिये पदोन्नत करते हैं। पदोन्नत उनकी इस पद पर स्थाई रूप में नियुक्ति के लिये और ज्येष्ठता के लिये कोई अधिकार नहीं प्रदान करता और वे किसी भी समय, कारण बताये बिना अपने निम्न पद पर प्रत्यावर्त किये जा सकते हैं।

एस० एल० तेजबानी

प्रशासन अधिकारी

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नव तृतीकोरिन पत्तन

तृतीकोरिन, दिनांक 17 जनवरी 1975

सं० ए-22013(1)/75-प्रशासन/डी 226—सहायक इंजीनियर (सिविल) के तौर पर इस पत्तन में चालू प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर तमिल नाडु राजमार्ग तथा ग्रामीण निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री एस० विगनाराजन 31 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न से अपने मूल विभाग को प्रत्यावर्तित हो गए।

दिनांक 10 मार्च 1975

सं० ए-12025(1)/75-प्रशासन/डी०-1156—नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक इस पत्तन में कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) श्री एस० परमाशिवन को पदोन्नति पर 24 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से अगला आवेश होने तक के लिए नव तृतीकोरिन पत्तन में 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक इंजीनियर (सिविल) नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल,
मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1975

सं० क-19012/533/75-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री सी० के० एम० नम्बीयार को कें० ज० और वि० आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 19-2-1975 के (पूर्वाह्न) से पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री सी० के० एम० नम्बीयार ने अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार बाढ़ नियंत्रण सुरक्षा तथा आयोजन निदेशालय, केन्द्रीय जल आयोग में उपरोक्त तिथि एवं समय से सम्भाल लिया है।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 4 दिसम्बर, 1974 के, अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायको (इंजीनियरी) को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से 31-3-1975 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक ये पद नियमित रूप में नहीं भरे जाते, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री सी० भुजंग राव—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
2. श्री के० ए० इस्माइल—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
3. श्री डी० एम० खम्बेटे—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
4. श्री ए० जी० पुन्सलकर—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
5. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
6. श्री एस० एन० मोने—1-1-1975 से 31-3-75 तक।
7. श्री एम० एस० शितोले—1-1-1975 से 31-3-75 तक।

संघ लोक सेवा आयोग की अनुमति प्राप्त कर ली गई है।

सं० क-19012/508/74-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री जे० पी० वारशनी को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 14-10-1974 (पूर्वाह्न) से पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जे० पी० वारशनी ने सहायक अभियन्ता, चिनाव उप-प्रमण्डल सं० 3, कुल्लू, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) कुल्लू के पद का कार्यभार उपरोक्त तिथि एवं समय से सम्भाल लिया है।

जंगणेर सिंह,

अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 6(11)/75-प्रशासन 4—अध्यक्ष केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण एतद्वारा श्री ए० एस० कम्बर, कार्यालय अधीक्षक, को श्री० एण्ड एम० संगठन, बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र,

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, नई दिल्ली में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, 21-2-75 से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, एतद्द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय बिजली इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा के अन्तर्गत अतिरिक्त सहायक निदेशक के ग्रेड में उनके नामों के सामने दिखाई गयी तिथियों से, अन्य आदेश होने तक के लिये नियुक्त करते हैं:—

1. श्री जे० एन० माथुर—5-3-1975 (पूर्वाह्न)।
2. श्री पी० एस० रमुलु—5-3-1975 (पूर्वाह्न)।

मूल शंकर पाठक,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1975

(शुद्धि पत्र)

सं० इस कार्यालय के दिनांक 19-11-74 की अधिसूचना संख्या 33/3/74/27/23/72-प्रशा० 4 को 3री और 4थी पंक्ति में लिखे हुए "700-40-900-दक्षता रोध-40-1100-50-1300 रुपए के वेतनमान में -700/- रुपए के मासिक वेतन" के बजाय कृपया "700-40-900-दक्षता रोध-40-1100-50-1300 रुपए के वेतनमान में निबन्धों के अनुसार वेतन" पढ़ें।

एस० एस० पी० राव,
प्रशासन उप-निदेशक,
कृते प्रमुख इंजीनियर

इस्टिंगरल कोच फैक्ट्री

मद्रास-38, दिनांक 8 मार्च 1975

सं० पी० बी०/जी० जी०/9 मिस०/II—श्री मुहम्मद खाना मोहैदीन स्थानापन्न सहायक यांत्रिक इंजीनियर/डी० पी० डी० (श्रेणी II) (तदर्थ) को श्रेणी III सेवा में ता० 18-2-1975 के पूर्वाह्न से प्रत्यावर्तित किया गया है।

श्री पी० गोविन्दन, स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/डी० एस० एस० (व० मा०) (तदर्थ) को ता० 27-2-1975 के अपराह्न से श्रेणी-II सेवा में प्रत्यावर्तित किया गया है।

श्री बी० बिल्ली बाबू, स्थानापन्न वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/शेल् (व० मा०) (तदर्थ) को श्रेणी II सेवा में ता० 8-3-1975 से प्रत्यावर्तित किया गया है।

श्री सी० शंकरन, स्थानापन्न कल्याण अधिकारी (श्रेणी II) को ता० 8-3-1975 से श्रेणी III सेवा में प्रत्यावर्तित किया गया है।

एस० सुब्रामण्यन,
उप-मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे
प्रधान कार्यालय

नयी दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1975

सं०-727 ई/304/ई० 1 ए—उत्तर रेलवे के भारतीय रेल सेवा यांत्रिक इंजीनियरी विभाग के अधिकारी श्री एम० एन० बाधवानी ने 20-8-1974 से रेल सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

सं०-752-ई०/46-III ई० 1 ए—उत्तर रेलवे में भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ वेतनमान अधिकारियों को प्रत्येक के सामने बताई गई तारीखों से इस रेलवे के उसी विभाग में अवर वेतनमान में स्थायी कर दिया गया है।

1. श्री आर० डी० किटसन—1-9-1971।
2. श्री पी० के० माथुर—3-5-1972।
3. श्री आई० डी० अमीन—1-12-1972।
4. श्री बी० विश्वनाथन—31-7-1973।

दिनांक 14 मार्च 1975

सं० 726 ई०/554 (ई० I ए)—इस रेलवे के सहायक इंजीनियर दर्जा II सर्व श्री जी० नाथ और केहर सिंह क्रमशः 31-10-74 अपराह्न और 31-1-75 अपराह्न से रेल सेवा से अंतिम रूप से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सी० एस० परमेश्वरन्,
महाप्रबन्धक।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय
(कार्मिक शाखा)

पाण्डू, दिनांक 10 मार्च, 1975

सं० ई०/283/III/30/ भाग V (ओ०) श्री एस० सी० चक्रवर्ती, प्रवर कार्मिक निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 4-12-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. ई० /283/III/30/भाग V (ओ०)—श्री जे० सी० वर्धन सहायक कार्मिक अधिकारी को दिनांक 12-12-74 से प्रवर वेतन मान में मण्डल कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और आसानसोल पेपर आफ बुक कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 21064/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आसानसोल पेपर आफ बुक कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि वेस्ट इन्डस्ट्रिज लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 15282/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि वेस्ट इन्डस्ट्रिज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिरामिक टाईल्स आफ ग्लास इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 20865/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सिरामिक टाईल्स आफ ग्लास इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मुश्वाजी एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 27052/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मुश्वाजी एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कामेट प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 25119/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि कामेट प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कसमीक वर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 15750/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कसमीक वर्क्स इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चक्रवर्ती एण्ड चाटजी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 16217/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चक्रवर्ती एण्ड चाटजी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बि० मि० साहा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 13654/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बि० मि० साहा प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ग्रेहाउन्ड ट्रान्सपोर्ट कं० आफ इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 27608/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रेहाउन्ड ट्रान्सपोर्ट कं० आफ इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और किसान मित्र (फारटिलाईजर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 26705/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि किसान मित्र (फारटिलाईजर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विल्डराईट कन्स्ट्रक्शन्स लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 27413/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विल्डराईट कन्स्ट्रक्शन्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पेरामाउन्ट रबर कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 24692/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पेरामाउन्ट रबर कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मनमोहन आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 23603/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मनमोहन आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एजेन्सी ऐडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 23714/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एजेन्सी ऐडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गुलाबराय काशीनाथ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 22097/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गुलाबराय काशीनाथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पेपर स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 13804/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पेपर स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और तार्डजाक मेटल प्रेसिंग कं० लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 28590/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तार्डजाक मेटल प्रेसिंग कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और युको युड क्राफ्टस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 28541/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युको युड क्राफ्टस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और छोटानागपुर एगरिकलचरल फार्मिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 25276/560(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर छोटानागपुर एगरिकलचरल फार्मिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गिकस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 25084/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गिकस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डि मन्डल कालियरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 26643/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डि मन्डल, कालियरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बेताई एगरिकलचरल फारम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 22141/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेताई एगरिकलचरल फारम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एन० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और नर्टन इंजिनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय में।

सं० 233/75-3615(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नर्टन इंजिनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड का नाम इस में प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्रिपुरा स्टील रिरोलिंग एण्ड फाउन्डरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 20 मार्च 1975

सं० —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर त्रिपुरा स्टील रिरोलिंग एण्ड फाउन्डरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स ओरियंट चिट फंड लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1975

सं० 7/635 (247/(4)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 247 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स ओरियंट चिट फंड लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स विसनगर कोमर्शियल एण्ड फाईनानसियल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 560/1828—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स विसनगर कोमर्शियल एण्ड फाईनानसियल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स कानपुर कोमर्शियल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 560/1129—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स कानपुर कोमर्शियल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और महादेव चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० स्टेट/1230—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महादेव चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रामदयाल कुराल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भालदंडपानी ईलैक्ट्रीकल्स मैनुफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० डीएन/4781/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भालदंडपानी ईलैक्ट्रीकल्स मैनुफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० निवासन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 445(2) के अधीन सूचना।

कोचीन, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 2182/लिक—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और अलैंड चिट सिन्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 8/72 में केरल में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 1-9-72 के आदेश द्वारा अलैंड चिट सिन्डीकेट प्राइवेट का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना

कोचीन, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 429/लिक—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और हिन्दुस्तान सेरामिक एंड टेल वर्क्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 9/73 में केरल में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 15-2-74 के आदेश द्वारा हिन्दुस्तान सेरामिक एंड टेल वर्क्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पार्थासारथी एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 952/लिख—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, पार्थासारथी एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पी० एस० अनवार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम 1956, अली ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 782 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है

कि अली ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 अलीको लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

सं० 983 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अलीको लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रीम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं शक्ति चिट सिस्टिम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 13980/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख तीन मास के अवसान पर शक्ति चिट सिस्टिम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं ओंकार एंटरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 12660/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओंकार एंटरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं आर० आर० गीवसन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 3140/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० आर० गीवसन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं शोभा चिट फंड और एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 13799/590(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शोभा चिट फंड और एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं हेडीप्रिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक

सं० 12209/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हेडीप्रिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं न्यू मध्य प्रदेश रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 14000/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू मध्य प्रदेश रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं हाउसिंग एण्ड बिल्डर्स कापोरेशन (बॉल्मे) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक

सं० 9450/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हाउसिंग एण्ड बिल्डर्स कापोरेशन (बॉल्मे) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956, एवं बॉल्मे ओरिएण्टल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक

सं० 11734/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी 4—56GI/75

जाती है कि बॉल्मे ओरिएण्टल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

एस० नारायण,
कम्पनियों का प्रतिनिधित्व,
रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

श्रम मन्त्रालय

श्रम ब्यूरो,

शिमला-4, दिनांक 10 मई 1975

सं० 23-3-75 - सी० पी० आई०—

मार्च, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (आधार वर्ष 1960 = 100) फरवरी, 1975 के स्तर से चार अंक घट कर 321 (तीन सौ इक्कीस) रहा । मार्च, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिष्कृत किये जाने पर 390 (तीन सौ नब्बे) आता है ।

कृष्ण कुमार भाटिया
निदेशक

आयकर अपील अधिकरण का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 14 मार्च 1975

सं० एफ० 48एडी(एटी)/75—श्री के० एल० रेहानी ने, जो आय-कर अपील अधिकरण के अमृतसर न्यायपीठ में स्थानापन्न सहायक रजिस्ट्रार थे, नई दिल्ली के बदरपुर तापीय शक्ति केन्द्र (परिचालन और अनुरक्षण संस्था) में श्रम अधिकारी (केन्द्रीय निकाय) के पद हेतु नियुक्ति के लिए चयन हो जाने के फलस्वरूप 4 मार्च, 1975 (अपराह्न) को आयकर अपील अधिकरण के अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर से सहायक रजिस्ट्रार का कार्य-भार त्याग दिया ।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोबीन-16, दिनांक 4 मार्च 1975

आयकर

आदेश सं० 18/74-75—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को 124वीं धारा की उपधारा (1) और (2) के अनुसार, मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और इस कार्यालय के आदेश सं० 1/73-74 (सी० सं० 1(9)बी०/जी० एल०/73-74, दिनांक 12-7-73) के आशिक संशोधन के अनुसार, केरल-1 का आयकर आयुक्त में, निदेश देता हूँ कि 10-3-75 से उपर्युक्त अधिसूचना (दिनांक 12-7-73) के अनुसूची में निम्नलिखित प्रवृत्तियाँ भर दी जायें ।

पद सं० 12, त्रिवेन्द्रम के कोलम 3 के नीचे, पद IV के रूप में "आयकर अधिकारी, डी-वार्ड" जोड़िये । पद IV व V और VI के स्थान पर पद V-व VI, VII पढ़ा जायेगा ।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 (2)

के अधीन आदेश

सं० 19/74-75—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का आयकर आयुक्त, मैं निदेश देता हूँ कि इस कार्यालय के सी० सं० 1 (9) बी०/जी० एल०/73-74, दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 2/73-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलम (1) और (2) में आयकर मण्डल त्रिवेन्द्रम के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियाँ भर दी जायें। यह आदेश 10/3/75 से प्रवृत्त होगा।

सारणी सं० (1) में आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के बाद "आयकर अधिकारी 'डी-वार्ड' त्रिवेन्द्रम" जोड़िये।

कोलम सं० (2) में आयकर अधिकारी डी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के सामने "ऊपर कोलम (2) में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

एस० टी० तिरुमलाचारी,
आय-कर आयुक्त

धनकर आयुक्त का कार्यालय

कोचीन, दिनांक 4 मार्च 1975

धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 (अ) के अधीन आदेश

आदेश सं० 20/74-75—धनकर अधिनियम, 1957 की धारा 8 (अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का धनकर आयुक्त, मैं निदेश देता हूँ कि इस कार्यालय के सी० सं० 1 (9) बी०/जी० एल०/73-74, दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 3/73-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलम (1) और (2) में आयकर मण्डल, त्रिवेन्द्रम, के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियाँ भर दी जायें। यह आदेश 10/3/75 से प्रवृत्त होगा।

कोलम सं० (1) में आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के बाद "आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम" जोड़िए।

कोलम सं० (2) में आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के सामने "ऊपर कोलम (2) में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

एस० टी० तिरुमलाचारी,
धनकर आयुक्त

उपहार कर आयुक्त का कार्यालय

कोचीन, दिनांक 4 मार्च 1975

उपहार कर अधिनियम 1958 1958 का 7 (अ)

के अधीन आदेश

आदेश सं० 21/74-75—उपहार कर अधिनियम 1958 (1958 का 7 अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का उपहार कर आयुक्त, मैं निदेश देता हूँ कि इस कार्यालय के सी० सं० 1 (9) बी०/जी० एल०/73-74, दिनांक 12-7-73 (आदेश सं० 4/73-74) के आदेश में दी गई अनुसूची के कोलम (1) और (2) में आयकर मण्डल, त्रिवेन्द्रम के नीचे निम्नलिखित प्रवृष्टियाँ भर दी जायें। यह आदेश 10-3-1975 से प्रवृत्त होगा।

कोलम सं० (1) में आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के बाद "आयकर अधिकारी, डी-वार्ड त्रिवेन्द्रम" जोड़िए।

कोलम सं० (2) में आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम के सामने "ऊपर कोलम (2) में बताया गया कार्यभार" जोड़िए।

एस० टी० तिरुमलाचारी
उपहार कर आयुक्त,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, जालन्धर

तारीख 20-3-75

निर्देश सं० एपी-780/74-75—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4823 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो सतनाम नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शाम कुमार पतिन सतपाल (जी० ए०) गुरबक्स सिंह तरलोचन सिंह सपुत्र जीवनसिंह और श्रीमती राजकौर पतिन गुरबक्स सिंह 545 माडल टाउन जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्री खरैती लाल सपुत्र राम लाल मुसीपुर त० नवाशहर जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 19 म० 88 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4823 जुलाई 1974 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)
अजन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 20-3-75

निर्देश सं० ए० पी०-781/74-75—यतः मझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4825 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो सतनाम नगर नजदीक माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री शाम कुमार सुपुत्र सतपाल (जी० ए०) गुरबक्स सिंह तरलोचन सिंह सुपुत्र जीवन सिंह और राज कौर 545 माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती ज्ञान कौर पति करतार सिंह, 391 लाजपत नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 2 क० 2 म० 103 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4825 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 20-3-75

निर्देश सं० ए० पी०-782-74-75—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4007 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो ज्योति नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलवन्त सिंह (जी० ए०) रजिन्द्र सिंह 92, रेडिओ कालोनी, जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्री मोहन सिंह विदी एण्ड ब्रादर्स सुपुत्र हरभजन सिंह दादवा । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 15 म० 95 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, वसीका नं० 4007 जुलाई 1974 में लिखा है ।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजे, जालन्धर

तारीख 20-3-75

निर्देश सं० ए० पी०-783/74-75—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4005 जुलाई 1974 में लिखा है तथा जो ज्योति नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलवन्त सिंह (जी० ए०) रजिन्द्र सिंह और दूसरे 92 रेडियो कालोनी, जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्री गिरधारी लाल सुपुत्र प० पूर्णचन्द सुभाष चन्द्र सन्त कुमार लक्ष्मी आटो स्टोरज, लाठी गली रोड, जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 1 क० 3 म० 135 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4005 जुलाई 1974 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंजे, जालन्धर

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, तारीख 20-3-75

निदेश नं० ए० पी०-784/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4767 जुलाई 1964 को लिखा है तथा जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चरण सिंह, सपुत्र मोहरसिंह (जी० ए०) गुरवीप सिंह सुपुत्र चरण सिंह 1078/27-बी चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

2. रघवीर सिंह सन्धु सुपुत्र मोहन सिंह गांव बड़ा पिंड, त० फिलौर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 18 म० 125 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4767 जुलाई 1974 में लिखा है ।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर तारीख 20-3-75

निवेश नं ए० पी०-785/74-75--यतः मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1653 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो गोरैया में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गुरदेव सिंह सुपुत्र शंकर सिंह सुपुत्र बाबू राम गोरैया त० फिलौर (अन्तरक)
2. चरणो पति अमृत सरिया सुपुत्र करतारा गोरैया (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट 10 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर वसीका नं० 1653 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 20-3-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर तारीख 20-3-75

निदेश नं० ए० पी० 786/74-75—यतः मुझे रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1872 जुलाई 1974 है तथा जो दसूहा जिला
होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—56GI/75

1. हरभजन सिंह सुपुत्र श्री भया सिंह गांव असमान
शहीद तहसील दसूहा। (अन्तरक)
2. श्री गुरचरण सिंह सुपुत्र श्री भगत सिंह दसूहा जिला
होशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर
जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1872 जुलाई 1974 में है

रविन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 20-3-74
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए०पी०-787-यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत नं० 1743 जुलाई 1 में दर्ज है तथा जो दसूहा जिला होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दसूहा जिला होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1 श्री वर्णन सिंह गांव सफदारपुर तहसील दसूहा जिला होशियारपुर । (अन्तरक)
2. श्री लाभ सिंह और अन्य गांव सफदारपुर तहसील दसूहा जिला होशियारपुर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1743 जुलाई 1974 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —

1. श्री नारायण प्रसाद गोयेंका । (अन्तरक)
2. मैसर्स लियो इन्वेस्टमेंट को० लि० । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, तारीख 24-3-75

निर्देश सं० ए० सि० 210/आर०-IV/कल०/74-75—
यतः नुब्रे, एस० भट्टाचार्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 62-बी० है तथा जो नेता जी सुभाष रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

समस्त सम्पत्ति प्रेमिसेस सं० 62 बि० नेता जी सुभाष
रोड, कलकत्ता साथ जमीन, परिमाण—6 कड्डा 30 स्कोयार
फिट और एक चार मंजिला मकान ।

एस० भट्टाचार्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता
54, रफी ग्रहमव किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 24-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75-185/1717—यतः, मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है,') की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और 10 सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. केशव कुमार स्वरूप, राम बाग, मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेटरी। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अंफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फर नगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप केयरमैन, मुजफ्फर नगर।

सह स्थायी :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।
 श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी
 राज स्वरूप,
 श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

- ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
 (2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।
 (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।
 बी० (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
 (2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
 (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
 (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में।
 कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।
 अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
 (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 19 सितम्बर 1974।
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/188/1716—यतः,
मुझे, बाई० खोखर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 20-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रभात कुमार स्वरूप रामबाग

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबिल प्राइवेट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेटरी।
(अन्तरिती)

किरायेदार :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री हंसराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुझाराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुवत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन वास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

3. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

4. सह स्वामी :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।
 श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरूण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी
 राज स्वरूप,
 श्री ब्रह्मा स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
 होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा
 पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित
 है का विवरण :—

- ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी
 जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि
 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया
 केवल 17,959 वर्ग फीट।
 (2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज
 भूमि में 495 पेड़।
 (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें
 86 वृक्ष।
 बी० (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट आफिस
 बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
 (2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट आफिस के पास
 11 एक मंजिला दुकानें।
 (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16
 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
 (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में।
 कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैन्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस
 की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच
 सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 19-9-1974।

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु०नगर/74-75/186/1718—यतः, मुझे,
आई० खोखर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है,') की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है
और सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 20-8-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केशव कुमार स्वरूप, राम बाग

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेटरी।

(अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चयरमैन, मुजफ्फरनगर।

सह स्वामी

अनुसूची

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत)

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड प्लोर 15,859 वर्ग फीट।

ऊपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,50 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 19 सितम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/171/1848—यतः,
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 अक्तूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ला० गोपाल राम स्वरूप, राम बाग, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेटरी।

(अन्तरिती)

किरायेदार :

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री भोमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री भोमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री ब्रह्मस्वरूप चैयरीन, मुजफ्फरनगर।

सह स्वामी :

अनुसूची

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेव वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप, (हिन्दू संयुक्त परिवार)

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अथवा सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहल भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,575 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 30-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/173/1849—यतः,
मुझे, आई० खोबर, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 26 अगस्त 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाया और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविन्द स्वरूप पुत्र ला० ब्रह्म स्वरूप सिविल लाइन
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेट्री।

(अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री वेबराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरत दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

सह स्वामी :

अनुसूची

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन्स मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद बती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल संपत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन्स मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण:—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है:—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपये) में किया गया।

बाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 19 सितम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/187/1847—यतः,

मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्द प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए शीघ्र तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रभात कुमार स्वरूप रामबाग मुजफ्फरनगर ।
(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेन्ट्री ।
(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर ।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुझाराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप चैयरमैन, मुजफ्फरनगर ।

4.

सह स्वामी :

अनुसूची

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद बती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए०-(1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी०-(1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19-9-1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 245/एकुरे III/75-76 /कल०—अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 47/सी०/1 है तथा जो मुरएमिन्यु, कल-40
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आलिपुर सदर, 24 परगणा में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त
अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अर्चना बसु 114/के०/2 सेलिमपुर रोड,
कलकत्ता-31 । (अन्तरक)

2. श्रीमती बाणी भट्टाचार्य, 47 बी०, मुर एमिन्यु,
कलकत्ता-40 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 9 छटांक 25 स्को० फुट जमीन साथ
दो तल्ला मकान का अविभक्त अधीश जो 47/सी०/1, मुर
एमिन्यु, कलकत्ता-40 पर अब स्थित और जो सब-रजिस्ट्रार,
आलिपुर सदर, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत सं० 4721/
1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज-III
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 11-4-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 2/1059/2747/75-76—अतः मुझे
आर० जी० नेरूरकर, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 409, प्लॉट नं० 54 है, जो सान्ताक्रुस दान्डा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—56G1/75

1. श्रीमती शकुंतला देवदत्त बासुदेव की विधवा और अन्य (अन्तरक)
2. उमंग कोआपरेटिव हाऊ० सोसायटी लि० (अन्तरिती)
3. मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी जमीन के टुकड़े या जमीन का खिग या जमीन जो गजडर प्रा० स्किम द्वारा बनाई हुई है जो सरकार द्वारा मान्य की गई है जो सान्ताक्रुज विलेज दान्डा में स्थित है, पूर्व भाग से 40 फीट चौड़ा 16 वा नम्बर के रास्ते से मिली हुई है (जो लीकिंग रोड के बाद 4 था रास्ता है) साउथ सालसेट के बंबई उप-जिला में जो रजिस्ट्रेशन उपजिता बान्द्रा, बृहत्तर बम्बई में है और जो अब रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में है और माप से 999.13 वर्ग मीटर जो कि 1195 वर्गगज के समकक्ष है अथवा कुछ बराबर माप के अनुसार 995.79 वर्ग मीटर है जिसका प्लॉट नं० 54 जो उक्त गजडर प्रा० स्किम में है और बम्बई उपजिला के कलेक्टर की पुस्तक में नोट किया गया है जिसका सर्वेक्षण नं० 409 (अंश) और उक्त जमीन जो स्थित मौजूद और शामिल जगह है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—पूर्व की ओर से उक्त स्किम के प्लॉट नं० 45 द्वारा पश्चिम की ओर से 40 फीट चौड़ा 16 वा नंबर का रास्ता और उसके बाद रोटरी क्लब के खेल कूद के मैदान द्वारा उत्तर की ओर से जमीन द्वारा जो कि पहले बायीं आई माई कुवरजी गजडर के पास थी और आज 'प्रभु कुंज' नामक जगह द्वारा मानी गई है और दक्षिण की ओर से उक्त स्किम के प्लॉट नं० 53 जो एच० पी० सोनावाला के हकूमत में है।

आर० जी० नेरूरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11-4-75

निर्देश सं० एम० आर० /बिलासपुर/23-8-74—

अतः मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान साथ में प्लॉट है जो तिलक नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला बलहारीअ पति श्री मनोहर सिंह कैमिस्ट निवास भारत एल्यूमिनियम कं० बालकों कोखा तह० कटगोरा जिला बिलासपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती योग्य वती देवी पति दीवान चन्द्रशरण प्रतापसिंह तौमर निवास तिलक नगर बिलासपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ए मकान साथ में भूमि प्लॉट नं० 48/7 नजूल सीट नं० 7 तिलक नगर, बिलासपुर ।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11-4-75

निर्देश सं० एम० आर० /मन्दसौर/3-8-74—अतः

मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मंजिला है, जो कसबा वार्ड नं० 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्दसौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कृष्णगोपाल पुत्र नन्दलाल निवास गांव मनसा
2. श्रीमती केशरबाई पति लता श्री नन्दलाल जी निवास गांव मनसा परगना मनसा जिला मन्दसौर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री बाई पति श्री हरगोविंद राठी निवास गांव मनसा वार्ड नं० 1 ब्लॉक नं० 48 परगना मनसा जिला मन्दसौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

I और II स्टोरिय मकान ब्लॉक नं० 48 कसबा वार्ड नं० 1 मानसा, जिला मन्दसौर ।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/9-8-74—

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 79 है, जो पाल सीकर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-कृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन है तारीख 9-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मे० बम्बई रेडियो इलेक्ट्रीक कं० जेल रोड इन्दौर ।
(अन्तरक)

2. श्री सरदार सुजान सिंह पुत्र जगत सिंह 19 पाल सीकर कालोनी इन्दौर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 79 पालसीकर कालोनी इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/20-8-74—

यतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो प्रेम नगर में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मेला राम पुत्र श्री करमचन्दजी निवास 54 बी-
प्रेम नगर इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री अजीतसिंह पुत्र श्री डेरू सिंह निवास 18-बी
प्रेम नगर इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टीस प्लॉट नं० 54 ब्लॉक नं० 8 प्रेम नगर इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० आर०/उज्जैन/28-8-74—अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो गोपाल मंदिर मार्ग में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री इनायत हुसैन मोहम्मद हुसैन संदल वाला पं० रामप्रसाद भार्गव रोड, उज्जैन ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द

(2) श्री गणेश चन्द्र

(3) गोपाल कृष्ण पुष्प शिवनारायण द्वारा गुरुबर्न श्री सिवनारायण गोपाल मन्दिर मार्ग उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4/605 गोपाल मंदिर मार्ग उज्जैन ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० आर०/दुर्ग/5-8-74—

यतः मुझे, एम० एफ० मुंशी

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, जो गांव कातुलबोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नम्मू बल्द बिलवा सतनामी

(2) श्री मति हीराबाई बैवा समसतनामी
कातुलबोड़, दुर्ग।

(अन्तरक)

2. श्री शिवराज पुत्र मानिक लाल जन,

निवास : मोतीलाल नेहरू मार्ग, भिलाई नगर दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्वितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में स्थापित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगर किंचन भूमि 1. 35 एकड़, गांव कातुलबोड़, तहसील और जिला दुर्ग।

एम० एफ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एम०आर०/ग्वालियर/20-8-74—अतः मुझे एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो नया बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) डा० नारायण कृशन गुप्ता,
(2) सुभाष गुप्ता
(3) श्रीमती सिन्धु गुप्ता
(4) सतीश गुप्ता, श्री पवन कुमार गुप्ता, श्री प्रमोद कुमार द्वारा डा० नारायण कृशन गुप्ता डब्ल्यू जेड/142, महावीर नगर, नई दिल्ली-18।

(अन्तरक)

2. श्री हरीबाबू शिव हरे पुत्र मनीराम शिवहरे निवास : डबरा, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/833, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

एम० एफ० मुंशी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एम० आर०/ग्वालियर/21-8-74—अतः मुझे, एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० मकान नं० 2/833 है, जो नया बाजार में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) डा० नारायण कृष्ण गुप्ता पुत्र श्री सीताराम गुप्ता
- (2) श्री सुभाष गुप्ता
- (3) श्रीमती सिन्धू गुप्ता पत्नी डा० नारायण कृष्ण गुप्ता

(4) श्री सतीश गुप्ता,

(5) पवन कुमार गुप्ता

(6) श्री परसाद कुमार गुप्ता पुत्रगढ़ डा० नारायण कृष्ण गुप्ता,
निवास : डब्ल्यू जेड/142, महावीर नगर,
नई दिल्ली-18

(अन्तरक)

2. श्री नारायण कुमार सिहारे पुत्र श्री मनिराम शिवहरे
निवास : डबरा जिला ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/833, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

एम० एफ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० आर०/रायपुर/14-8-74—अतः मुझे, एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो फफाडीह चौक, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नवल शंकर पुत्र जय कृशन दवे
- (2) श्री कान्तीलाल पुत्र सदा भाई मावरिया, नेहरूपारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जयन्तीलाल पुत्र जगमल राठौर
पास - विजय सोप वर्क्स, फफाडीह चौक, रायपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 3000 स्क्वायर फीट बना हुआ सुब्बाराव, फफाडीह चौक, रायपुर।

एम० एफ० मुंशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० आर०/रायपुर/14-8-74—अतः मुझे, एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो फाफाडीह चौक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री नवल शंकर पुत्र जय कृशन दवे

(2) श्री कान्ती लाल वल्द सदाभाई सांवरिया,
नहरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री धीरजलाल पुत्र जगमल राठौर
निवास : पाम—डा० सुभाराव अस्पताल,
फाफाडीह चौक, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ए प्लॉट, पास हास्पीटल डा० सुभाराव,
फाफाडीह चौक, रायपुर ऐरिया 3600 स्क्वायर फीट ।

एम० एफ० मुंशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 74/75-76/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे,
आर० पार्थसारथी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसका खाता नं० 4 है और ए० आर० नं० 2036
है, जो हासन शहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हासन में डाक्यूमेंट नं० 3344 के अन्तर्गत
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 22-8-1974 के दिन

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० आर० एस० ऐयंगर, सन आफ श्री
कंबं रामानुज ऐयंगर, लक्ष्मी निलयं नं० 2/1,
अप्पर पैप लैन रोड, शेपाद्रिपुरं, बेंगलूर-20।
- (2) श्री के० आर० लक्ष्मीनरसिंह ऐयंगर, सन आफ
श्री कंबं रामानुज ऐयंगर "बी०" स्ट्रीट, शेपाद्रिपुरं,
बेंगलूर-20।
- (3) श्री के० आर० रामस्वामी ऐयंगर, सन आफ
श्री कंबं रामानुज ऐयंगर, लक्ष्मी निलयं, नं०
2/1 अप्पर पैप लैन रोड, शेपाद्रिपुरं, बेंगलूर-
20।
- (4) श्री के० आर० कृष्णस्वामी, सन आफ श्री कंबं
रामानुज ऐयंगर, 5 ब्लाक, राजाजीनगर,
बेंगलूर-10
- (5) श्री के० आर० चोक्कणा, सन आफ श्री कंबं
रामानुज ऐयंगर, पोस्ट-मास्टर, "बी०" स्ट्रीट,
शेपाद्रिपुरं, बेंगलूर-20। (अन्तरक)

2 मैसर्स श्री लक्ष्मी प्रसन्न ट्रेडिंग कम्पनी, सुभाष स्वधर,
हासन, अपने पार्टनर श्री एच० जी० बालकृष्ण, सन आफ एच०
के० गोपाल शेट्टी से प्रतिनिधित्व (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल सैंट, जो हासन शहर के उत्तर एक्सटेंशन में
स्थित है और जिसका खाता नं० 4 है और ए० आर० नं० 2036
है, जिसकी सीमाएं :—

पूरव में—श्री एस० एल० मालरकर के घर और सैंट;
पश्चिम में—मुनिसिपल रोड;
उत्तर में—श्री आर० एस० बेकटरामय्या के घर; और
दक्षिण में—मुनिसिपल रोड और सैंट।

आर० पार्थसारथी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 14-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/926-35/अगस्त-74—यतः, मुझे,
आर० जी० नेहरूकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज-1 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एम० नं० 2/669 मलबार और कंबाला
हिल डिवि० है, जो अल्टा माउंट रोड में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भव रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स अभय बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्री कृष्ण कुमार एच० पंडित और अन्य (अन्तरिती)
3. मेसर्स बैंक आफ इंडिया (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा गेन्शन एवं टेक्स स्वा-
मित्व स्वतंत्र होने से साथ में गृहवाटिका और निवास एवं उस
पर बनी इमारत सहित जो अल्टा माउंट रोड बम्बई में स्थित
है जो रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई और बम्बई नगर और बृहत्तर
बम्बई में है जो माप से 706 वर्गगज या 590.30 वर्गमीटर
या उसके समकक्ष है एवं भूराजस्व कलेक्टर के पुस्तकों में पुराणा
क्रमांक 61 नए क्रमांक 555, 620 और 623, पुराणा सर्वेक्षण
क्रमांक 81 नया सर्वेक्षण क्रमांक 7123 और 1/7123 और
कंडस्ट्रेल सर्वेक्षण क्रमांक 2/669 मलबार और कंबाला हिल
डिविजन के अन्तर्गत पंजीकृत की गई है तथा म्युनिसिपल भावो
एवं करों के निर्धारक एवं संग्रहक डि बाई नं० 3446 (3) स्ट्रीट
नं० 2 सी अल्टा माउंट रोड के अन्तर्गत निर्धारित है उक्त जायदाद
जो दिनांक 15-6-1972 के कन्वेंन्स डिड के संलग्न प्लान में
लाल रंग से बताई गई खाली जगह है जो अंतरकों के अधिकक्ष
में है और जो प्लॉट नं० 5 में बताई गई है।

आर० जी० नेहरूकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 15-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 246/एक्रे-III/75-76/कलकत्ता—यतः, मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 47/सि/1 है जो मुरएमिन्यु, कलकत्ता-40 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर सदर,
24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सान्तना राय 114/के०/2 सेलिमपुर रोड,
कलकत्ता-31 (अन्तरक)

2. श्रीमती बाणी भट्टाचार्य, 47 बि०, मुरएमिन्यु, कलकत्ता-
40 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 स्कैयर फुट जमीन साथ दो तल्ला मकान का करीब
3 कट्ठा 9 छटांक अबिभक्त अधीश जो 47/सि०/1 मुर एमिन्यु,
कलकत्ता-40 पर अवस्थित और जो साब-रजिस्ट्रार, आलिपुर
सदर, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4722/
1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 11-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री दन्धपनि और कम्पनी, मदुरै (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ए० कारतिकेयन और आधी, तुतुकुडि
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1975

निर्देश सं० XII/18/7 ए० टू-7 क्यू०/74-75 :—अतः,
मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2.17 एकड़ मीलवीट्टान गांव में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुतुकुडि
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त, 1974
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल लिए के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

तुतुकुडि, मीलवीट्टान गांव में 2.17 एकड़ का भूमी जिसका
एस० सं० 1711

के० बी० राजन,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 9-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1975

निर्देश सं० XVI/24/9 ए०/74-75 :—यत्, मुझे, के० बी० राजन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें- इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी नयी एस० सं० 58/1, 2, 3, और 4, और 81/1, 2, 3, और 4, पल्लीपालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमार-पालयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० पूंगवम, 247, बलयक्कार स्ट्रीट, इरोड-1 (अन्तरक)

(2) श्री खन्दप्प गौडर, सौनापुरम पि० ओ०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लीपालयम गांव में 8.41 एकड़ खेती का भूमी में 1/4 भाग जिसका नयी एस० सं० 58/1, 2, 3, और 4 और 81/1, 2, 3, और 4।

के० बी० राजन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I-मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1975

निदेश सं० XVI/24/9बी० /74-75 :—यतः, मुझे, के०
वी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी नयी एस० सं० 58/1, 2, 3 और 4, पल्लीपालयम गांव में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अग्रस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-56GI/75

- (1) श्रीमती जी० पुगावनम, इरोड। (अन्तरक)
(2) श्री मुनयप्प गौन्डर पल्लीपालयम गांव। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लीपालयम गांव में 8.41 एकड़ खेती का भूमि में 1/4
भाग जिसका नयी एस० सं० 58/1, 2, 3 और 4 और 81/1,
2, 3 और 4।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- I, मद्रास

तारीख : 9-4-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निदेश सं० XVI/24/10 ए०/74-75 :—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० नयी एस० सं० 58/1, 2, 3, और 4 और 81/1, 2, 3 और 1 पल्लीपालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974 को पुरोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस० के० मैनावती 93, तिरुनगर कालोनी, इरोड-3 (अन्तरक)

(2) आजय गौन्डट, कडनुकारन तोट्टम, पल्लीपालयम गांव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लीपालयम गांव में 8.41 एकड़ खेती का भूमि में 1/4, भाग, जिसका नयी एस० सं० 58/1, 2, 3 और 4 और 81/1, 2, 3 और 4।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास,

तारीख : 9 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निवेश सं० XVI/24/10-बी०/74-75 :—यतः, मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नयी एस० सं० 58/1, 2, 3 और 4, और 81/1, 2, 3 और 4, पल्लीपालयम गांव है, जो ————— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमार पालयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एस० के० मनावती 93, निरुनगर कालनी इरोड-3 (अन्तरक)
(2) श्री पल्लिगौन्दर पल्लीपालयम गांव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लीपालयम गांव में 8.41 एकड़ खेती का भूमि में 1/4, भाग जिसका नयी एस० सं० 58/1, 2, 3 और 4 और 81/1, 2, 3, और 4।

के० बी० राजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9 अप्रैल, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निदेश सं० LX/3/55/74-75:—यतः, मझे, के० वी० राजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 401, एच०, पुनमल्ली है रोड, मद्रास-10 है, जो—में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मुनिरतनम नायडु और आदी, मद्रास-10 (अन्तरक)

(2) श्रीमती देवकी अम्मल और आदी 18, पल्लीयप्पम स्ट्रीट, मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, पुनमल्ली है रोड, डोर सं० 401 एच० में 3.13 एकर का भूमि और मकान।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9 अप्रैल, 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० VIII/17/15-ए०/74-75 :—यतः, मझे,

के० बी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 3051, पोन्मणी गांव, कन्याकुमारी
जिला है, जो ————— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नगरका में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुब्रमनिय पिल्लै तेंकाड, केरला। (अन्तरक)

(2) श्री पी० ओ० फिलिप पन्डमपुरत मुनिसिपल वार्ड,
अलेप्पे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, इबाके के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कन्याकुमारी जिला, कलकुलम तालुक पोन्मणी गांव में
21 एकड़ खेती का भूमि जिसका एस० सं० 3051।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9 अप्रैल, 1975

मोहर :..

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सुबरमणिय पिल्लै, विसालमन्द्रम, तैकाड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री सिवसकरन नायर, अलेप्पे (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निदेश सं० VIII/17/15-ए०/1974-75 :—यतः,

मुझे, के० बी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 3051, पोन्मणी गांव, कन्याकुमारी
जिला है, जो ————— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नागरका में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14 अगस्त, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कन्याकुमारी जिला, कलकुलम तालुक, पोन्मणी गांव में
21 एकड़ खेती का भूमी जिसका एस० सं० 3051।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 9 अप्रैल, 1975।
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 5/75-76 :—यतः, मन्त्रे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10/397 तिरुमला है, जो तिरुपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राम दिवाकर

(2) एम० रिगिनिवासुल,

(3) कोटेश्वर

(4) वेंकटेश्वर

(5) प्रसाद

(6) श्यामला

(7) सरला —अवस्थक पालक (अन्तरक)

उद्यगीरी साई प्रभा, जगन्नाथा पूरम, तिरुपती,

(2) श्री पारुचुरामय्या और पत्नी निर्मला निरुमला, तिरुपती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—वाडें नं० 10 घर नं० 397, दोड्डापूरम स्ट्रीट जगन्नाथापूरम तिरुपती

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8 अप्रैल, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 1306/74-75—यतः मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 11, बेंकटसामि पिल्ल स्ट्रीट, सान्तोम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मालापुर, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1974 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|----------------------------|------------|
| 1. श्री के० आर० श्रीनिवासन | (अन्तरक) |
| 2. एम० मेय्यप्पन | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, सान्तोम, बेंकटसामि पिल्ल स्ट्रीट, और सं० 11 (आर० एस० सं० 2561/2) में एक आउट और 975 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8 अप्रैल, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 2/75-76—यतः मुझे के०
एस्० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-4-809/1 का भाग बरकतपुरा है,
जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या, घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

0—56GI/75

1. श्री हरीहर पुत्र बापूराव बरकतपुरा, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री राम मोहन रेड़ी पुत्र कृष्णा रेड़ी माधापुर
मोजा, तिम्मापुर पोस्ट, इब्राहिमपट्टम तालूका (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—घर नं० 3-4-809/1 का भाग, जिसके
रस्ताकस, ग्रीड फ्लोर और फस्ट फ्लोर, बरकतपुरा, हैदरा-
बाद में स्थित है।

के० एस्० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० आर० ए० सी० 1/75-76—यतः मुझे के० एस०
बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6/38 एम्० जी० बाजार है, जो काद्री
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काद्री
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 5-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. याडलम नरसिम्हय्या, (2) वाय अश्वन्तनारायन्
- (3) वाय चन्द्रसेखर काद्री मोजा अनन्तापुर जिला
(अन्तरक)
2. श्री पार्चापुलसू अक्कुलप्पा काद्री, अनन्तापुर जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—नया बाड नं० 6, नया दरवाजा नं० 38,
एम्० जी० बाजार, काद्री मोजा, अनन्तापुर जिला।

के० एस० बैंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4 अप्रैल, 1975
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-459(163)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 4463 म्यूनिसिपल सैसस नं०
2021 है, तथा जो कालुपुर वार्ड-1, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 8-8-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

1. श्रीमती लाभकुंवर प्रजाराम विठलजी की विधवा
प्लाट नं० 7, जागनाथ रोड राजकोट (अन्तरक)
2. श्री रमेश मनहरलाल परीख 4-बी जल विहार
सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)
3. मैसज आर० ओच्छवलाल एन्ड कंपनी, ब्रह्मपुरी के
निकट, खाड़ीया चार रास्ता, कालुपुर वार्ड-1, अहमदाबाद।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 476 वर्गगज भूमि पर स्थित
है और जिसका सर्वे नं० 4463 म्यूनिसिपल सैसस नं०
2021 है तथा जो कालुपुर वार्ड-1, अहमदाबाद में स्थित
है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 5 अप्रैल, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-458(162)/1-1/74-75—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 106-1 प्लॉट नं० 30 है, तथा जो अचीएर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भवनदास घनशामदास, सत्यनारायण सोसायटी, रामनगर, साबरमती, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री बीनेशकुमार प्रवेशचंद अपने अभिभावक श्री खेमचंद पन्नाजी शाह, श्री उत्तमचंद मानमल शाह, 1086, "भगवान भवन", रामनगर, साबरमती, अहमदाबाद-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 888 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 106-1 प्लॉट नं० 30 है और जो सत्यनारायण सोसायटी, अचीएर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 3 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अप्रैल, 1975

निदेश सं० अ० ई०-5/153/4/74-75—अतः मुझे
जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 118 जूना सं० नं० 4, हिस्सा में 1
(अंश) है, जो चेंबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बांदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन 8-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिरनबाई भिन्नू कलापेसी और अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती चतुरी मनधाराम महतानी और मनधाराम
लुकुमल महतानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव मारवली रजिस्ट्रेशन
उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है, मापमें
5100 वर्गगज समकक्ष 4264 वर्ग मिटर या आसपास है
और भू-अभिलेखोंमें शीट नं० 28, 29, सिटी सर्वेक्षण नं०
118 में पंजीकृत है जिसमें अधिक्रमण जिसका सी० टी०
एस० नं० 118/1, 118/2, 118/3 और 118/4 (पुराना
सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 1 (अंश) सामिल है और इस
प्रकार घिरा हुआ है: अर्थात् पूर्व की ओर से घाट कोपर
माहुल रोड द्वारा पश्चिम की ओर से विक्रेताकी जायदाद
जिसका सर्वेक्षण नं० 35 हिस्सा नं० 7 हैं, द्वारा उत्तर की
ओर से सर्वेक्षण नं० 4 हिस्सा नं० 9 द्वारा और दक्षिण
की ओर से सर्वेक्षण नं० 24 हिस्सा नं० 1 जो कि श्री
एम० एल० महतानी और दूसरों का है द्वारा ।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज पांच, बम्बई

दिनांक 3 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निदेश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1641/74-75---

यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 195/III-2 एम० सी० ए० है तथा जो कूपर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शारदा विग पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार विग कूपर रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री लच्छमी नारायण सुपुत्र श्री गोकुल चन्द नागपाल, कूपर रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. मैसर्स बेनी एण्ड क०, गुरदेव राम, मैसर्स पप्पू बूल, मैसर्स जैम वर्कशाप कूपर रोड, अमृतसर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1677 अगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 26 मार्च, 1975
मोहर :

प्ररूप आरई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1656/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1 कोटी न० 52 है तथा जो माडल टाऊन, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देव नारायण कपूर सपुत्र श्री खुशहाल चन्द
52 माडल टाऊन, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल भाटीया प्रिन्सीपल टैगोर कालेज,
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ये कोटी न० 52 माडल टाऊन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1978 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निदेश नं० ए एस आर०/ए० पी०-1657/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी 1/4 स० कोटी नं० 52 माडल टाऊन, अमृतसर
है तथा जो माडल टाऊन, अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म नारायण सपुत्र श्री खुराहाल चन्द कपूर, 52
माडल टाऊन, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल भाटिया प्रिन्सीपल टैगोर कालेज,
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोटी नं० 52 माडल टाऊन अमृतसर जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1979 अगस्त 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1658/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं: 1/4 कोठी नं० 52 माडल टाऊन अमृतसर है
तथा जो माडल टाऊन अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11-56GI/75

1. श्री तेज नरायण कपूर सपुत्र श्री खुशहाल चन्द
कपूर, 52 माडल टाऊन, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री मनोहर लाल भाटीया प्रिन्सीपल टैगोर कालेज
अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 52 माडल टाऊन अमृतसर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1980 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निदेश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1659/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 कोठी न० 52 है तथा जो माडल टाऊन अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ब्रह्म देव कपूर सपुत्र श्री सूरज नारायण कपूर श्री मती विमला कपूर सपुत्री श्री सूरज नरैण कपूर 52 माडल टाऊन अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल भाटीया प्रिन्सीपल टैगोर कालेज अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 कोठी न० 52 माडल टाऊन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1981 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक: 26 मार्च, 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1660/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चचोकी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1874

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चातन राम सपूत मेली राम वासी चचोकी
(अन्तरक)
2. श्री अमर सिंह सपुत राम दित्त, फगवाड़ा

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1081 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च, 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च, 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1661/74-75—यतः

मुझे वी० आर सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो जी० टी० रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र निहाल सिंह जी० ऐ० आफ शान कौर, सरवन कौर, पवित्र कौर, राजिंदर कौर नरिंदर कौर पुत्रीयां मोहन सिंह सतनाम पुरा नजदीक कार्तिज, फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री जसविंदर सिंह पुत्र लैम्बर सिंह बलविंदर सिंह पुत्र लैम्बर सिंह वासी गांव कुकर पिंड गुरदीप सिंह पुत्र अधम सिंह वासी खान खानन त० नवांशदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1074 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1662/74/75--
यतः, मुझे, वी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है जो सराय रोड फग-
वाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संत राम सुपुत्र तेलू राम मार्फत नैशनल फाउंडरी
जी० टी० रोड, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी पत्नि केवल किशन, केवल किशन
सुपुत्र लक्ष्मण दास सुपुत्र केसर मल, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1067
अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1663/74-75—

यतः, मुझे बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है जो सराय रोड, फग-
वाड़ा में स्थित है (और इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संत राम सुपुत्र श्री तेलू राम मार्फत नेशनल
फाऊंडरी, जी० टी० रोड, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल सुपुत्र करम चन्द्र फगवाड़ा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1066
अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फग-
वाड़ा में है।

बी० आर० सगर,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1664/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है जो सराय रोड, फगवाड़ा
में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री संत राम सुपुत्र श्री तेलू राम माफत नैशनल
फाऊंडरी, जी० टी० रोड, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती अमर कौर पति नानक चन्द सुपुत्र जीवन
दास, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 1065
अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक: 26 मार्च 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1765/74-75—
यतः, भु०, धी० आर० सगर, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है जो जी० टी० रोड
फगवाड़ा में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) (1908
का 16) के अधीन अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
अन्तरित की गई है और भु० यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रामगढ़िया एजुकेशनल कौंसिल द्वारा श्री मेल
सिंह भोगल, प्रेजिडेंट, फगवाड़ा । (अन्तरक)

2. श्री बांके बिहारी सुपुत्र श्री भगत राम, खत्री, जोलाता
फगवाड़ा । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1137
अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में है ।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 26 मार्च 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी० 1666/74-75—
यतः, मुझे, वी आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है जो जी० टी० रोड,
फगवाड़ा में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—56GI/75

1. मैं० रामगढ़िया एजुकेशनल कौमिल मार्फत श्री मेला
सिंह भोगल प्रैजिडेंट, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी पति राधा रमन सुपुत्र बांके
बिहारी, वासी फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जसा कि नं० 2 म है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1138
अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं०-ए० एस० सी०/पी० एच० जी०/ए० पी०—
1667/74-75 यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी भूमि है जो ग्रेटर कलाश नई दिल्ली चकोकी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्त रित्ती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मलकीयत सिंह सुपुत्र महंगा मिह जट गांव खेड़ा
नजदीक फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्री अशोक चन्द्र सुपुत्र बसंत लाल सुपुत्र कुलपुत्र
राय, लाल क्वार्टर, कृष्ण नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट नं० एम/5 ग्रेटर कलाश, नई दिल्ली
एक मरला गांव चकोकी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1129, अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा
में है :

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी० 1668/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली
चचोकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मल्कीयत सिंह सुपुत्र महंगा सिंह जट, गांव
खेड़ा, नजदीक फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्री नरेश, अमेश, खेतर सुपुत्रान रोशन लाल फ्रैन्ड्स
कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट न० एम/5 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में।
एक मरला, गांव चचोकी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1128, अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा
में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी०-1669/74-75---

यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 प्लॉट नं० 18-बी है तथा जो माडल टाउन फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री रतन सिंह सुपुत्र पाल सिंह, वासी बिरक, तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह सुपुत्र बन्ता सिंह सुपुत्र गैडा सिंह, वासी लाखपुर, तहसील नवांशहर। (अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्लॉट नं० 18-बी माडल टाउन फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1102, अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए० पी०-1670/74-75—यतः, मुझे, वी आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग दुकान नं० 173-ए०/13 है तथा जो शरीफपुरा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मालिक सिंह और जसवन्त सिंह सुपुत्रान श्री अमर सिंह, तहसीलपुर अमृतसर। (अन्तरक)
2. मै० निरन्कारी फाइनेन्सर और चिट फण्ड, बाजार चौक बाबा मौड़ी वाला अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। और किराएदार मैसर्स फरक होटल और रैस्टोरेन्ट शरीफपुरा अमृतसर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग दुकान शरीफपुरा अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1862, अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/मानसा/ए० पी० 1673/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो मानसा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामजी दास सुपुत्र नाहर चन्द मारफत मैसर्स
गोयल मशीनरी स्टोर, मानसा (अन्तरक)

2. श्रीमती मूर्ती देवी पति श्री बारू मल, श्री नन्द राम
सुपुत्र श्री नथू राम, गांव रलां मारफत विजय प्रकाश रोशन लाल,
सण्डी, मानसा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, ओ
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 3095
और 3096, अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मानसा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 26 मार्च 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी० 1674/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सुनरा राजपूता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धमनजीत सिंह सुपुत्र राजकुमार, अजीत सिंह
वामी सुनरा राजपूता तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री प्याग लाल सुपुत्र फकीर चन्द, वासी समराई
तहसील फिलौर। (अन्तरिणी)

3. जैमा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1068, अगस्त
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज अमृतसर

दिनांक : 26 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० अमृतसर/फग०/ए० पी० 1675/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सुनरा राजपूता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धमनजीत सिंह सुपुत्र राजकुमार, अजीत सिंह
वासी सुनरा राजपूता तहसील फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीतो पतिन प्यारा लाल सुपुत्र फकीर चन्द
गांव समराई तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1047 अगस्त
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में स्थित है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 26-3-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० 48-एम०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या डब्ल्यू०-17/57 है तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री मकखन लाल (अन्तरक)

2. श्री मुस्तफा रंगा खाँ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 1500 वर्ग गंज है। जो कि सिविल लाइन जिला बरेली में स्थिति है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 24 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1975

निर्देश सं० अ० ई० V/161/12/74-75 और अ० ई० V/177/6/74-75—अतः मुझे जे० एम्० मेहरा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, और जिसकी सं० पुराना खोत सं० नं० 31 अंश है, जो कांजूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 14-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देव कुमार गोपालदास और श्रीमती संपल कुमार सत्यपालसिंग ठाकूर और अन्य (अन्तरक)
2. श्री नरेन्द्रसिंग हरगोपालसिंग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा इमारत सहित जो कि कांजूर गांव में है (जो भांडूप खोती इस्टेट का हिस्सा है।) पहले तालूका थाना डिस्ट्रिक्ट में और अब बृहत्तर बम्बई उप जिला रजिस्ट्रीकर्ता, और बम्बई शहर डिस्ट्रिक्ट और उपनगर जिला में जो मापसे 2370 वर्ग गज या 1931.64 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है जो पुराना सर्वे नं० 31; (अंश) और 19 (अंश), नया सर्वे नं० 195 (अंश), सी० टी० एस्० नं० 403/8 और जो निम्न प्रकार से घिरी हुआ है :—पूर्व की ओर से सी० टी० एस्० नं० 400 और 395 धारण की हुअ्री जमीन और पश्चिम की ओर से सी० टी० एस्० नं० 374 धारण की हुअ्री जमीन उत्तर की ओर से सी० टी० एस्० नं० 403 (अंश) धारण की हुअ्री जमीन, दक्षिण की ओर इस्टेट होल्डर में भांडूप इस्टेट की बाबा की हुअ्री जमीन।

जे० एम्० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

दिनांक : 31 मार्च, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 मार्च 1975

निदेश सं० 18-जे०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया

है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या मकान नं० 129 है तथा जो सिविल
लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा रमन अग्रवाल (अन्तरक)

2. श्री जय जयराम व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 129 का कुछ भाग जिसका
क्षेत्रफल 858.5 वर्ग गज है जो कि सिविल लाइन बरेली
में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक : 24 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/821/74-75—
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5183-5187 है, जो बाजार बल्लोमारान्, चावनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री लाल चन्द 2. टेकू मल 3. गोबिन्द राम सभी पुत्र श्री नाथर मल निवासी 1075, फराश खाना, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री यश पाल दारगन सुपुत्र श्री चेतन दास दारगन निवासी 125 बी, राजेन्द्रा पार्क, दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री राम चन्द 5183 बाजार बल्लोमारान् 1 चावनी चौक दिल्ली 2. श्री वीरेन्द्र कुमार 5184 बाजार बल्लोमारान् चावनी चौक, दिल्ली, 3. श्री मोहम्मद सुलेमान 5185 बाजार बल्लोमारान्, दिल्ली 4. श्री मोहम्मद धूसफ 5186-87 बाजार बल्लोमारान्, चावनी चौक, दिल्ली । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आउन्ड प्लौर (10 फुट ऊंचाई तक) जिसमें 5 बुकानें हैं जोकि मकान नं० 5183-87, वार्ड नं० 6, बाजार बल्लोमारान्, चावनी चौक, दिल्ली पर बनी हुई है ।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 1 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 18 मार्च, 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/817/74-75/5—यतः
मुझे, सी० वी० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या 710-711 है, जो कटरा भंगी, नई सड़क
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 13-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कुलदीप सिंह, (2) श्रीमती
कौशल्या देवी पत्नी श्री कुलदीप सिंह निवासी 18, दरया गंज,
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुखवीर सरन अग्रवाल सुपुत्र श्री हरि
राम निवासी 2003 कटरा लछछ सिंह, फुव्वारा, चांदनी चौक,
दिल्ली (अन्तरिती)

3. (1) श्री रामजी लाल वर्शन लाल

(2) श्री अमर सिंह

(3) श्री खलोक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकानात बमय पैसेज 4 फुट चौड़ा व जीना पायवाला
रो बमय बालाखाना दो मंजिला पुखता दरोबस्त तहत आराजी
लगभग 63 वर्ग गज प्रापटी नं० 710-711 वाक्य अन्दरून,
कटरा भंगी, चांदनी चौक, इलाका नं० 5 दिल्ली बमय कनेक्शन
नल व बिजली जो उपरोक्त सम्पत्ति में लगे हुए हैं और
जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूर्व :—गली व कटरा छतरी श्रीमती सरदार जान

पश्चिम :—जायदाद नं० 712 लक्ष्मीनारायण चैरेटे-

बल ट्रस्ट

उत्तर :—दरवाजा बुकानात व कटरा भंगी सरदार जान

दक्षिण :—जायदाद कटरा भंगी सरदार जान

सी० वी० गुप्ते

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख 27 मार्च, 1975

निदेश सं० IX /3/59/74-75—यतः मुझे, के० बी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 132, चेंगलुनीर पिल्लैयार कोइल स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० एस० मोहन वड्डिवेल और आदि, मद्रास-1 (अन्तरक)

(2) श्री पी० बी० नटराज चट्टी और आदि, पेरु-मुडी वक्कम गांव, वेंगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, चेंगलुनीर पिल्लैयार कोइल स्ट्रीट, डोर सं० 132 में एक ग्राण्ड और 874 स्क्वेयर फीट (मकान के साथ)

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 27-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1975

निवेश सं० 3176/74-75—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 66, 'आर०एस० सं० 46/2, 47-17; 47-19;
47-20 एण्ड 47-21' है तथा जो चन्नानल्लूर वट्टम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नन्निलम (डाकुमेंट
सं० 1545/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एस० सुन्दरेस अय्यर (अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० अब्दुल वाहिद और श्री ए० मोहम्मद
इसुफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

तन्जाऊर जिला, नन्निलम तालूका, 66 चन्ना नल्लूर
वट्टम में 203 एकर का भूमि (मकान, मन्निर, आदि
के साथ), जिसका आर० एस० सं० 46-2, 47-17, 47-19,
47-20 और 47-21।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-3-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 42, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1975

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० II/815/74-75-12037—

यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5956 से 5958 है, जो गली बाबू खान, बल्ली मारान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) अब्दुल वहीद खान अपने लिए और अटार्नी अब्दुल खहीद खान श्रीमती अजीज फातिमा, श्रीमती तस्मिया बेगम और श्रीमती निगात परवीन निवासी 1386, काला महल, दिल्ली

2. मै० नेशनल प्लेटिंग रेक्टोफायर (प्रो० श्री मोहम्मद इशाद पुत्र श्री मोहम्मद इब्राहिम) निवासी 2616 बारादरी शेर अफगान, बल्लीमारान, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नठ० 5956 गली बाबू खान, बल्लीमारान दिल्ली क्षेत्रफल 250 वर्ग जगज।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18 मार्च 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/816/74-75/
12037-यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5956 से 5958 है, जो गली बाबू खान,
बल्लीमारान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 30-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का, 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल वहीद खान स्वयं और अर्दानी अब्दुल
गहीद खान श्रीमती अजोय पातिमा श्रीमती तस्निम बेगम
और श्रीमती निगात परवीन निवासी 1386 काला महल,
दिल्ली।

2. मै० इकबाल स्टोर्मे (प्रो० श्री जहूर अहमद पुत्र श्री
नूर अहमद निवासी 2616 बारादरी शेर अफगान, बल्लीमारान,
दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 5956-58 गली बाबू खान,
बल्लीमारान दिल्ली क्षेत्रफल 250 वर्ग गज।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 144/74-75—यतः मुझे के०
एस० वेनकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
अवधि बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-4-424 नामपल्ली है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार-मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हनुमारा शिवरामा क्रिश्ना-पेयुर-गुडीवाड़ा क्रिश्ना
जिला इनके अधिकार टी० के० विश्वनादम वकील घर
का पता वैद हीजे रोड, लालागुड़ा पोस्ट, सिकन्दाबाद-17
(अन्तरक)

2. श्री आर० वेनकट रेडी पिता बी० राम रेड्डी घर नं०
18-4-297 अलियाबाद हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति "घर नं० 5-4-424 स्टेशन रोड, नामपल्ली
हैदराबाद" विस्तीर्ण-148 वर्ग यार्ड।

के० एस० वेनकटरामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 147/74-75—यतः मुझे के० एस०

बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 36-145/31 ए० हिमायत नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० रतनाबाई, वारसीकोडा मोजा, करीम नगर जिला (अन्तरक)

2. श्रीमती एस्० राधा, 36-145/31 ए० हिमायत नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—दुमंजला ईमारत नं० 3-6-145/31 ए०, हिमायत नगर, हैदराबाद, क्षेत्रफल (144 वर्ग मीटर)।

के० एस्० बेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

दिनांक : 29 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 146/74-75—यतः मुझे के०
एस्० वेंकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 11-2-555/2/ए० आगापुरा है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री साहेबजादा मीर अहमद अली खान 11-2-
555/2 आगापुरा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री मोहमद खाजा मोयनुद्दीन पुत स्वर्गीय शेख
महबूब, 11-2-555/2 आगापुरा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :- घर नं० 11-2-555/2/ए०, आगापुरा,
हैदराबाद।

के० एम्० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

Kakinada, the 26th February 1975

J. No. (125 KR)/74-75/Acq. File No. 156.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० No. Main Road, Vijayawada है, जो.... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vijayawada रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन Vijayawada on 31-8-1974 पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) Shri Manikonda Prapulla Chandrarao, Main Bazar, Vijayawada,

(Transferor)

(2) 1. Shri Maram Sivaramkoti, Vijayawada.
2. Shri Chaluvadi Satyanarayana, Vijayawada.
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

Krishna District, Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada Municipality Vijayawada town, Main Bazar, Municipal Ward No. 10, Revenue ward No. 5 Block No. 6, N.T.S. No. 31, Asst. No. 6833, Door No. 11-25-65.

BOUNDARIES

East—Municipal Road named as Challam Raju Street.
South—Joint Compound wall of the same property and Manikonda Viswanatham.

West—Main Road

North—Wall of the property and the property of Sri B. V. Kameswararao, within these boundaries site measured 400 Sq. Yds. storied building therein.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक 26-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, KAKINADA

Kakinada, the 7th March 1975

Acq. File No. 171/J. No. I(95)/VSP/74-75.—

यतः, मुझे, as, I, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जि No. Asst. No. I; Door No. I है जो,
Anganapudi village में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, Anakapally में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा
269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Shri B. S. Ramanarasimham, S/o Boda Venkate
Ratnam, Pro : M/s. Boda Venkataratnam
Tapeswaram.

(Transferor)

(2) Shri N. Surendrababu, Managing Partner M/s.
Srinivasa Metal Co. Anganapudi.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Visakhapatnam District, Anakapally Taluk, Anaka-
pally Sub-Registrar, Anganapudi village Asst. No. 1,
Door No. 1, Shed with machinery including electrical
fittings and site.

BOUNDARIES

East—Compound wall of this property and Aval
Yerravanipalem village house etc.

South—Property of Galla Chellaiah.

North—Pingali Venkataratnam's property and com-
pound wall of this property.

West—Road.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 7-3-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 6th March 1975

J. No. I(307)/EG/74-75/Acq. File No. 165.—
Whereas, I, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

No. 97-17 Gopalapuram Panchyat है जो Gopalapuram में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kothapeta में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ of the said Act के अनुसरण में, मैं, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) Shri Marreddi Laxmana Rao, General Power of Attorney and Partner of M/s. Sri Laxmi Ganapati Rice Mill, Gopalapuram.

(Transferor)

(2) Shri Bonam Subbarao, S/o Kanakayya, Kunavaram, Razole Taluk.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

East Godavari District, Kothapeta Taluk, Kothapeta Sub-Registrar Gopalapuram Panchyat Gopalapuram Village Zirayati, Dry land S. No. 97-17, Ac. 1-43 cents.

BOUNDARIES

East—114 Links—Canal bund

South—100 links—Tank bund

West—100 links—Land of Tetali Challayamma

North—85 links—Land of Shaba Saheb

BOUNDARIES TO 2ND ITEM :

East—318 Links—T. Chelayamma's land

South—968 Links Tank bund

West—316 Links Shaba Saheb's land

North—425 Links—T. Chelayamma's land—In between this 0-30 cents lands with Rice Mill, Sheds, Buildings etc.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 6-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 6th March 1975

Acq. File No. 166/J. No. I(18)/SkM/74-75.—Whereas, J. K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० No. Door No. 1-21-, Asst. No. 163 Hospital Road situated at Ponduru

में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Ponduru

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Madugula Apparao, Owner of M/s. Sri Krishna Vijaya Oil Mills, Ponduru.
(Transferor)

(2) 1. Shri Abdullah Hazi Shakoor, S/o Late Hazi Shakoor, 2. Shri Iqbal Hazi Abdullah, S/o Abdullah Partners of M/s. Hazi Shakoor H...
Jamal Noor Mohammed.
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Srikakulam District, Ponduru Sub-Registrar, Ponduru Village pondur Panchyat, Hospital Road, Western Side, Panchyat Asst. No. 163, Door No. 1-21-M/s. Sri Krishna Vijaya Oil Mills.

BOUNDARIES

East—Part of site of this property and panchyat Road
South—Part of Residential House and Part of site and lands of Sri G. Vishnumurthy.

West—Lands of Sri M. K. Naidu

North—Compound wall of Mill premises and site of Sri Krishna Vijaya Oil Mills.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 6-1-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज,

KAKINADA

Kakinada, the 5th March 1975

Acq. File No. 167/J. No. I(199)/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० No. 11/526 Robertsopeta है जो Masulipatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Masulipatnam

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के said Act अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 15-56GI/75.

की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. Shri Kancherla Vijaya Kumar 2. Shri Kancherla Narendra Kumar, 3. Shri Kancherla Kishore Kumar, 4. Shri Kancherla Udaya Kumar being minor by guardian brother K. Vijaya Kumar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jangala Pandurangarao, 2. Shri Jangala Haranadha Babu, Masulipatnam.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Krishna District, Masulipatnam Sub-Registrar, Masulipatnam Municipality, Masulipatnam Town, Robertsonpeta, Municipal Old Ward No. 14/645 and New Ward No. 11/526, Laxmi Nivas with 5685 Sq. Ft.

BOUNDARIES

East—Kopparti Punnayya's compound wall
South—Gajjala Ganga Raju's Site
West—Building known as Atreya Building.
North—Contonment Road

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, Kakinada

तारीख : 5—3—75

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 143/74-75—यतः मुक्षि के० एस०
वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 5-4-413 से 415 नामपल्ली है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 30-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
आ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मती पी० एन० विजयलक्ष्मी पी० एन० शेषू बाबू
नं० 1-295 उपल रोड तारनाका, हैदराबाद।

2. श्री (1) रामचन्द्रपरशद (2) रघुनन्दन (3)
देवकीनन्दन तिवारी (4) महाविरपरशद तमाम सुलतान-
शायी नं० 23-3-497 में रहते हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—घर नं० 5-4-413 से 415 स्टेशन रोड
नामपल्ली, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 26 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 मार्च 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/160-11/74-75—अतः मुझे,
जे० एम्० मेहरा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53, 54, 57 और 66 है,
जो नाहुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्वाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिनवर्हा डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)
2. श्री हिमान्सु ब्रजलाल पारेख (अन्तरिती)
3. श्री हिमान्सु ब्रजलाल पारेख (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

वह सभी जमीन के टुकड़े या खण्ड, जो जमीन का क्षेत्र
क्रमांक 53, 54, 59, व 66 स्थित मुलुण्ड के करीब नाहुर
गांव से सिमीत है और बृहत्तर बम्बई में है, जिस पर एक
छोटी सी इमारत है, माप में 2105.8 वर्ग फीट अथवा
195.65 वर्गमीटर है जो खण्डित भूमि मौजूद है और जिसका
रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर
का है, वह धिरा है : उत्तर की ओर से एक लम्बी विन
बनाई (बची) जमीन द्वारा—जो जमीन का एक हिस्सा
बनाती है जिसकी क्षेत्र सं० नं० 53, 54, 59 और 66 है
दक्षिण की ओर से ऐसी ही एक लम्बी कच्ची सड़क द्वारा
पश्चिम की ओर से उक्त इमारत का एक छोटा सा भाग
द्वारा जो माप में 2105.8 वर्ग फीट है—पूर्व की ओर से
उक्त इमारत का एक छोटा सा भाग द्वारा जो माप में
1052.9 वर्ग फीट है ।

जे० एम्० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, बम्बई

दिनांक 25 मार्च, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अप्रैल 1975

सं० आर० ए० सी० 8/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-2-648 खैरताबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री फरीदुद्दीन मसूद (2) अमीरुल्लाह बेगम
(3) अली अलाउद्दीन 2-2-14 अडिकमेट, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री बाई पत्नी गोरी शंकर 6-2-648,
चितल बस्ती, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टावद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—धर नं० 6-2-648 का भाग, चितल बस्ती,
खैरताबाद, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 11-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज पांच, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० अ० इ० 5/159/10/74-75—अतः मुझे
श्री जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सवक्षण नं० 4 और हिस्सा नं० 8 है, जो असलफे गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 8-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजी जयराम मनी (अन्तरक)

2. ग्रोम नित्यश्री को० आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा और सर्वेक्षण नं० 4, हिस्सा नं० 8 पर बनी हमारत जो मापमें 870 वर्गगज है। असलफा गांव, घाटकीपस, बम्बई 84, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है, जो अभी बम्बई महानगर पालिका की अनुमति के अनुसार प्लॉट नं० बी-2 बन रहा है, जिसका सी० आर० नं० 313/बी० एस० आय० ए०/एल० दि० 28-8-1966 जिसका उपखंड टी० पी०/एल० जी० 1516 दि० 25-3-1967 पास किया है और इस प्रकार घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा, पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 3 द्वारा, उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 9 और 10 द्वारा और दक्षिण की ओर से मनोरंजन बगीचा द्वारा।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज पांच, बम्बई

दिनांक 9 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 9/75-76—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम 'कहा गया है')।

की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-648 खैरताबाद है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) फरीदुद्दीन मसूद, (2) अभीसम्रीसा
बेगम, (3) अली अलाउद्दीन 2-2-14, अडिकमेट, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री गौरी शंकर, 6-2-648, चितल बस्ती, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—घर नं० 6-2-648 का भाग, जिसका
क्षेत्रफल 305 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 248/एफुरे० III/75-76/कल०—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 19/2 है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती यमुना देवी, स्वामी हाराधन चटर्जी 4/2,
लिवनार्ड रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री सधिका कन्त चौधुरी 17/3, रिची रोड, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 9 छटाक जमीन जो पौर सं० 17/2 रिची
रोड, कलकत्ता का अंश और उसमें अवस्थित है और जो जिला
माव-रेजिस्ट्रार, आलिपुर, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 5616/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III,

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16।

दिनांक : 10 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 फरवरी 1975

निर्देश सं० 26-पी०/अर्जन—अतः, मुझे विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या ए०-67 है तथा जो महात्मा गांधी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री सुखवीर सिंह

(अन्तरक)

2. श्री पूर्ण सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान जिसका क्षेत्रफल 444.4 वर्गगज है जोकि मौजा महात्मा गांधी नगर, मुरादाबाद में स्थित है।

विश्वम्भरनाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1975

निर्देश सं० 10 यु०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो बकसटिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहजादापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव किशोर कपूर

(अन्तरक)

2. श्री ऊषा आईल मिलम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता माकान जो कि 656 वर्ग गज है जिस में तीन दुकानें भी हैं यह मुहल्ला बकसटिया शहजादापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1975

निर्देश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-334(140)/16-6/
74-75—मतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है तथा जो स्वामीनारायण गुरुकुल के उत्तर तरफ डेबर रोड, राजकोट में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भ्रगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जेठालाल रामचंद भाटीया, गंगा विहार, सरदार नगर, राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार विनोदराय कामदार, श्री महेश कुमार विनोदराय कामदार, श्री राजेन्द्रकुमार विनोदराय कामदार, मांडवी चोक, कामदार घेरी, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 'कहान सदन' के नामसे ज्ञात है और जो 228 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, और जिसका प्लॉट नं० 6 है और जो स्वामी नारायण गुरुकुल के उत्तर तरफ, डेबर रोड, राजकोट पर स्थित है।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 13-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 फरवरी, 1975

निर्देश सं० राज० सं० आ० अर्जन/213—यतः मुझे,
बी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो चक नं० 7 जेड में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री प्रेमप्रकाश पुत्र श्री चूष्नीलाल महेश्वरी नि० श्रीगंगानगर तह० एवं जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार सोमानी पुत्र श्री दौलतराम सोमानी माहेश्वरी नि० 16/1-ए० करी करी, कलकत्ता-14

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चक नं० 7 जेड तह० एवं जिला श्रीगंगानगर स्थित किला नं० 5/1, 6/1, 15/1, 16/0-10 वाली मुरब्बा नं० 26 का 3 1/2 बीघा कृषि भूमि ।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 फरवरी, 1975

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/214—यतः मुझे,
बी० पी० मित्तल

सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो चक नं० 7 जैड
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री
गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्ता :—

1. श्री प्रेमप्रकाश पुत्र श्री चुधोलाल महेश्वरी नि०
श्रीगंगानगर तह० एवं जिला श्रीगंगानगर
(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी देवी पति श्री दौलतराम सोमानी
महेश्वरी नि० 16/1-ए० करीकरो, कलकत्ता-14
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

चक नं० 7 जैड तह० एवं जिला श्री गंगानगर स्थित
किला नं० 3/1-0, 8/1-0, एवं 13/0-18 मुख्या नं० 26
की 2 बीघा 18 बिस्वा कृषि भूमि।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक 24-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 फरवरी, 1975

निर्देश सं० राज०/स० आ० अर्जन/215—यतः मुझे,
बी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो चक नं० 7 जैड
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री-
गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः—

1. श्री प्रेमप्रकाश पुत्र श्री चुन्नीलाल महेश्वरी नि०
श्रीगंगानगर तह० एवं जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री अनुराग सोमानी पुत्र श्री दौलतराम सोमानी महेश्वरी,
नि० 16/1-ए करीकरो, कलकत्ता-14

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चक नं० 7 जैड तह० एवं जिला श्रीगंगानगर स्थित
किला नं० 4/1-0, 7/1-0, 14/1-0 एवं 17/0-4 वाली
मुख्ता नं० 26 की 3 बीघा 4 बिस्वा कृषि भूमि।

बी० पी० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 फरवरी, 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/218—यतः सुमे, वी० पी० मित्तल आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए० एम० सी० नं० 626/23 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शोभाराम पुत्र श्री खुमान चन्द जैसवाल जैन नि० ग्राम बिरद, जिला आगरा (यू० पी०)

(अन्तरक)

2. (1) चन्द्रकान्ता पत्नि श्री रघुनंदन (2) श्रीमती नरबदा देवी पत्नि श्री विश्वनाथ जाति अग्रवाल सिधल, नि० छावनी नसीराबाद जिला अजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नोहरा व खुली जमीन पड़ाव केशरगंज अजमेर में, ए० एम० सी० 626/23 के पश्चिम व दक्षिण की तरफ ।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, जयपुर

दिनांक : 25-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 फरवरी, 1975

निर्देश सं० राज/सं० आ० अर्जन/219—यतः मुझे,
वी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० ए० एम० सी० 626/23 है
तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 23 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री शोभाराम पुत्र श्री खुमानचंद जैन औसवाल नि०
ग्राम बिरई जिला आगरा (यू० पी०)

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रादेवी पत्नि श्री जगमोहन लाल 2.
श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नि श्री त्रिलोकीनाथ जाति अग्रवाल
सिंहल, नि० छावनी नसीराबाद, जिला अजमेर
(अन्तरिती)

3. श्री रामचन्द्र माँगीसाल

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लू केसल पड़ाव केशर गंज अजमेर स्थित ए० एम०
सी० नं० 626/23 वाली कोठी।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक 26-2-1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, 4 मार्च, 1975

निर्देश सं० III-6/अर्जन/74-75—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मू० प्लॉट नं० 1370 से 1373 और 1528 है तथा जो हाजीगंज, पटना सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1964 16) के अधीन 28-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिषों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री सैयद सुल्तान अहमद, उप-जिलाधीश, सहरसा

(अन्तरक)

2. सैयद नफी अहमद, उप-निवेशक, चकबन्दी भोजपुर एवं रोहतास (जिला)

वल्दान स्व० हुसैन खाँ

3. श्रीमती मल्का बेगम, वल्द स्व० हुसैन खाँ सा० इन्टाली, कलकत्ता नं० 53, मिहूल रोड, कलकत्ता-14 महल्ला-हाजी गंज, पटना सिटी।

2. (1) श्री राजेन्द्र सिंह, और
- (2) श्री संतोष सिंह, वल्दान सरदार भकदेवर सिंह,
- (3) श्री जसवन्त सिंह वल्द सरदार जगत सिंह,
- (4) श्री गुरुमुख सिंह वल्द सरदार टहल सिंह
- (5) सरदार उत्तम सिंह वल्द स्व० सरदार दीवान सिंह
- (6) श्री जसवन्तसिंह, श्री इन्द्रजीत सिंह, श्री प्रेमजीत सिंह वल्दान सरदार उत्तम सिंह
- (7) श्री कमलजीत सिंह (नबालिग) और श्री अजमेर सिंह नबालिग, गाजियन श्री सरदार सूरज सिंह सा० हाजीगंज, पटना सिटी, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नौ आना हिस्सा पूर्ण 16 आना में से (जमीन 1 बीघा कठ्ठा 14 धूर के साथ पुराना घर इत्यादि) हो० नं० 133 और 135 सकिल 170, बा० नं० 26 (नोट नं० 243 और 260 मू० प्लॉट नं० 1370 से 1373 और 1528 हाता के साथ सा० हाजीगंज, पटना सिटी जो पूर्ण रूप से दस्तावेज नं० 13595 दिनांक 28-8-1974 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक : 3 मार्च, 1975

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

1. डाक्टर सी० रंगनाथन, आर० रूप कुमार और
आर० जयकुमार, मद्रास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० अन्वर हुसैन, मद्रास

भारत सरकार

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज- 1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मद्रास, पुरसवाक्कम, पुरसवाक्कम है रोड, डोर
सं० 144 में एक ग्रउण्ड और 848 स्क्वियर फीट का भूमि
(मकान के साथ) (जिसका रीसर्व सं० 607)।

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 3-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० राज० सं० आ० अर्जन/220—यतः मुझे,
वी० पी० मिस्तल

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए० एम्० सी० 2/506 है तथा जो अर्जमेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मथुरानाथ भार्गव पुत्र स्व० पं० पुरुषोत्तमदास भार्गव, भार्गव भवन, टोडरमल मार्ग, अर्जमेर

(अन्तरक)

2. मन्वंशी (1) वृष्णकुमार भार्गव (2) बृजकुमार भार्गव पुत्रान श्री बैकुण्ठनाथ भार्गव, लक्ष्मी निवाम, बीथला रोड, अर्जमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चौदीवारी से घिरा फोयसागर अर्जमेर स्थित जमीन का टुकड़ा जिसकी नाप करीब 13000 वर्गगज है तथा जिस पर पक्का कुआ है और जिसका म्यूनिसिपल नं० ए० एम्० सी० नं० 2/506 है।

वी० पी० मिस्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 5-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/812/74-75/
9039--यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० एच-1/5 है, जो कृष्णा नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री पी० एस० गुप्ता, सुपुत्र श्री बैजस्वर दास गुप्ता,
डी-3/25, कृष्णा नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री आर० के० खन्ना, सुपुत्र श्री दौलत राम, 2466,
चापेवाला, दिल्ली, अब ब्लॉक नं० एच-5, प्लॉट नं० 1
कृष्णा नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 144.9 वर्ग गज है
तथा नं० एच-1/5, कृष्णा नगर, दिल्ली में तिमैजिला
बिल्डिंग के साथ बना हुआ है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-11

दिनांक 17-3-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961¹ (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/11/813/74-75/
9039—यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
जिसकी सं० मुं० नं० 155, बार्ड नं० 5, कटरा नवाब है,
जो साहिब, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

1. श्री हेम चन्द जैन सुपुत्र श्री खेम चन्द जैन, 1865,
चोरा खान, दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री पन्ना लाल, बी०-4/18,
सफदरजंग डबलापमेन्ट स्कीम, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. श्री अशोक कुमार जैन, 155-5, कटरा नवाब
साहिब, चान्दनी चौक, दिल्ली (2) श्री दौलत राम सुपुत्र
श्री सूरज भान, 5768, जोगीबारा, नई सड़क, दिल्ली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जायदाद जो कि नीचे दी गई है सभी प्रकार की फीटिंग,
बिजली और पानी के कनेक्शन सहित है तथा जिसका
थाला नं० 206-ए०, एक दुकान जिसका कमेटी नं० 155
और वालखना जिसका कमेटी का नं० 157 हिस्सा जो
कि बार्ड नं० 5 कटरा नवाब साहिब, चान्दनी चौक, दिल्ली में
फोहोल्ड जमीन पर 19 वर्ग गज में है जो कि निम्न प्रकार
से घिरा है :—

पूर्व : गुप्ता आर्दस की जायदाद
पश्चिम : रास्ता
उत्तर : जायदाद नं० 5/154
दक्षिण : जायदाद नं० 5/156

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 मार्च, 1975

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi 110011, the 5th March 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 3-2-75 to 22-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Srivastava, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 16-12-74 to 31-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 16-12-74 to 31-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.II.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 6-1-75 to 22-1-75 (FN) or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Verma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 30-12-74 to 15-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 63 days from 28-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 30-12-74 to 15-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 21-10-74, the President is pleased to appoint Shri K. S. Dutta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27-12-74 to 31-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 21-10-74, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 4-12-74 to 15-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 13-12-74, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 13-12-74, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 5-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

cers' Grade of the service for a further period from 5-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 34 days from 23-12-74 to 25-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 13-12-74, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 37 days from 23-12-74 to 29-1-75 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 3204/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 21-10-74, the President is pleased to appoint Shri Yoginder Nath, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 27-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 54 days from 13-1-75 to 7-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 33 days from 27-1-75 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 10th March 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 31st October, 1974, the President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-12-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 19th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 25 days with effect from 17-2-75 to 13-3-1975.

The 22nd March 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.I.—S/Shri R. L. Thakur, K. Sundaram and P. P. Sikka permanent Grade II officers of the Central Secretariat Stenographers Service Cadre of the Union

Public Service Commission who were appointed to officiate on a purely *ad-hoc* basis in Grade I of the Service *vide* this office Notification of even number dated 15-1-1975 and 19-12-74 have been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 28-2-1975.

The 24th March 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A. 32014/1/74-Admn.III, dated 13-12-74, the President is pleased to appoint Shri B. T. Khubchandani, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 31-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
Incharge of Admn.
Union Public Service Commission

Their officiating appointment as Dy. L.A. prior to 31-3-74 will be treated on *ad-hoc* basis.

This is in supersession of Notifications Nos. R-3/69-Ad.V. dated 12-6-74, No. PF-P-69/67-AD. V, dated 11-7-74 and PF/M-83/67-AD.V., dated 26-7-74 and 6-9-74, respectively.

The 25th March 1975

No. T-5/72-AD.V.—On his repatriation to the Rajasthan State Police, Shri Teg Bahadur Singh, Dy. S.P., C.B.I. Delhi Branch, relinquished charge of the post of Dy. S.P. in C.B.I. on 5-2-75 (AN).

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

CABINET SECRETARIAT
ENFORCEMENT DIRECTORATE
(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 10th March 1975

No. A.-11/2/75.—Shri J. C. Malik, Inspector of Income-Tax Delhi is appointed as Enforcement Officer on deputation in the Delhi zonal office of this Directorate with effect from 18-2-75 and until further orders.

NRIPEN BAKSI, Dy. Director.

New Delhi, the 10th March 1975

No. 11/6(13)/74-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Aidan Ram an officer of Rajasthan Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10th February, 1975 until further orders.

The 19th March 1975

No. 116(6)74-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri P. N. Bhoi, an officer of Gujarat State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 20-2-1975 until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer,
for Deputy Inspector Genl. of Police,
Special Police Establishment.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd March 1975

No. H-3/71-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri H. S. Gyani, Dy. S.P., Coordination Wing, Central Bureau of Investigation retired from Govt. service with effect from 31-1-74.

The 10th March 1975

No. A-35013/4/75-AD.V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. C. Tripathi, an I.P.S. Officer of Madhya Pradesh Cadre as Supdt. of Police, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from forenoon of 17th February, 1975, until further orders.

Shri S. C. Vidyarthi, I.P.S. Madhya Pradesh was relieved of his duties as SP/CBI/SPE on the forenoon of 17th February, 75. His services were placed back at the disposal of the State Government.

The 15th March 1975

No. 6/1/74-AD.V.—The President is pleased to appoint the following 3 Deputy Legal Advisers on regular basis with effect from 31-3-74 :—

1. Shri R. G. Gulabani.
2. Shri P. N. Nambisan.
3. Shri M. P. Singh.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 20th March 1975

No. A.38/3/71-Wireless.—Shri J. B. Bandyopadhyay, a temporary Senior Technical Assistant of the Directorate of Coordination (Police Wireless), has been appointed to officiate as Extra Assistant Director in a temporary capacity in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of the 24th Feb., 1975 until further orders.

C. P. JOSHI,
Director,
Police Telecommunications.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-11001, the 12th March, 1975

No. F-3/22/74-Ests (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders :—

Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each :—

| Sl. No. | Name | Rank & unit of handing over charge | Date of handing over charge | Rank & unit of taking over charge | Date of taking over charge |
|---------|-------------------------|---|-----------------------------|-----------------------------------|----------------------------|
| 1. | Major K. K. Chatterjee | Asstt. Commandant 44th Bn | 7-2-75 (FN) | Commandant 23rd Bn. | 13-2-75 (FN) |
| 2. | Shri C. P. Singh | Asstt. Commandant GC, Mokamehghat | 30-1-75 (AN) | Commandant 20th Bn. | 10-2-75 (FN) |
| 3. | Shri George C. Podipara | Asstt. Comdt. 3rd Bn. | 30-1-75 (FN) | Commandant, 3rd Bn. | 30-1-75 (FN) |
| 4. | Shri N. Shamsuddin | Asstt. Comdt./ Vice Principal. 2nd RTC. | 1-2-75 (AN) | Commandant 47th Bn. | 12-2-1975 (AN) |

The 13th March 1975

No. O.II-976/74-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Binod Bihari Jena relinquished charge of the post of J.M.O. 39th Bn, CRPF on the afternoon of 18th Feb. 1975.

No. 3/17/74-Estt.(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. L. Vohra, Assistant Commandant, Group Centre, CRP Force, Jharoda Kalan, New Delhi-43, w.e.f. 1st January, '75.

No. O.II-1004/75-Estt.(CRPF).—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Sudhansu Shekhar Patra, as J.M.O. in the CRP Force on *ad-hoc* basis initially for a period of one year w.e.f. the fore-noon of 15th Feb 1975.

2. Dr. Sudhansu Shekhar Patra is posted to 37th Bn. CRPF.

The 18th March 1975

No. D.I-1/74-Estt.—Consequent on his selection for appointment on deputation as Commandant in ITBP, Shri R. K. Mehra relinquished the charge of the post of Commandant 37th Bn CRPF on the afternoon of 5th February 1974.

The 19th March 1975

No. O.II-995/74-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Maheswar Sahu, as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 30th Jan. 1975.

2. Dr. Maheswar Sahu, is posted to 32nd Bn, CRPF.

The 22nd March 1975

No. A.VI-2/74-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Ex-Major V. R. Menon as Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge as Deputy Superintendent of Police (Company Commander) in the 12th Bn CRP Force on the afternoon of 6th March, 1975.

The 24th March 1975

No. O.II-1003/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Radha Mohan Nanda

as J.M.O. in the CRP Force, on an *ad-hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 10-2-1975.

2. Dr. Radha Mohan Nanda is posted to Base Hospital, C.R.P.F., New Delhi.

S. N. MATHUR,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th March 1975

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector A. S. Bhatti to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Food Corporation of India, New Jalpaiguri with effect from the forenoon of 16th February 1975, until further order and assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-38013(2)/12-74-Ad.I.—Shri G. S. Sandhu, Assistant Commandant 19th Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant Central Industrial Security Force Unit, Hoshangabad Security Paper Mills with Headquarters at New Delhi with effect from the same date.

No. E-31013(2)/5(74)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector R. M. Dash to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizers Corporation of India, Talcher, District Dhankanal, with effect from the forenoon of 6th January 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

2. This is issued in supersession of our Notification of even number dated 3-2-75.

The 13th March 1975

No. E-38013(2)/12/74-Ad.I.—Shri K. N. Kapoor, IRS, Commandant 19th Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and assumed the charge of the post of Commandant Central Industrial

Security Force Unit, Hoshangabad Security Paper Mills with Headquarters at New Delhi with effect from the same date.

No. E-16014(3)/13/73-Ad.I.—On acceptance of his request for voluntary retirement by Inspector General of Police, Madras, Shri K. Balakrishnan Nair while on deputation, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, ISRO Thumba, with effect from the afternoon of 28th February 1975.

No. E-38013(2)/12/74-Ad.I.—Shri A. C. Roy, Commandant, Central Industrial Security Force, Calcutta Airport, Calcutta, assumed the charge of the post of Group Commandant, Central Industrial Security Force, Calcutta with effect from the forenoon of 1st March 1975 in addition to the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Calcutta Airport.

2. Shri S. Sen, IPS relinquished the charge of the post of Commandant 13th Battalion, Central Industrial Security Force, Calcutta with effect from the forenoon of 1st March 1975 and would continue to hold the charge of the post of Assistant Inspector General, Central Industrial Security Force, Eastern Zone, Calcutta with effect from the same date.

L. S. BISHT,
Inspector General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 17th March 1975

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this Office Notification No. 25/2/74-RG(Ad.I) dated 11th December, 1974, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of S/Shri B. S. Narasimha Murthy and R. Y. Revashetti as Dy. Director and Asstt. Director of Census Operations, respectively up to 14th May, 1975 in the office of the DCO, Karnataka, Bangalore, on existing terms and conditions.

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, India &
Ex-officio Deputy Secretary.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 25th March 1975

No. S(49)/AII/AII.—Shri Shrikant Sohoni, Overseer, has been appointed to officiate as Asstt. Manager (Technical), in the Government of India Press, Ring Road, New Delhi, with effect from 27-1-1975 (F.N.), until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR,
Director of Printing.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 18th March 1975

No. 7(35)/14385.—Shri N. P. Singh, Foreman (Mechanical) is appointed to officiate as Assistant Engineer (Mechanical) in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the

scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from 17-3-1975 (F.N.) for the period upto 30-9-1975.

P. S. SHIVARAM,
Officer on Special Duty (NSPM) &
Head of the Department, Security Paper Mill,
Hoshangabad

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi, the 20th March 1975

(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

No. 2/1975.—Smt. N. Padmasani, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of 12th March, 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN,
Chief Chemist, Central Revenues.

OFFICE OF THE A.G.C.W. & M.

New Delhi, the 15th March 1975

No. Admn.I/2(4)/V/21058-72.—The A.G.C.W. & M., New Delhi is pleased to promote the following Section Officers as Accounts Officers in the officiating capacity in the office of the Sr. Dy. Accountant General, C.W. & M., Calcutta w.e.f. 17-2-1975 (FN), until further orders.

- (i) Shri Moti Lal Nath.
- (ii) Shri Nirmal Chandra Banerjee.

P. N. MALAVIYA,
Sr. Dy. Accountant General (A).

Ranchi, the 15th March 1975

No. OE-I-Audo-PF-APD-6132.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Ambika Prasad Dubey, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 18-2-75 (FN).

B. P. SINHA,
Sr. Deputy Accountant General (A),
Bihar

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 17th March 1975

No. 2141/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri J. B. Martin, an officer of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th March, 1975, until further orders.

The 18th March, 1975

No. 40011(1)/75/AN-A—The Controller General of Defence Accounts, hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the dates noted against each, until further orders:—

| Sl. No. | Name | Organisation in which serving | Date |
|---------|----------------------|--|--------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | Sarvashri | | |
| 1. | Sham Sunder Sharma | Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut. | 10-1-1975 (FN) |
| 2. | Hari Krishan Sharma | Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut. | 8-1-1975 (FN) |
| 3. | Rama Nand Gupta | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun | 27-12-1974 (FN) |
| 4. | J. Ramanathan | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. | 18-12-1974 (FN) |
| 5. | Ranjit Singh | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun. | 16-12-74 (FN) |
| 6. | Mahendra Singh | Controller of Defence Accounts Patna. | 10-1-75 (FN.) |
| 7. | Man Singh | Controller of Defence Accounts Patna. | 27-12-74 (FN) |
| 8. | L. N. Nathamuni | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. | 20-12-74 (FN) |
| 9. | Ghasi Ram Gokula | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 28-12-74 (FN) |
| 10. | Dori Lal | Controller of Defence Accounts Patna | 16-12-74 (FN) |
| 11. | P. Peria Swamy | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun. | 30-12-74 (FN) |
| 12. | P. K. Thevan | Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad. | 27-12-1974 (FN) |
| 13. | Jyoti Lal | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun. | 16-12-1974 (FN) |
| 14. | Radhey Shiam Pal | Controller of Defence Accounts Patna. | 31-12-1974 (FN) |
| 15. | D. Krishnamurthy | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 1-2-1975 (FN) |
| 16. | N. Padmanabhan | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. | 1-2-1975 (FN) |
| 17. | Amar Nath Bharara | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 3-2-1975 (FN) |
| 18. | S. V. Joshi | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. | 1-2-1975 (FN) |
| 19. | Mritun Joy Dey | Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta. | 1-2-1975 (FN) |
| 20. | Ganesh Das Sethi | Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut. | 1-2-1975 (FN) |
| 21. | N. Siva Sankaran | Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta. | 1-2-1975 (FN) |
| 22. | R. K. Rajpal | Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad. | 27-2-1975 (FN) |
| 23. | K. Ratnaswami | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras. | 1-2-1975 (FN) |
| 24. | H. L. Malik | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 1-2-1975 (FN) |
| 25. | V. Achutha Narayanan | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras. | 1-2-1975 (FN) |
| 26. | J. P. Mehra | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun. | 1-2-1975 (FN) |
| 27. | A. C. Kapur | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut | 1-2-1975 (FN) |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|----------------------------------|--|-------------------|
| | Sarveshri | | |
| 28. | Dhuram Bir Abrol | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 1-2-1975 (FN) |
| 29. | Surat Singh | Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut. | 5-2-1975 (FN) |
| 30. | Ram Ditta Mal Malhotra | Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad. | 27-2-1975 (FN) |
| 31. | Hari Chand Buwa | Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut. | 1-2-1975 (FN) |
| 32. | J. N. Mathur | Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad. | 1-2-1975 (FN) |
| 33. | Parshotam Lal Sharma | Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu Cantt. | 12-2-1975 (FN) |
| 34. | Jagdish Rai Khanna | Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad. | 1-2-1975 (FN) |
| 35. | K. S. Madhavan | Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay. | 3-2-1975 (FN) |
| 36. | V. S. Krishna Murthy | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras. | 17-2-1975 (FN) |
| 37. | N. N. Kapur | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 27-2-1975 (FN) |
| 38. | Mangal Sain Bhasin | Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut. | 1-2-1975 (FN) |

The 19th March 1975

CORRIGENDUM

No. 18317/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri A. B. Krishna Rao, Assistant Controller of Defence Accounts, who had been serving on deputation as Dy. Director (Accounts) to the Directorate of Extension, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation, New Delhi has been transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 28-2-1975.

2. Shri A. B. Krishna Rao has been granted refused leave for 74 days i.e. from 1-3-75 to 13-5-75.

3. Notification bearing this office No. 18317/AN-II of 16-1-75 in respect of Shri A. B. Krishna Rao, is cancelled.

The 20th March 1975

No. 18155/AN-II.—Resignation from the Indian Defence Accounts Service, tendered by Shri P. P. N. Singh, Dy. Controller of Defence Accounts, has been accepted with effect from 5-1-75 (F.N.). Accordingly, he has been struck off the strength of this Department from that date.

The 20th March, 1975

No. 40011(2)/74/AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

| Sl. No. | Name with Roster Number | Grade | Date from which transferred to pension establishment. | Organisation |
|---------|---------------------------|------------------------------|---|---|
| | Sarveshri | | | |
| 1. | B. D. Namjoshi (P/463) | Permanent Accounts Officer | 31-5-75 (AN) | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. |
| 2. | M. R. Subramanyam (P/691) | Permanent Accounts Officer | 30-4-75 (AN) | Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta. |
| 3. | T. A. Mathews (O/111) | Officiating Accounts Officer | 31-5-75 (AN) | Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay. |
| 4. | B. B. Chitnis (O/126) | Officiating Accounts Officer | 30-6-75 (AN) | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. |
| 5. | T. R. Nangia (N. Y. A.) | Officiating Accounts Officer | 31-5-75 (AN) | Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad. |

No. 68019(1)/73/AN/A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints Shri R. N. Gupta, Section Officer (Accounts) of the Defence Accounts Department (who was on deputation to the Ministry of Defence) as Accounts Officer in an Officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 under the "Next Below Rule" from the forenoon of 1st August 1974 to 26th December 1974.

The 25th March 1975

No. 18296/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri B. S. Syal, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31-7-1975.

The 25th March, 1975

No. 40011(2)/74-AN-A(i)—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

| Sl. No. | Name with Roster Number | Grade | Date from which transferred to pension establishment. | Organisation |
|---------|--------------------------------|------------------------------|---|--|
| S/Shri | | | | |
| 1. | Clarence Nurse (P/182) | Permanent Accounts Officer | 30-6-1975 (AN) | Controller of Defence Accounts, (Officers), Poona. |
| 2. | B. N. Datta (P/200) | Permanent Accounts Officer | 30-6-75 (AN) | Controller of Defence Accounts, Patna. |
| 3. | T. Suryanarayana Rao (P/466) | Permanent Accounts Officer. | 30-6-1975 (AN) | Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras. |
| 4. | P. K. Viswanathan, (P/530) | Permanent Accounts Officer. | 31-3-1975 (AN) | Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona. |
| 5. | Mehar Chand Jain, (P/588) | Permanent Accounts Officer | 31-7-1975 (AN) | Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun. |
| 6. | Gurbux Singh Johar, (N. Y. A.) | Officiating Accounts Officer | 31-7-75 (AN) | Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun. |

2. The following is added as para 2 in this department notification No. 40011(2)/74-AN-A dated 4-2-1975.

"Shri K. V. K. Nair, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave from 8-4-75 to 30-4-75 pending his retirement".

No. 18277/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. G. Patwardan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 30th June 1975.

2. Shri S. G. Patwardan has been granted 120 days leave pending retirement from 3-3-75 to 30-6-75.

No. 18123/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri T. G. Taravanar, Deputy Controller of Defence Accounts, will be transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 31-7-75.

S. K. SUNDARAM

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 19th March 1975

No. 11/75/G.—On attaining the age of superannuation, Shri F. E. Jolly, Offg. Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager) retired from service with effect from 31st Dec., 1974/AN.

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 17th March, 1975

(ESTABLISHMENTS)

No. 6/431/56-Admn.(G)/1991.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Jagtap, Controller Class-II in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office for a period of three months with effect from 9-12-1974 (forenoon).

The 19th March 1975

No. 6/1069/75-Admn(G)/2037.—Shri Tarlok Singh, Senior Personal Assistant working in the Ministry of Commerce has been appointed to officiate as P. S. to Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi (Selection Grade of the CSSS) with effect from the forenoon of 1st February, 1975 to 22nd March, 1975 (AN) vice Shri A. M. Srinivasan granted leave.

No. 6126/54-Admn(G)/2047.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Puri, permanent Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, to officiate as Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay with effect from 11-2-75 (forenoon), until further orders.

The 21st March 1975

No. 6/731/64-Admn(G)/2163.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Bhattacharjee relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta on the afternoon of the 28th February, 1975.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 21st March 1975

ESTABLISHMENT

No. 6/1041/74-Admn(G)/2121.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri S. P. Chibbar, Officer-in-charge, Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation, New Delhi, as Controller of Imports & Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, (CLA), New Delhi, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th March, 1975, until further orders.

2. Shri S. P. Chibbar will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILES COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th March 1975

No. EST. I-2(638).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 19th February, 1975 and until further Orders, Shri Amar Jit Jassal as Deputy Director (P & D) in the Weavers' Service Centre, Indore.

No. EST. I-2(237).—Shri N. Subramanian, Deputy Director (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service on the 31st January, 1975 afternoon after availing of Leave Preparatory to Retirement from 14-10-1974 to 31-1-1975.

MANI NARAYANSWAMI,
Textile Commissioner

Bombay, the 14th March 1975

No. CER/6A/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textile (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the table appended to the said Notification, for the existing entries against Serial Number 12, the following shall be substituted, namely :—

- “ (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (v) All Textile Control Officers.
- (vi) Assistant Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vii) Assistant Director of Handlooms & Textiles, in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Trichy, Tirunelveli, Kancheepuram, Ramnad at Madurai, Erode and Tiruchengode.
- (viii) All Textile Inspectors.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Tax Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officer.
- (xi) Officers of the Police and Excise Department not below the rank of Sub-Inspectors.”

No. CER/6B/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Govern-

ment, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (12)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the table appended to the said Notification for the existing entries against Serial No. 11, the following shall be substituted, namely :—

Sl. No. , Designation of Officers and Name of the State.

- “11. (i) Director of Handlooms & Textiles, Madras, Tamil Nadu.
- (ii) Joint Director of Handlooms & Textiles, Madras, Tamil Nadu.
- (iii) Deputy Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms & Textiles, Madras, Tamil Nadu.
- (iv) Assistant Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras, Tamil Nadu.

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 29th March 1975

No. EST. I-2(646).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 10th March, 1975 and until further orders Shri T. K. Patel, Art Designer in the Weavers' Service Centre, Bombay as Expert Designer in the Weavers' Service Centre, Meerut.

B. N. BASU,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th March 1975

No. A.19011(177)/74-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Abdul Munaf to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th February, 1975 until further orders.

The 22nd March 1975

No. A.19011(20)/70-Estt.A.—On his deputation to the Bharat Aluminium Company Limited, as Chief Mining and Geology at Korba Project, Shri N. L. Chatterjee, permanent Deputy Controller of Mines, officiating Regional Controller of Mines had relinquished the charge of the post of Regional Controller of Mines, with effect from the afternoon of 6-12-1974.

No. A.19011(176)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Pitale to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th March, 1975 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY,
Sr. Administrative Officer,
for Controller.

Nagpur, the 14th January 1975

No. T-31013/5/CBM/72.—In exercise of the powers vested in me to authorise officers to take action in respect of the Mineral Conservation and Development Rules 1958, the following officers are hereby authorised by me to take action under the Rule/Rules indicated against each on my behalf :—

1. Controller of Mines, Indian Bureau of Mines—Rules 13(2) and 24.

2. Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines. Asstt. Controller of Mines, Indian Bureau of Mines.—Rule 24.

These orders shall come into force with immediate effect.

ORDER

1. Ordered that these authorisations to the officers of the Indian Bureau of Mines be published in the Gazette of India for general information of all the mineowners.
2. Ordered also that a copy of these authorisations be communicated to all mineowners under the jurisdiction of this Department.

D. N. BHARGAVA,
Controller,
Indian Bureau of Mines.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 11th March 1975

No. 2222(DRK)/19A.—Shri D. R. Kamashwar, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th January, 1975, until further orders.

No. 2222(SKV)/19A.—Shri Subash Kumar Verma is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 17-1-1975, until further orders.

C. KARUNAKARAN,
Director General

MINISTRY OF SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 13th March 1975

O.O. No. Admn(CDN)/174.—On attaining the age of superannuation, Shri M. K. Banerjee, an officiating Assistant Chief Pay & Accounts Officer in the office of the Senior Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Calcutta retired from service with effect from the 1st February, 1975.

P. P. GANGADHARAN
Chief Pay & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 6th March 1975

No. A-1/1(972).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints S/Shri Abdul Rashid and Manmohan Pal Singh to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and until further orders.

The 13th March 1975

No. A-6/247(472)/63.—The President has been pleased to appoint Shri D. R. Mehre, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 3-2-1975.

Shri Mehre, relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the afternoon of 7-12-1974, and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same Circle of the Directorate General of Supplies and Disposals in the forenoon of the 3-2-75 after availing of leave.

The 18th March 1975

No. A-1/1(1021).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Sharma, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals,

New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Sharma as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-711103, the 5th March 1975

No. BSI 66/91/74-Estt.—On recommendation of the UPSC, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, is pleased to appoint Dr. Jagdish Narain Singh to the Cl. II Gazetted post of Soil Chemist, Central Office, Botanical Survey of India at Howrah in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740—35—810—EB—880—40—1000—40—1200 with effect from the forenoon of 22nd Feb. 1975, until further orders.

M. L. MUKHERJEE,
Administrative Officer

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 18th March 1975

No. 6/5/74-Ant.—In order to expedite the passing of articles, objects of things of export which are not antiquities under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, the Director General of Archaeological Survey of India hereby sets up a committee of Experts at Bangalore (Tipu Sultan Palace, Bangalore). The members of this Committee will be as under:—

1. Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Southern Circle, Fort St. George, Madras.
Convenor
2. Director of Archaeology and Museums, (Karnataka State) Mysore.
Member
3. Chief Ephigraphist, Archaeological Survey of India, 100 ft. Road, Mysore.
Member
4. Dr. Shivaraja Karnath, Kota (South Kanara), Karnataka.
Member

N. R. BANERJEE,
Director (Antiquities)
for Director General

PRE-INVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 19th March 1975

No. F.3-18/74-Adm.—Shri S. S. Saini, Assistant Conservator of Forests, Northern Zone, Pre-investment Survey of Forest Resources, Simla is transferred and posted on deputation basis in Pre-investment Survey of Forest Resources Bhutan with Headquarters at Paro w.c.f. 25-8-74 (A.N.) until further orders. He will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of External Affairs O. M. No. E. IV/551/72 dated 10-5-73 as amended from time to time and will be entitled for Bhutan allowance as laid down thereunder.

ROMESH CHANDRA
Chief Coordinator

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 26th March 1975

No. 2/32/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. N. Kundu, Accountant, Betar Jagat, All India Radio, Calcutta to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Rajkot in the pay scale of Rs. 650—960 with effect from 19-3-75 on *ad hoc* basis.

I. S. PANDHI
Section Officer,
for Director General

New Delhi, the 21st March 1975

No. 2(4)/74-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Senior Engineering Assistants to officiate in the grade of Assistant Engineers with effect from the dates mentioned against each at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names, until further orders :—

Sl. No., Name, Place of Posting and Date of Appointment.

- (1) Shri Prakash Sukla, Research Deptt. AIR, New Delhi—17-1-75.
- (2) Shri Ganu Murali, AIR, Hyderabad—21-2-1975 (F.N.).
- (3) Shri G. B. Murlidhar, AIR, Gauhati—24-2-75 (F.N.).
- (4) Shri P. C. Khurana, AIR, Kohima—19-2-75 (F.N.).
- (5) Shri L. D. Sharma, AIR, Kohima—20-2-75 (F.N.).
- (6) Shri B. S. Menon, RE(E), AIR, Calcutta—25-1-75 (F.N.).
- (7) Shri S. R. Appa Rao, HPT, AIR, Rajkot—28-2-75 (F.N.).
- (8) Shri N. Mitra, HPT, Chinsurah—26-2-75 (F.N.).
- (9) Shri T. J. Chako, TV BPC, Cuttack—1-3-75 (F.N.).
- (10) Shri R. Rangaswamy, AIR, Gauhati—7-3-75 (F.N.).

R. K. KHATTAR
Deputy Director of Admn.,
for Director General

New Delhi, the 12th March 1975

No. 5(41)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shankar Lal, Transmission Executive, All India Radio Simla as Programme Executive, AIR Jaipur in a temporary capacity with effect from the 28th January, 1975 and until further orders.

CORRIGENDUM

No. 5(24)/69-SI.—For the words and figures "21st December, 1974" occurring in this Directorate's Notification No. 5 (24)/69-SI, dated the 9th January, 1975 regarding the appointment of Smt. V. L. Liani as a Programme Executive, All India Radio, read "21st December, 1974 (afternoon)".

The 17th March 1975

No. A.30014/2/75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. V. Subba Rao, Farm Radio Officer, All India Radio, Hyderabad in a quasi-permanent capacity in that post with effect from the 20th November, 1973 (F.N.).

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

ANNEXURE II

DECLARATION AND ORDER OF APPOINTMENT
UNDER RULES 3 AND 4 OF THE CENTRAL CIVIL
SERVICES (TEMPORARY) RULES, 1965.

New Delhi, the 17th March 1975

In pursuance of rules 3 and 4 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, P. C. Chatterjee, Director

General, All India Radio, New Delhi being satisfied, having regard to the quality of work, conduct and character of Shri K. V. Subba Rao, Farm Radio Officer, All India Radio, Hyderabad that he is suitable to be appointed in a quasi-permanent capacity under the Government of India in the post of Farm Radio Officer with effect from the 20-11-1973 (F.N.) hereby appoint the said Shri K. V. Subba Rao in a quasi-permanent capacity to the said post with effect from the said date.

P. C. CHATTERJEE
Director General, All India Radio

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & AUDIO-VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 11th March 1975

No. 9/53/61-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. L. Mukerjee, Technical Assistant (Printed Publicity) in this Directorate to officiate as Assistant Production Manager (PP) for the period from 13-1-1975 to 1-3-1975 *vice* Shri R. J. Chandrabhan Singh in the chain of the leave vacancy of Shri R. H. Bhanot.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Audio-Visual Publicity

FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 21st March 1975

No. 7/PFII/48-Est.I.—On return from leave Shri D. N. Chawla, Officiating Branch Manager, Films Division rejoined duty at Bombay on 14-3-1975. Shri L. T. Fernandes, Officiating Branch Manager reverted to the post of Salesman in the same office with effect from the forenoon of 14-3-1975.

M. K. JAIN,
Asstt. Administrative Officer,
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th March 1975

No. 20/6/(1)/75/CGHS I.—Consequent on acceptance of resignation of Dr. R. D. Gupta, Junior Medical Officer (*ad-hoc*) under Central Government Health Scheme, Delhi, he relinquished charge of his post on 24th January, 1975, afternoon.

The 18th March 1975

No. 20/1(22)/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Uma Jain to the post of Homeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi under the Directorate General of Health Services on a purely *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of the 7th March, 1975, and until further orders.

K. VENUGOPAL,
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 14th March 1975

No. 26-6/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Shome in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Director (Mycology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 21st February, 1972.

No. 17-16/73-Admn.I.—On his return from deputation on foreign service with the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Shri M. K. Bhatt, Librarian, Grade I, National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi, resumed charge of the post of Librarian Grade I in the Directorate General of Health Services on the forenoon of the 1st February, 1975.

On reversion, Shri S. K. Sharma relinquished charge of the post of Librarian Grade I in this Directorate on the afternoon of the 31st January, 1975.

No. 9-29/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Kumari) A. Bhaduri in a substantive capacity to the permanent post of Vice Principal, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the 31st August, 1970.

The 20th March 1975

No. 9-3/74-Admn.I.—The Director of Administration & Vigilance, Directorate General of Health Services is pleased to appoint the following officers to the post of Clinical Instructor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the 1st February, 1975 in a temporary capacity and until further orders :—

- (1) Kumari Suzana Doodla
- (2) Smt. Mamta Dixit.

CORRIGENDUM

No. 9-24/73-Admn.I.—In this Directorate's Notification No. 9-24/73-Admn.I, dated the 15th December, 1973, for "22nd August, 1973 (forenoon)" occurring in the fourth line read "28th August, 1973 (forenoon)".

The 22nd March 1975

No. 1-13/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Das, Superintendent, All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta to the post of Administrative Officer at the same Institute with effect from the afternoon of the 31st January, 1975 in a temporary capacity and until further orders.

The 24th March 1975

No. 17-21/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. S. Manjul in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer (Teacher Training) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the 4th June, 1971.

The 25th March 1975

No. 1-15/71-Admn.I.—Consequent on his selection for appointment to the post of Assistant Director (Physiology) at the Central Labour Institute, Bombay, Dr. S. R. Dutta relinquished charge of the post of Assistant Research Officer (Physiologist) in the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta on the afternoon of the 23rd November, 1974.

No. 1-10/72-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. A. Sampathkumaran in a substantive capacity to the permanent post of Co-ordinating officer at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the 21st March, 1972.

S. P. JINDAL
Deputy Director Admn.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DTE. OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 14th March 1975

No. F. 3(13)52/75-D.II.—In partial modification of the notification No. F. 3(13)52/73-D.II, dated the 4th July, 1973 published in the Gazette of India, Part III, Section 1, dated 21-7-1973 (page 1842) the names of Shri Ganshyamsingh, Marketing Officer and Shri B. N. K. Sinha, Sr. Inspector, occurring in the said notification may be treated as cancelled.

The 24th March 1975

No. F.4-6(41)/74-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Dawood Khan, Assistant Marketing Officer Group II, Bombay was appointed to officiate as Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 7-1-75 (F.N.) to 31-1-75 (A.N.).

2. Consequent on the acceptance of his resignation from Government service, Shri Khan was relieved of his duties in the Directorate in the afternoon of 31-1-75.

The 25th March 1975

No. F.4-6(68)/75-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. K. Upadhyaya, who is officiating in the post of Assistant Marketing Officer (Group-II) on ad-hoc basis has been appointed as

Assistant Marketing Officer, Group II, on regular basis in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 8-11-74 until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

(DEPARTMENT OF IRRIGATION) OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 23rd March 1975

No. PF-II/93/2791(8).—Sri D. P. Ghosal, Assistant Engineer who has on deputation and attached to Mech. Circle No. I as Personal Assistant to Superintending Engineer in the F. B. Project Government of India, Ministry of Irrigation and Power (now Min. of Agriculture & Irrigation, Department of Irrigation) had relinquished the charges in the afternoon of 31-8-74 and reverted to his parent Department (I&W) Government of West Bengal.

J. N. MONDAL
General Manager

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 27th February 1975

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Tumkur Krishnamurthy Narasimhamurthy, a permanent Stenographer (Sr.) in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of November 5, 1974, upto the afternoon of December 30, 1974 vice Shri C. P. James, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 6th March 1975

No. PA/73(5)/73-R-IV.—In continuation of this office Notification of even number dated January 2, 1975, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, has approved the continued officiating appointment in a temporary capacity of Dr. (Smt.) Shashikala Rajnikant Tribhuwan as Resident Medical Officer in the Research Centre from January 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer(R)

Bombay-400 085, the 13th March 1975

Ref 5/1/75/Estt.V/179.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Chintamani Vasudeo Pendse, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer, in a temporary capacity in this Research Centre for the period 2-12-74 to 7-2-1975.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 13th March 1975

No. RAPP/04627/1(153).—Consequent on his deputation on Foreign Service with M/s. Bharat Pumps and Compressors Limited, Naini Shri R. K. Bali a Quasi-Permanent Personal Assistant and officiating Administrative Officer, Rajasthan Atomic Power Project relinquished charge of his post in that project on the afternoon of July 9 1973.

Notification issued under No. RAPP/04627/1(153)/73/S/944 dated July 9, 1973 may be treated as cancelled.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E)

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 28th February 1975

No. TAPS/Adm/673-A(X).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri N. K. Agrawal, a temporary Foreman in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974.

K. V. SETHUMADHAVAN.
Chief Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 5th March 1975

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—Director, Purchase and Stores appoints Shri Waman Gangadhar Tilak, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in the Directorate of Purchase and Stores for the period from 26-2-1975 (FN) to 19-4-1975 (AN) *vice* Shri B. G. Kulkarni, Assistant Personnel Officer granted leave.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th March 1975

No. A-32012/4/73-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P.D. Ranganathan, Superintendent (Non-gazetted) as Administrative Officer (Gazetted Class II) in the office of the Regional Director, Madras, with effect from the forenoon of the January 22, 1975 on an *ad-hoc* basis until further orders.

The 19th March 1975

No. A.31014/1/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 1st January, 1975 :—

1. Shri M. P. K. Pillai
2. Shri V. N. Iyar
3. Shri N. J. Job
4. Shri R. Subramanyan
5. Shri K. Muthukrishnan
6. Shri R. N. Pandey
7. Shri C. Kannayan
8. Shri G. S. Karnani
9. Shri S. R. Aiyer
10. Shri T. S. Prakasam
11. Shri S. Ramamritham
12. Shri M. Raghvan
13. Shri S. Krishnamurthy
14. Shri K. Gopalakrishnan
15. Shri D. P. Chohan
16. Shri S. Mandekam
17. Shri R. S. Raghavan
18. Shri S. K. Neogy
19. Shri K. V. Vasudevan
20. Shri V. R. Srinivasan
21. Shri J. Isaiah
22. Shri P. K. Sen
23. Shri N. Pichumani
24. Shri M. Krishna
25. Shri R. R. Joshi
26. Shri K. D. Tuli
27. Shri C. L. Khera
28. Shri P. S. N. Muthy

29. Shri K. C. Nair
30. Shri L. R. Dawra
31. Shri G. Barnard
32. Shri Dalip Singh
33. Shri S. S. Chowdhury
34. Shri Gurbachan Singh VEDI
35. Shri V. V. Harnal
36. Shri A. P. Sundaram
37. Shri J. H. David
38. Shri K. C. Thomas
39. Shri P. Solomon Raja
40. Shri K. K. Sidharthan
41. Shri N. A. Joseph
42. Shri S. P. Sharma
43. Shri K. C. Biswas
44. Shri P. R. Nair
45. Shri P. K. Dutta
46. Shri B. G. Sanyal
47. Shri M. V. K. Murthy
48. Shri V. S. Pillay
49. Shri J. Bhattacharjee
50. Shri P. M. Subbiah
51. Shri Jagdish Singh
52. Shri J. P. Anand
53. Shri P. R. Banerjee
54. Shri V. S. David
55. Shri N. S. Paul
56. Shri D. Paul
57. Shri P. Ramioes
58. Shri S. V. Rajan
59. Shri M. K. Desai
60. Shri M. S. Sachdev
61. Shri R. K. Das
62. Shri V. Ranganathan.

The 20th March 1975

No. A.12025/5/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri Upendra Narayan Singh as Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Calcutta Airproject, Calcutta on a temporary basis with effect from the 24-2-1975 until further orders.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 1st March 1975

No. A.19013/14/72-E(H).—On attaining the age of superannuation Shri Y. R. Malhotra, relinquished charge of the office of the Deputy Director General in the Civil Aviation Department, New Delhi, on the afternoon of the 28th February, 1975. Shri Malhotra has been granted 'refused leave' for 120 days with effect from the 1st March, 1975.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 14th March 1975

No. A.12034/4/75-EA.—The following officers retired from Govt. service on attaining the age of superannuation on the 28th February, 1975 AN.

S. No., Name, Designation and Station :

1. Sh. K. C. Bose, Senior Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi.
2. Sh. V. D. Lionel, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 12th March 1975

No. E(1)05554.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. R. Sengupta, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17th February, 1975 and until further orders.

Shri N. R. Sengupta, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 15th March 1975

No. E(1)04294.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Sen, Professional Assistant, Meteorological Office, Mohanbari under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 25th January, 1975 and until further orders.

Shri S. R. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Office, Mohanbari under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04247.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri C. S. Sarkar, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20th January, 1975 and until further orders.

Shri C. S. Sarkar, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the Meteorological Office, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)05503.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. V. Iyer, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd February, 1975 and until further orders.

Shri N. V. Iyer, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the Office of the Director Instruments, Poona.

NOOTAN DAS

Meteorologist

for Director General of Observatories

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 24th March 1975

No. 16/99/67-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to accept the resignation tendered by Dr. P. B. L. Srivastava of his appointment as Research Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, from the afternoon of 1st January, 1975 and he has been relieved of his duties with effect from the same date.

PREM KAPUR,

Registrar

Forest Research Institute & Colleges.

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 12th March 1975

No. 1/321/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri N. K. Das, Assistant Supervisor, Calcutta Branch, as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 2-12-1974 to 21-2-1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR,
Dy. Director (Admn.)
for Director General.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
AND CUSTOMS, WEST BENGAL

Calcutta, the 11th March 1975

No. 17. On promotion to the grade of Administrative Officer Shri Paresh Nath Chatterjee took over charge of Administrative Officer Calcutta IV C.F. Division on 6/2/75(A/N) vice Shri N. N. Bose, Administrative Officer transferred to Calcutta and Orissa Collectorate.

No. 18. On promotion to the grade of Supdt. Class II Shri Amulya Kumar Saha took over charge of Falakata Range under Cooch Behar Central Excise Division on 1-2-75(FN) vice Shri Mritunjoy Basu, Supdt. Class II transferred to Collectorate Headquarters Office.

No. 19. On transfer from Falakata Range under Cooch Behar Central Excise Division Shri Mritunjoy Basu, Supdt. Cl. II assumed charge of the Office of Supdt. Central Exchange at Collectorate Headquarters Office on 11/2/75(F/N).

No. 20. On transfer from Krishnagore Customs Divisional Office Shri Arabinda Ghosh, Supdt. Cl. II took over charge of Krishnagore Central Excise Range under Calcutta-IV Central Excise Division on 10/2/75(A/N) vice Shri Birendra Nath Roy, Supdt. Cl. II transferred.

No. 21. On transfer from Krishnagore Central Excise Range under Calcutta IV Central Excise Division Shri Birendra Nath Roy, Supdt. Cl. II assumed charge of Krishnagore Customs Divisional Preventive Unit on 11/2/75(F/N) vice Shri Arabinda Ghosh, Supdt. Class II transferred.

No. 22. On abolition of Durgapur Inspection Group No. 2 of Burdwan Central Excise Division Shri Mrinal Kanti Chowdhury, Supdt. Cl. II assumed charge of Alloy Steel Plant Range (Newly created), Durgapur under the above Division on 10/2/75(F/N).

No. 23. On abolition of Inspection Group No. I of Calcutta IV Central Excise Division Shri D. C. Kanjilal, Supdt. Class II assumed charge of Special Squad (Newly created) of the above Division on 21/2/75(F/N).

N. N. ROY CHOUDHURY,
Collector of Central Excise and
Customs, West Bengal, Calcutta.

Patna, the 16th March 1975

No. C. No. II (7) I-Et/70/2429.—Shri A. K. Banerjee, Officiating Superintendent Class-II of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from Service on Superannuation with effect from 31-1-1975 (A.N).

H. N. SAHU
Collector of Central Excise

Madras, the 20th February 1975

No. C. No. II/3/32/75-Estt.—Shri V. G. Casper, Superintendent of Central Excise, Class II Madras Collectorate has retired from service on superannuation with effect from 31-1-75 After Noon.

C. CHIDAMBARAN
Collector of Central Excise

Panaji, the 14th March 1975

No. F. No. 1/2/75-Estt.—Shri K. S. Salaria having been selected by Director Marine, Bombay for the post of Skipper as intimated in his letter No. S/54/60/74-DM dated 30-12-74 is appointed as such in a temporary capacity against the post

of Skipper sanctioned for this Collectorate, vide Ministry of Finance (Deptt. of Revenue and Insurance) letter F. No. A-11013/C/25/74-Ad. IV dated 2-8-1974 in the pay scale of Rs. 840-1200 plus the Skipper's Allowance of Rs. 100/- p.m. with effect from 23-12-1974 forenoon and until further orders.

B. B. GUJRAL
Collector of Customs and Central Excise

CUSTOMS

Bombay-400 038, the 22nd March 1975

No. 1/75.—Shri R. S. Karnik, Permanent Appraiser, Bombay Custom House, retired from service with effect from 31-12-1974 (AN).

B. B. GUJRAL
Collector of Customs

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 2nd January 1975

No. 1/75.—Shri N. Sundararajan, Senior Grade Preventive Officer, Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser vide Madras Custom House Order No. 235/74 dated 22-11-74, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 11-12-1974 at Visakhapatnam Custom House.

No. 2/754.—Shri K. Balagopalan, Examiner (SG), Cochin Custom House, promoted to officiate as Appraiser vide Madras Custom House Order No. 236/74 dated 22-11-74, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 25-11-1974 at Cochin Custom House.

No. 2/754.—Shri K. Ramanathan, Deputy Office Superintendent, Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser vide Madras Custom House Order No. 234/74, dated 22-11-74, assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 30-11-1974 at Cochin Custom House.

The 3rd January 1975

No. 4/75.—Shri K. Bashyam, Permanent Senior Grade Preventive Officer, Madras Custom House, promoted to officiate as Preventive Inspector in the Madras Custom House vide order No. 231/74, dated 22-11-74 assumed charge on the forenoon of 23-11-74.

G. SANKARAN
Collector of Customs

OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 12th March 1975

S. No. 8.—On his appointment, Shri S. P. Srivastava officiating Deputy Superintendent (Executive) on deputation as Enforcement Officer in the Directorate of Emergency Risks Insurance, Kanpur Centre, assumed charge as Superintendent (Executive) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200 in the forenoon of the 1st February, 1975 at Lucknow.

A. SHANKER
Narcotics Commissioner of India

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

TOWN & COUNTRY PLANNING ORGANISATION

New Delhi-1, the 12th March 1975

No. A-12025(ii)/1/74-ICPO(Estt).—Chairman, Town & Country Planning Organisation is pleased to promote Shri R. N. Kapur, Planning Assistant on purely temporary and ad-hoc basis as Assistant Architect in the scale of Rs. 650-1200/- for a period of six months with effect from 1-3-1975 or till

the post is filled up through Union Public Service Commission whichever is earlier. This appointment will not confer on him any right to his continuance in the post or seniority and he may be reverted to the lower post at any time without assigning any reason.

S. L. TEJWANI, Administrative Officer

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin, the 17th January 1975

No. A. 22013(1)/75/Admn./226.—On the expiry of the current term of deputation in this post as Assistant Engineer (Civil), Shri S. Vignarajan, Assistant Engineer, Tamilnadu Highways & Rural Works, Department, has been repatriated to his parent department with effect from the afternoon of 31st December 1974.

The 10th March 1975

No. A. 12025(1)/75/Admn./D. 1156.—The Chief Engineer & Administrator/Port of New Tuticorin is pleased to appoint Shri S. Paramasivan, Junior Engineer (civil) in the Port of New Tuticorin on promotion as Assistant Engineer (civil) in the Port, on the scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the 24th February, 1975, F.N. and until further orders.

The 15th March 1975

No. 22013/1-75/Admn./1249.—The Chief Engineer & Administrator, Port of New Tuticorin is pleased to appoint Shri S. E. Abraham, permanent S.A.S. Accountant in the Port of New Tuticorin on promotion as Accounts Officer in the Port on the scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200 in an *ad hoc* basis with effect from the after noon of the 28th February 1975 and until further orders.

D. I. PAUL
Chief Engineer & Administrator

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 15th March 1975

No. A-19012/533/75-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri C. K. M. Nambiar, to officiate in the grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engg.) in the Central Water and Power Commission on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200, with effect from the forenoon of 19-2-1975.

Shri C. K. M. Nambiar, took over charge of the office of Extra Assistant Director in Flood Control Scrutiny & Planning Directorate, Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 25th March 1975

No. A-32014/7/74-Adm. V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm. V., dated the 4th December, 1974, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistants (Engg.) to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for further periods upto 31-3-1975 with effect from the dates as shown against each, or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri Ch. Bhujanga Rao from 1-1-1974 to 31-3-1975.
2. Shri K. A. Ismail from 1-1-1975 to 31-3-1975.
3. Shri D. M. Khambete from 1-1-1975 to 31-3-1975.
4. Shri A. G. Phansalkar from 1-1-1975 to 31-3-1975.
5. Shri K. N. Appukuttan from 1-1-1975 to 31-3-1975.
6. Shri S. N. Mone from 1-1-1975 to 31-3-1975.
7. Shri M. S. Shitole from 1-1-1975 to 31-3-1975.

Approval of the U.P.S.C. has been obtained.

No. A-19012/508/74-Adm. V.—The Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri J. P. Varshney to officiate in the grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engineering) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—39—740—35—810—EB—35—880—40—1100—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 14-10-1974.

Shri J. P. Varshney took over charge of the office of Assistant Engineer, Chenab Sub-Division No. III, Kluuu, Central Water and Power Commission (Water Wing), Kulu with effect from the above date and time.

JANGSHER SING
Under Secy.

for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 13th March 1975

No. 6(11)/75-Adm. III.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri A. S. Kanwar, Office Superintendent as Assistant Personnel Officer, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000 EB—40—1200, in O&M Organisation, Badarpur Thermal Power Station, Central Electricity Authority, New Delhi in an officiating capacity with effect from 21-2-1975 until further orders.

The 26th March 1975

No. 6/2/75-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri J. N. Mathur—5-3-75 (FN).
2. Shi P. S. Ramulu—5-3-75 (FN).

M. S. PATHAK
Under Secy.
for Chairman

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 11th March 1975

CORRIGENDUM

No. 33/3/75-Admn.IV.—Please read "The pay according to rules in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 instead of the pay of Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300, occurring in lines 3 & 4 of this office Notification No. 33/3/74-27/23/72-Admn. IV, dated 19-11-74.

S. S. P. RAO,
Dy. Director of Administration.

INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 19th March 1975

No. PB/GG/9/Misc./II.—Sri MD. Khaja Mohideen, Officiating Assistant Mechanical Engineer/DPD (Class II) (*ad hoc*) has been reverted to Class III service with effect from 18-2-75 F.N.

Sri P. Govindan, Officiating Senior Mechanical Engineer/DSS (S.S.) (*ad hoc*) has been reverted to Class II service with effect from 27-2-1975 A.N.

Sri V. Dilli Baboo, Officiating Senior Personnel Officer/Shell (S.S.) (*ad hoc*) has been reverted to Class II service with effect from 8-3-1975.

Shri C. Sankaran, Officiating Welfare Officer (Class II) has been reverted to Class III service with effect from 8-3-1975.

S. SUBRAMANIAN,
Dy. Chief Personnel Officer,
for General Manager.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 6th March 1975

No. 1.—Shri M. N. Wadhvani, an officer of I.R.S.M.E. of Northern Railway resigned from Railway Service w.e.f. 20-8-1974.

No. 2.—The following officers of Junior Scale of the I.R.S.M.E. Department Northern Railway are confirmed in the senior scale in that Deptt| of this Railway w.e.f. the dates noted against each :—

1. Shri R. D. Kitson—1-9-71.
2. Shri P. K. Mathur—3-5-72.
3. Shri I. D. Amin—1-12-72.
4. Shri V. Vishwanathan—31-7-73.

The 14th March 1975

No. 726E/554(Eia).—Shri G. Nath and Shri Kehar Singh, Asstt. Engineers, Class II of this Railway have finally retired from Railway service w.e.f. 31-10-1974 A.N. and 31-1-75 A.N. respectively.

C. S. PARAMESWARAN,
General Manager.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 10th March 1975

No. E/283/III/30 P.V (O).—Shri S. C. Chakraborty, Senior Personnel Inspector (Cl. III) is appointed to officiate in Class II Service purely on *ad hoc* measure as Assistant Personnel Officer w.e.f. 4-12-74.

No. E/283/III/30 Pt.V (O).—Shri J. C. Bardhan, Assistant Personnel Officer (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Divisional Personnel Officer with effect from 12-12-74.

M. R. REDDY,
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Asansol Paper & Book Company Private Limited*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 21064/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Asansol Paper & Book Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
The Best Industries Limited,*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 15282/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the The Best Industries Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ceramics Tiles & Glass (India) Private Limited.*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 20865/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Ceramics Tiles & Glass (India) Private Ltd., has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Mukherjee Agencies Private Limited*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 27052/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Mukherjee Agencies Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Komet Printing Works Private Limited*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 25119/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Komet Printing Works Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Cosmic Works India Private Limited.*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 15750/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Cosmic Works (India) Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Chakraborty & Chatterjee (Agency) Private Limited.*

Calcutta, the 13th March 1975

No. 16217/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Chakraborty & Chatterjee Agency Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
B. C. Saha Private Limited*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 13654/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the B. C. Saha Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Greyhound Transport Company of India Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 27608/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Greyhound Transport Company of India Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Krisan Mitra (Fertiliser) Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 26705/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Krisan Mitra (Fertiliser) Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Bildrite Constructions Limited*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 27413/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bildrite Constructions Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Paramount Rubber Co. Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 24692/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Paramount Rubber Co. Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Monmohan Oils Mills Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 23603/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Monmohan Oils Mills Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Agency Advertising Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 23714/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Agency Advertising Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Gulabroy Kashinath Private Limited*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 22097/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Gulabroy Kashinath Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
The Paper Stores Private Limited.*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 13804/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of The Paper Stores Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Tyack Metal Pressing Company Limited*

Calcutta, the 17th March 1975

No. 28590/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Tyzack Metal Pressing Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
UCO Wood Crafts Private Limited*

Calcutta, the 25th March 1975

No. 28541/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the UCO Wood Crafts Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Chotanagpur Agricultural & Farming Company Private
Limited.*

Calcutta, the 25th March 1975

No. 25276/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chotanagpur Agricultural & Farming Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Giks Private Limited.*

Calcutta, the 25th March 1975

No. 25084/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Giks Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
D. Mondal Collieries Private Limited.*

Calcutta, the 25th March 1975

No. 26643/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the D. Mondal Collieries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Betai Agricultural Farms (Pvt.) Limited.*

Calcutta, the 25th March 1975

No. 22141/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Betai Agricultural Farm (Pvt.) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Northern Engineering Corporation Limited.*

Cuttack, the 22nd March 1975

No. A.233/75-3615(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Northern Engineering Corpn. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA,
Registrar of Companies,
Orissa.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Tripura Steel Re-Rolling Mill & Foundry Private
Limited.*

Shillong, the 20th March 1975

No. 1284/560/5398-99.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereby, the name of Tripura Steel Re-Rolling Mill & Foundry Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Naga-
land, Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Visnagar Commercial and Financial Co. Private
Limited.*

Gujarat, the 14th March 1975

No. 1828/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Visnagar Commercial and Financial Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Cawnpore Commercial Corporation Private
Limited.*

Gujarat, the 14th March 1975

No. 1129/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Cawnpore Commercial Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. K. GATHA,
Registrar of Companies,
Gujarat.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Mahadeo Chit Fund Private Limited.*

Jaipur, the 19th March 1975

No. Stat/1230/2040.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mahadeo Chit Fund Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL,
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Baladhandapani Electricals Manufacturers Private
Limited.*

Coimbatore, the 13th March 1975

No. DN/4781/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Baladhandapani Electricals Manufacturers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,
Assistant Registrar of Companies,
Coimbatore.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Allied Chit Syndicate Private Limited*

Cochin, the 17th March, 1975

No. 2182/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 56, that M/s. Hindustan Cera-Syndicate Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 1-9-72 in C.P. 8/72 passed by the High Court of Kerala and that the Official Liquidator attached to the District Court of Ernakulam has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Hindustan Ceramics and Tile Works Ltd. (in Liqn.)*

Cochin, the 19th March, 1975

No. 429/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 56, that M/s. Hindustan Ceramics & Tile Works Limited has been ordered to wound up by an order dated 15-2-74 in C.P. 9/73 passed by the High Court of Kerala and that the official Liquidator attached to the High Court of Kerala and that the Official Liquidator attached to the High Court of Kerala has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Parthasarathy Agencies Private Limited*

Ernakulam, the 19th March 1975

No. 952/Liq./3576.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Parathasarathy Agencies Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR,
Registrar of Companies,
Kerala.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ali Brothers Private Limited.*

Hyderabad, the 25th March 1975

No. 782-T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ali Brothers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Alico Laboratories Private Limited*

Hyderabad, the 25th March 1975

No. 983/J(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alico Laboratories Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Shakti Chit Systems Private Limited.*

Bombay, the 13th March 1975

No. 13980/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Shakti Chit Systems Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Omkar Enterprises Private Limited.*

Bombay, the 13th March 1975

No. 12660/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Omkar Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. R. R. Gibson Private Limited*

Bombay, the 13th March 1975

No. 3140/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. R. R. Gibson Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Shobha Chit Funds & Agencies Private Limited.*

Bombay, the 13th March 1975

No. 13766/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Shobha Chit Fund & Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Mediprint Private Limited.*

Bombay, the 19th March 1975

No. 12209/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Mediprint Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. New Madhya Pradesh Roadways Private
Limited.*

Bombay, the 19th March 1975

No. 14000/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. New Madhya Pradesh Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Housing & Estate Builders Corporation (Bombay)
Private Limited.*

Bombay, the 19th March 1975

No. 9450/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the M/s. Housing & Estate Builders Corporation (Bombay) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Bombay Oriental Industries Private Limited.*

Bombay, the 19th March 1975

No. 11734/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bombay Oriental Industries Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Bombay, the 26th March 1975

No. 7935/249(4).—Whereas M/s. Orient Chit Fund Limited, having its registered office at Room No. 62, Bombay Mutual Building, 1st floor, Hornby Road, Bombay-1, is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting* and that the Statement of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 247 of the Indian Companies Act, 1913 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Orient Chit Fund Limited, will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

S. NARAYANAN,
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 10th May 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by four points to reach 321 (Three hundred and twenty one) during the month of March, 1975. Converted to base 1949=100 the index for the month of March, 1975 works out to 390 (Three hundred and ninety).

K. K. BHATIA,
Director

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 24th March 1975

F. No. 9/314/74-DOMS/2683.—On his transfer from the Staff Inspection Unit, Ministry of Finance (Department of Expenditure) New Delhi, Shri D. P. Roy, Senior Analyst, assumed the charge of the office of the Assistant Director, in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax) New Delhi on the afternoon of 22nd March, 1975.

H. D. BAHL,
Director of Organisation &
Management Services (Income-tax)

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 13th March 1975

No. F.48-Ad(AT)/75.—Consequent upon his selection for appointment as Labour Officer, (Central Pool), Badarpur Thermal Power Station (Operation & Maintenance Organisation) at New Delhi, Shri K. L. Rehani, officiating Assistant

Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench relinquished charge of the office of the Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on the afternoon of 4th March, 1975.

HARNAM SHANKAR,
President.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Cochin-16, the 4th March 1975

ORDER

No. 18/74-75.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) and (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of order No. 1 of 1973-74 (C. No. 1(9)(B)GI/73-74 dated 12-7-1973) I the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10.3.1975 the following additions may be made to the schedule to the above notification dated 12.7.73.

2. Under item 12 Trivandrum in Column 3 page 8 add "Income tax Officer, D Ward" as item IV and re-number items IV & V and VI as under V & VI, VII.

Order u/s 124(2) of the Income-tax Act, 1961

No. 19/74-75.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section 2 of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-3-1975 the following additional entries will be made in column No. 1 & 2 in the schedule to this office order C. No. 1(9)(B) GI/73-74 dated 12.7.1973 (order No. 2/73-74) under the items Income-tax Circle, Trivandrum.

2. In column No. 1 after the Income-tax Officer C-Ward, Trivandrum add "Income-tax Officer, D-Ward, Trivandrum".

3. In column 2 against Income-tax Officer, D-Ward, Trivandrum add "functions mentioned in Coln. No. 2 above".

S. T. TIRUMALACHARI,
Commissioner of Income-tax

Order u/s 8A of the Wealth Tax Act, 1957.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH TAX

No. 20/74-75.—In exercise of the powers conferred on me under section 8A of the Wealth Tax Act 1957 I the Commissioner of Wealth tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10.3.1975 the following additional entries will be made in column No. 1 & 2 in the schedule to this office order C. No. 1(9)(B)GI/73-74 dated 12.7.1973 (order No. 3/73-74) Under the items Income-tax Circle, Trivandrum.

2. In column No. 2 after the Income-tax Officer, C-Ward Trivandrum add "Income tax Officer, D-Ward, Trivandrum".

3. In column 2 against Income tax Officer D-Ward, Trivandrum add "function mentioned in Col. No. 2 above."

S. T. TIRUMALACHARI,
Commissioner of Gift Tax

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF GIFT-TAX

Order u/s 7A of the Gift Tax Act, 1958

No. 21/74-75.—In exercise of the powers conferred on me under section 7A of the Gift Tax Act, 1957 I the Commissioner of Gift Tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10.3.1975 the following additional entries will be made in column No. 1 & 2 in the schedule to this office order C. No. 1(9)(B)GI/73-74 dated 12.7.1973 (order No. 4/73-74) under the items Income-tax Circle, Trivandrum.

2. In column No. 1 after the Income-tax Officer, C-Ward, Trivandrum add "Income-tax Officer, D-Ward, Trivandrum".

3. In column 2 against Income-tax Officer, D-Ward, Trivandrum add "functions mentioned in col. No. 2 above."

S. T. TIRUMALACHARI,
Commissioner of Gift Tax,
Kerala-I,

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sham Kumar s/o Satpal,
G.A. of Gurbux Singh, Tarlochan Singh,
s/o Jiwan Singh, and Raj Kaur,
545, Model Town, Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-781/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Gian Kaur w/o Kartar Singh,
391, Lajpat Nagar, Jullundur,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

((4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 2 marlas 103 sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4825 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Mohan Singh Virdhi and Brothers,
s/o Harbhajan,
V.P.O. Dhadhwa,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-782/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant Singh,
G.A. Rajinder Singh,
92, Radio Colony, Jullundur City.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 15 marlas 95 S. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4007 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal ;

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-783/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh,
G A. Rajinder Singh and others
92, Radio Colony, Jullundur City.

(Transferor)

- (2) Shri Girdharilal s/o Pt. Puranchand,
Subhas Chander, Sant Kumar,
c/o Lakshmi Auto Stores,
Ladowali Road, Jullundur,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 kanal 3 marlas 135 Sq. ft. as mentioned in Registration deed No. 4005 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, 20th March 1975

Ref. No. AP-784/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-7-1974 Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh s/o Mohar Singh G. A. Gurdip Singh s/o Charan Singh, 1078/27-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Raghbir Singh Sandhu s/o Mohan Singh, V&PO. Bara Pind, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 18 marlas 125 sq. ft. being 1/2 plot of 384, Model Town, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 4767 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Charni w/o Amritsariya s/o Kartara R.O. Goraya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, 20th March 1975

Ref. No. AP-785/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule overleaf,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdev Singh s/o Shanker Singh s/o Babu Singh, R/o Goraya Teh, Phillaur.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 1653 of July, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Gurcharan Singh s/o Bhagat Singh, V. Dasuya,
Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, 20th March 1975

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)(4) Any person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property.)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-786/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbajan Singh s/o Amar Singh. V. Usman Shahid, Teh. Dasuya Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Dasuya measuring as mentioned in registration deed no. 1872 of July, 1974 of Registering Authority, Dasuya.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Labhsingh etc. of Village Safdarpur. Teh. Dasuya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-787/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Singh etc. of Village Safdarpur Teh. Dasuya.

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring as mentioned in Registration Deed No. 1743 of July, 1974 of Registering Authority, Dasuya.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/185/M Nagar/74-75/1717.—
Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 19-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Keshav Kumar Swarup, Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar
Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
(2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
(3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
(2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
(3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
(4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
(1) Ground floor : 15859 sq. ft.
Upper Story : 2000 sq. ft.
(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.
Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/188/M Nagar/74-75/1716.—
Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffar Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely :—

- (1) Shri Prabhat Kumar Swarup, Rambagh, Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar. (Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Rai
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar
Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plint area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 200 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds. Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
(1) Ground floor : 15859 sq. ft.
Upper Story : 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/186/M Nagar/74-75/1718.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Keshav Kumar Swarup, Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsī Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

Tenants of Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Brahma Swarup (Individual)

Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
(2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
(3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
(2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
(3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
(4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
(1) Ground floor : 15859 sq. ft.
Upper Story : 2000 sq. ft.
(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/171/M Nagar/74-75/1848.—
Whereas, I, Y. Khokhar,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 24-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) L. Gopal Raj Swarup Ram Bagh, Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shyam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.
(Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

Tenants of Sukhbir Sinha Park 9 Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Anup Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts. WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area
(1) Ground floor : 15859 sq. ft.
Upper Story : 2000 sq. ft.
(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range.
Kanpur.

Date : 30-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/173/M Nagar/74-75/1849.—
Whereas, I. Y. Khokhar,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muzaffarnagar on 26-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) L. Govind Swarup s/o L. Brahm Swarup, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyarc Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

(1) Ground floor: 15859 sq. ft.

Upper Story: 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 19-9-1974.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq/187/M. Nagar/74-75.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 20-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhat Kumar Swarup Rambagh, Muzaffarnagar. (Transferor)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram (Transferee)
1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chamanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar.

Tenants of Sukhbir Sinha Park 9 Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
 Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
 Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
 Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
 Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
 Shri Brahma Swarup (Individual)
 Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
 Shri Govind Swarup (Individual)
 Shri Hari Raj Swarup (Individual)
 Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
 Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9 Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds. Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Dist. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
- (1) Ground floor : 15859 sq. ft.
- Upper Story : 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-Tax, Acquisition Range,
 Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Narayan Prosad Goenka, Karta of H.U.F.
of 18, Belvedere Rd, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Leo Investment Co. Ltd. 9, Brabourne Rd.,
Calcutta-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. AC-210/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62-B, situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The entire property at premises No. 62-B, Netaji Subhas
Road, Calcutta, with land measuring 6 K 0 Ch. 30 sq. ft. and
a 4-storied brick building.S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
(3rd Floor), RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th April 1975

Rel. No. 245/Acq.R-III/75-76.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47/C/, situated at Moore Avenue, Calcutta-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Alipore Sadar, 24-Pgs. on 27-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Archana Basu
114/K/2, Selimpore Road, Calcutta-31.
(Transferor)
- (2) Smt. Bani Bhattacharjee
47B, Moore Avenue, Calcutta-40.
(Transferee)
- *(3) Sri T. K. Sen,
47/C/1, Moore Avenue, Calcutta-40.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in all that piece and parcel of land measuring 3 K 9 Ch 25 Sq. ft. and the two storied building standing thereon situated at 47/C/1, Moore Avenue, P. S. Jadavpur, Calcutta-40 as per deed No. 4721 of 1974 registered before the Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta-16.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 14th April 1975

Ref. No AR-II/1059/2747/75-76.—Whereas, I, R. G. NERURKAR, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 409, Plot No. 54, situated at Santa Cruz, Village Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-8-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala, widow of Dev Dutta Vasudeva & Ors. (Transferor)
- (2) Umag Co-operative Housing Society Limited. (Transferee)
- (3) Members of the above Society, [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant piece of land or ground comprised in the Guzdar's Private Scheme sanctioned by Government, situate, lying and being on the Eastern side of 40 feet wide 16th Road (being the fourth road after the Linking Road) at Santa Cruz, Village Danda in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District in the registration Sub-District of Bandra within Greater Bombay and now in the registration District and Sub District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 999.13 square metres equivalent to 1195 square yards or thereabouts on actual admeasurement found to admeasure 995.79 square metres and being Plot No. 54 of the said Guzdar's Private Scheme shown in the Books of the Collector of Bombay Suburban District and bearing Survey No. 409 part and which said land hereditaments and premises bounded as follows :—that is to say. On or towards the EAST by Plot No. 45 of the said Scheme on or towards the WEST by the said 40 feet wide 16th Road and beyond that by Rotary Club Recreation Ground on or towards the NORTH by the land formerly belonging to Bai Aimai Cooverji Guzdar and now by the property known as 'Prabhu Kunj' and On or towards the SOUTH by Plot No. 53 of the said Scheme belonging to H.P. Sonawala.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 14-4-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A house with land on plot No. 48/1 of Nazul Sheet No. 7, Tilak nagar, Bilaspur situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bilaspur on 23-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kamla Balharia W/o Shri Manohar Singh Chemist R/o Bharat Aluminium Co. BALCO, Korba Teh. Katghora Distt. Bilaspur.

(Transferor)

- (2) Smt. Yogyavati Devi, Wd/o Diwan Rudra Pratap-singh Tomar Kshatriya R/o Tilak Nagar, Bilaspur through Kumar Jyoti Bhusan Pratap Singh R/o Tilak Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house with land on plot No. 48/1 of Nazul Sheet No. 7. Tilak Nagar, Bilaspur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2nd and 3rd storey house on Block No. 48 at Kasba Ward No. 1 situated at Mandaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely :—

22---56GI/75

- (1) Shri Krishnagopal S/o Shri Nandlalji Agar, R/o Village Manasa. 2. Smt. Kesarbai W/o late Shri Nandlalji Agar, R/o Village Manasa, Pargana Manasa, Distt. Mandaur.

(Transferor)

- (2) Smt. Gaitribai W/o Shri Hargovindji Rathi R/o Village Manasa, Ward No. 1, Block No. 48, Pargana Manasa, Distt. Mandaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd and 3rd storeyes of house on Block No. 48 at Kasba Ward No. 1, Manasa, Distt. Mandaur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal;

FORM ITNS—

(1) M/s. Bombay Radio Electric Co., 2 Jail Road,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Sujansingh S/o Jagatsingh, 19, Palsikar
Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 19, Palsikar Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 9-8-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 19, Palsikar Colony, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Melaram S/o Shri Karamchandji R/o 54-B,
Premnagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Shri Ajitsingh S/o Shri Derusinghji R/o 18-B,
Premnagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at plot No. 54, Block No. 8, Prem Nagar, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 20-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 54, Block No. 8 Prem Nagar, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACA/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4/605 at Gopal Mandhir Marg, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ujjain on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely :—

- (1) Shri Inayat Hussain Mohd. Hussain, Sandal Wala, Pandit Ramprasad, Bhargava Road, Ujjain.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Rameshchandra, 2. Shri Ganeshchandra, 3. Gopalkrishna S/o Shri Shivrarnainji, 4. Gopal S/o Shri Shivrarnainji (Minor) through Guardian Shri Shivrarnainji Gopal Mandhir Marg, Ujjain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/605 at Gopal Mandhir Marg, Ujjain.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land of 1.35 acres at Village Katulbod, Teh. & Distt., Durg, situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Durg on 5-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely :—

- (1) Shri Nammu S/o Bilwa Satnami, 2. Smt. Hirabai Wd/o Samaru Satnami, both R/o Vill. Katulbod Teh. & Distt. Durg.

(Transferor)

- (2) Shri Shivraj S/o Maniklal Jain Chopda, R/o Motilal Nehru Nagar, Bhillai Nagar, Durg, Teh. & Distt. Durg.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 1.35 acres at Village Katulbod, Teh. & Distt. Durg.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS-----

(2) Shri Hari Babu Shivhare S/o Shri Mani Ram
Shivhare R/o Dabra, Distt. Gwalior.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2/833 at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gwalior on 20-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Dr. Narayan Krishan Gupta, 2, Shri Subash Gupta, 3, Smt. Sindhu Gupta, 4, Shri Satish Gupta, Shri Pavan Kumar Gupta, Shri Pramod Kumar Gupta C/o Dr. Narayan Krishan Gupta, WZ/142 Mahavir Nagar, New Delhi-18.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2/833 at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Narayan Kumar Shihare S/o Shri Mani Ram Shihare R/o Dabra Distt. Gwalior.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2/833 at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gwalior on 21-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely:—

- (1) 1. Dr. Narayan Krishan Gupta S/o Shri Sita Ram Gupta, 2. Shri Subhash Gupta, 3. Smt. Sindhu Gupta W/o Dr. Narayan Krishan Gupta, 4. Shri Satish Gupta, 5. Shri Pawan Kumar Gupta, 6. Shri Prasad Kumar Gupta, all sons of Dr. Narayan Krishan Gupta, R/o WZ/142 Mahavir Nagar, New Delhi-18,
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2/833 at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jayantilal S/o Jagmal Rathore, R/o Near
Vijaya Soap Works, Fafadih Chouk, Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot measuring 3000 sq. ft. situated at Subbarao Fafadih Chouk, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 14-8-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Navalshankar S/o Jaikrishna Dave, Modha Para, 2, Shri Kantilal S/o Rudhabhai Savariya, Naharpara of Raipur.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3000 sq. ft. situated at Subbarao Fafadih Chouk, Raipur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975,
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Dhirajlal S/o Jagmal Rathore R/o Near Dr. Subbarao's Hospital, Fafadih Chouk, Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a plot near the hospital of Dr. Subbarao, Fafadih Chouk, Raipur area 3600 sq. ft. situated at Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 14-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Navalshankar S/o Jaikrishna Dave, Modha Para, 2. Shri Kantilal S/o Rudhabhai Savariya, Maharpura of Raipur.

(Transferor)

THE SCHEDULE

A plot near the hospital of Dr. Subbarao, Fafadih Chouk, Raipur area 3600 sq. ft.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 14th April 1975

Notice No. 74/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 4 and A.R. No. 2036 situated at Hassan Town (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan under Document No. 3344 on 22-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the Parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri K. R. S. Iyengar, S/o Shri Kambam Ramanuja Iyengar, Lakshmi Nilayam, No. 2/1, Upper Pipe Line Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

2. Shri K. R. Lakshminarasimha Iyengar, S/o Shri Kambam Ramanuja Iyengar, "B" Street Seshadripuram, Bangalore-20.

3. Shri K. R. Ramaswamy Iyengar, S/o Shri Kambam Ramanuja Iyengar, Lakshmi Nilayam, No. 2/1, Upper Pipe Line Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

4. Shri H. R. Krishnaswamy, S/o Shri Kambam Ramanuja Iyengar, 5th Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

5. Shri K. R. Chokkanna, S/o Shri Kambam Ramanuja Iyengar, Post-Master, "B", Street, Bangalore-20.

(Transferors)

- (2) Messrs Sri Lakshmi Prasanna Trading Company, Subhas Square, Hassan, represented by its partner, Shri H. G. Balakrishna S/o H. K. Gopal Setty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal Site situate at Northern Extension, Hassan Town bearing Khata No. 4 and A. R. No. 2036 and Bounded.
On the East: By House and Site of S. L. Malarkar;
On the West: By the Municipal Road;
On the North: By R. S. Venkataramaiah's House and
On the South: By Municipal Road and Site.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Dharwar.

Date: 14-4-1975.
Seal:

FORM ITNS ———

(3) The Bank of India.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ,

'ACQUISITION RANGE-I,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY.

Bombay-20, the 15th April 1975

Ref. No. ARI/926-35/Aug. 74.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, Bombay being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 2/669 of Malabar & Cumbala Hill Division situated at Altamount Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 13-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Abhay Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar H. Pandit & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of redeemed pension and tax tenure with the messuages, tenement and building standing thereon situate at Altamount Road in Bombay in the Registration Sub District and District of Bombay City and Bombay Suburban and containing by admeasurement 706 sq. yards or thereabouts equivalent to 590-30 square metres and registered in the books of the Collectors of Land Revenue under collectorates old No. 61 New Nos. 555, 620 & 623, Old Survey No. 81. New Survey Nos. 7123 and 1/7123 and Cadastral Survey No. 2/669 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under "D" Ward No. 3446(3) Street No. 2C, Altamount Road and which said property when vacant land is shown surrounded in red coloured boundary lines on the plan annexed to the Deed of Conveyance dated 15-6-1972 in favour of the Vendors and indicated thereon as "Plot No. 5".

R. G. NERURKAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Bombay

Date : 15th April, 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 11th April 1975

Ref. No. 246/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 47/C/1, situated at Moore Avenue, Calcutta-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar, 24-Pgs. on 27-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Bani Bhattacharyya,
47B, Moore Avenue, Calcutta-40.

(Transferee)

- (3) Sri T. K. Sen,
47/C/1, Moore Avenue, Calcutta-40.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share in all that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 9 chittacks 25 sq. ft. and two-storied building standing thereon situated at 47/C/1, Moore Avenue, Calcutta-40 P.S. Jadavpur as per deed No. 4722 of 1974 registered before the Sub-Registrar of Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta-16

- (1) Smt. Santana Roy,
114/K/2, Selimpore Road, Calcutta-31.
(Transferor)

Date : 11-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. XII/18/7A to 7Q/1974-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern 2.17 acres situated at S. No. 1711, Milavittan village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tuticorin on August 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dhandapani & Co.
63A, Mal Vadampokki St., Madurai.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. Karthikeyan
- 2. Smt. K. Vasanthakumari,
- 3. Shri R. Rajeswara Pandian,
- 4. Smt. K. Sivamani,
- 5. Shri A. Duraisamy.
- 6. Shri M. G. Sundarapandian,
- 7. Shri M. G. Selvapandian,
- 8. Smt. Jayavathi Solomon,
- 9. Shri M. Selvaraj,
- 10. Shri D. Jayapaul,
- 11. Shri Chelliah,
- 12. Shri Natarajan,
- 13. Shri Venkataraman,
- 14. Shri M. Sivalingam,
- 15. Smt. Parvathy & Shri N. Jayaraman, Tuticorin.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.17 acres bearing Survey No. 1711 at Milavittan village, Tuticorin.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9-4-1975
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Kandappa Gounder,
Sowthapuram P.O.
Tiruchengode Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. XVI/24/9A/1974-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4, Pallipalayam Agraharam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kumarapalyam on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) G. Poongavanam,
247, Valayakkara St., Erode-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.41 acres in New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4 situated at Pallipalayam village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9-4-1975
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Muniappa Gounder,
Kadathukaran Thottam,
Pallipalayam Agraharam P.O.
(via) Erode S.R.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 9th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. XVI/24/9B/1974-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN
being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

New S. Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4, Pallipalayam
situated at Agraharam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering officer at Kumarapalayam on August 1974 for an
apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the li-
ability of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act
to the following persons, namely :—

(1) S. Poongavanam,
247, Valayakkara St., Erode.

(Transferor)

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.41 acres in
New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4 situ-
ated at Pallipalayam Agraharam village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9-4-1975

Seal .

FORM ITNS

(2) Shri Athappa Gounder,
Kadathukaran Thottam,
Pallipalayam Agraharam P.O.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. XVI/24/10A/74-75.—Whereas, J. K. V. RAJAN being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4, Pallipalayam Agraharam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kumarapalayam on August, 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. K. Mynavathi,
93, Thirunagar Colony,
Erode-3.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.41 acres in New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4 situated at Pallipalayam Agraharam village.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 9-4-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. XVI/24/10B/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4, situated at Pallipalayam Agraharam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam on August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Mynavathi,
D/o V.S. Krishna Mudaliar,
93, Thirunagar Colony, Erode-3. (Transferor)
- (2) Shri Palani Gounder,
Kadathukaran Thottam,
Pallipalayam Agraharam P.O.
(via) Erode S.R. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.41 acres in New Survey Nos. 58/1, 2, 3 & 4 and 81/1, 2, 3 & 4 situated at Pallipalayam Agraharam village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9-4-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. D. Devaki Ammal,
M/s. D. Jayarama Naidu and
D. Suresh Kumar,
No. 18, Palliappan St., Madras-1.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. IX/3/55/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

401-H situated at Poonamallee High Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

JSR. II, Madras on 31-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. Munirathnam Naidu,
D. V. Krishnamurthy,
D. Govindarajulu and
D. Sripathi,
401-H, Poonamallee High Road,
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 3.13 grounds situated at Door No. 401-H, Poonamallee High Road, Madras-10.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri P.O. Philip,
Pandampurath Municipal Ward,
Alleppey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madrass-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. VIII/17/15B/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. 3051 situated at Ponmanai village, Kalkulam taluk, Kanyakumari Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagercoil on 14-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Subramania Pillai,
S/o Shri Kolappa Pillai,
Thycaud, Trivandrum.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 21 acres in Survey No. 3051 in Ponmanai village, Kalkulam Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madrass-6.

Date : 9-4-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th April 1975

Ref. No. F. VIII/17/15A/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3051 situated at Ponmanai village, Kalkulam taluk, Kanyakumari Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagercoil on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Subramania Pillai,
S/o Shri Kolappa Pillai,
Visalamandram,
Thycaud, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri Sivasankaran Nair,
Kakuzham, Ambalapuzha,
Alleppey, Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Agricultural lands measuring 21 acres in Survey No. 3051 in Ponmanai village, Kalkulam Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th April 1975

Ref. No. RAC. No. 5/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/397 situated at Tirumala, Tirupathi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathi on 28-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Maddela Srinivasulu,
2. M. Divakar,
3. Koteswar,
4. Venkateswar,
5. Prasad,
6. Shymala,

7. Sarala,
All minors except No. 2 guardian, Mother
Smt. Udayagiri Sai Prabha,
R o Jaganathapuram, Tirupathi.

(Transferor)

- (2) Sri Paruchuru Ramaiah, and wife Smt. Mirmala,
T/o Tirumala, Tirupathi,
Chittoor Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Ward No. 10 Door No. 397 at Doddapuram Street, Jaganathapuram, Tirupathi, Chittoor Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-4-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri M. Meyyappan,
36, Meyyappan Ambalam Street,
New Town, Karaikudi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 8th April 1975

Ref. No. F.1306/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Venkatasami Pillai Street, Santhome, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Mylapore, Madras (Doc. No. 1396/74) on 19-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Ground and 975 Sft. (with building) (R.S. No. 2561/2) situated at No. 11, Venkataswami Pillai Street, Santhome, Madras.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. R. Srinivasan,
11, Venkatasami Pillai St.,
Santhome, Madras.

(Transferor)

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 8-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(2) Sri Ram Mohan Reddy, S/o Sri Krishna Reddy, residing at Mahdapur Village, Timmapur Post Ibrahimpatnam Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th April 1975

Ref. No. RAC, No. 2/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion 3-4-809/1 situated at Barakatpura Hyderabad (and more fully described in

Registering Authority, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Harihar S/o Sri Babu Rao, H. No. 3-4-809/1 Barakatpura, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 3-4-809/1 consisting of two blocks, ground floor and 1st floor at Barakatpura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-4-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(2) Sri Pachipulusu Akkulappa, Kadiri, Ananthapur Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th April 1975

Ref. No. RAC. No. 1/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/38 situated at M.G. Bazar, Kadiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadiri on 5-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Yadalam Narsimhaiah, 2. Sri Y. Aswarthanarayan Setty, 3. Sri Y. Chandrasekhar, all three residing at Kadiri, Ananthapur, Dist.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Old Ward No. 4 Old Door No. 5-B, and New Ward No. 6, New Door No. 38, at M.G. Bazar, Kadiri, Tq. Ananthapur Dist.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th April 1975

Ref. No. Acq. 23-I-459(163)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 4463 Municipal Census No. 2021 situated at Kalupur Ward-I, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Labhkunvar wd/of Prajaram Vithalji Plot No. 7, Jagnath Road, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Manharlal Parikh, 4-B, Jal Vihar Society, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

- (3) M/s. R. Ochhavlal & Co. Kalupur Ward-I, Khadia Charasta, near Brahmpuri, Ahmedabad. bad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 476 sq. yds. bearing S. No. 4463, Municipal Census No. 2021 of Kalupur Ward-I, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-4-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd April 1975

Ref. No. Acq. 23-J-458(162)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 106-1, Plot No. 30, situated at Achier, Ahmedabad

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 9-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhavandas Ghanshamdas, Satyanarayan Society, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Dineshkumar Khemchand, through Guardian Shri Khemchand Padmaji Shah.
2. Shri Uttamchand Mammal Shah, 1086, 'Bhagwan Bhuvan', Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 888 sq. yds. bearing Survey No. 106-1, Plot No. 30, and situated in Satyanarayan Society, Achier, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-4-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Smt. Chaturi Mangharam Mahtaney & Mangharam Lukumal Mahtaney.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 3rd April 1975

Ref. No. AR. V/153/4/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 118, Old Survey No. 4, H. No. 1(Pt.) situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 8-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Shirnbai Minoo Kalapesi & Ors.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being in the village of Maravali in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban containing by admeasurement 5100 sq. yds. equivalent to 4264 sq. metres or thereabouts and registered in the land Records in the Sheet No. 28, 29 City Survey No. 118 which includes the encroachments bearing C.T.S. Nos. 118/1m, 118/2, 118/3 and 118/4 (old survey No. 4, Hissa No. 1 (part) and bounded as follows :—that is to say on or towards the East by Ghatkopar Mahul Road on or towards the West by the property of the vendors bearing survey No. 35 Hissa No. 7 on or towards the North by Survey No. 4 Hissa No. 9 and on or towards the South by Survey No. 24 Hissa No. 1 belonging to Mr. M. L. Mahatany and another.

J. M. MEHRA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 3-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (2) Shri Lachmi Narain s/o Shri Gokal Chand Nagpal, Cooper Road, Amritsar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

- (3) M/s. Beri & Co., Gurdas Ram, M/s. Pappu Wool, M/s. Gem Workshop Cooper Road, Amritsar.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 26th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/AP-1641/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 195/XIII-2 MCA, situated at Cooper Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sharda Wig w/o Shri Surinder Kumar Wig, Cooper Road, Amritsar.
(Transferor)

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1677 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/AP-1656/74-75.—Whereas, I K. V. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ¼ of Kothi No. 52, situated at Model Town, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer at Amritsar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Dev Narain Kapoor, s/o Shri Khushal Chand, 52 Model Town, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Bhatia Principal Tagore College, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothi No. 52 Model Town, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1978 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/AP-1657/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 Kothi No. 52, situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Narain s/o Shri Khushal Chand Kapoor, 52 Model Town, Amritsar.
(Transferor)

- (2) Shri Manohar Lal Bhatia Principal Tagore College, Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothi No. 52 Model Town, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1979 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Manohar Lal Bhatia Principal Tagore College, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/AP-1658/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ¼ Kothi No. 52, situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Amritsar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tej Narain Kapoor s/o Shri Khushal Chand Kapoor, 52 Model Town, Amritsar.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Kothi No. 52 Model Town, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1980 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/AP-1659/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ¼ Kothi No. 52, situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Amritsar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Barham Dev Kapoor s/o Shri Suraj Narain Kapoor Smt. Vimla Kapoor w/o Shri Suraj Narain Kapoor, 52, Model Town, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Bhatia, Principal, Tagore College, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Kothi No. 52 Model Town, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1981 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1660/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Chachoki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chanan Ram s/o Mela Ram r/o Chachoki.
(Transferor)

- (2) Shri Amar Singh s/o Ram Ditta r/o Phagwara.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (2) Shri Hyder Khan, S/o Hussain Khan, 13, Hamza Saheb Street, Dodmavalli, Bangalore-4, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1081 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara. Date : 26-3-75.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1661/74-75.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in August 1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Nihal Singh GA of Gian Kaur, Sarwan Kaur, Pavitter Kaur. Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Jaswinder Singh s/o Lamber Singh Balwinder Singh s/o Lamber Singh r/o V. Kukar Pind Gurdip Singh s/o Udham Singh r/o Khan Khaanan Teh. Nawan Shehar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1074 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1662/74-75.—Whereas, I V.
R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Serai Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram s/o Telu Ram c/o National Foundry, G.T. Road, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shrimati Bimla Devi w/o Shri Kewal Kishan, s/o Shri Lachhman Dass s/o Kesar Mal r/o Phagwara. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the registered Deed No. 1067 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1663/74-75.—Where, I V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Serai Road Phagwara, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phagwara in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Ram s/o Shri Telu Ram c/o National Foundry, G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal s/o Karam Chand r/o Phagwara.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1066 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1664/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Serai Road Phagwara, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Phagwara in August 1974

1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram s/o Shri Telu Ram c/o National Foundry, G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Amar Kaur w/o Nanak Chand s/o Jiwan Dass r/o Phagwara.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1065 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Banke Behari s/o Shri Bhagat Ram
Khatri Jolanta, Phagwara.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1665/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ramgaria Educational Council through
Shri Mela Singh Bhogal President, Phagwara
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.
(Transferee)
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No.
1137 of August, 1974 of the Registering Authority,
Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 26-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Asha Rani w/o Radha Raman s/o Banke Behari r/o Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 26th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ASR/Phg/AP-1666/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at G.T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No 1138 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ramgaria Educational Council through Shri Mela Singh Bhogal President, Phagwara.
(Transferor)V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.Date : 26-3-1975.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1667/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Greater Kailash New Delhi & Chachoki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Malkiat Singh s/o Shri Mehanga Singh caste Jat r/o V. Khera near Phagwara.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Chander s/o Shri Basant Lal s/o Kuljudh Rai, Lal Quarter, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Plot No. M/5 Greater Kailash, New Delhi I Marla at V. Chachoki as mentioned in the Registered Deed No. 1129 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-1975.

Seal :

FORM ITNS---

(1) Shri Malkiat Singh s/o Shri Mohanga Singh
caste Jat r/o V. Khera near Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Naresh, Anesh Khater ss/o Shri Roshan
Ial r/o Friends Colony, New Delhi.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1668/71-75 --Whereas, I, V.
R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Greater Kailash, New Delhi & V.
Chachoki

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Phagwara in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

1/4th of Plot No. M/5 Greater Kailash, New Delhi
I Marla at V. Chachoki as mentioned in the Registered
Deed No. 1128 of August, 1974 of the Registering
Authority, Phagwara,

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely : --

72-56G1/75

Date : 26-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1669/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ Plot No. 18-B, situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh s/o Shri Pal Singh r/o Birk Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Banta Singh s/o Gainda Singh r/o Lakhpur Teh, Nawan Shehar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ of plot No. 18-B Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1102 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Nirankari Financiers & Chit Fund, Br. Chowk
Baba Bhoji Wala, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ret. No. ASR/AP-1670/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Shop No. 173-A/13, situated at Shareefpura, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Amritsar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Malik Singh & Jaswant Singh ss/o Shri Amar Singh Tehsilpura, Amritsar.
(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Shop No. 173-A/13, Shareefpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1862 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 26-3-1975.

Seal :

Form I.T.N S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/MNS/AP-1673/74-75.—Whereas, I,
V. R. Sagar
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. Plots of land, situated at Mansa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regist-
ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Mansa in August 1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Ramji Dass s/o Nohar Chand c/o M/s.
Goyal Machinery Store, Mansa,
(Transferor)

- (2) Shrimati Moorti Devi w/o Shri Baru Mal, Shri
Nand Ram s/o Shri Nathu Ram, V. Ralla c/o
Vijay Parkash Roshan Lal, Mandi Mansa.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots of land as mentioned in the Registered Deeds
Nos. 3095 & 3096 of August, 1974 of the Registered
Authority, Mansa,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-1975

Seal :

Form I.T.N.S.

(1) Shri Dhamanjit Singh s/o Shri Raj Kumar
Shri Ajit Singh r/o Sunra Rajputan Teh. Phagwara,
District Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Piara Lal s/o Faqir Chand r/o Samrai Teh.
Phillaur District Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Amritsar, the 26th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. ASR/Phg/AP-1674/74-75.—Whereas, J. V.
R. Sagar

being the Competent Authority under section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1967 (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at V. Sunra Rajputan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Phagwara in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the par-
ties has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1068
of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 26-3-1975.

Seal :

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 26th March 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1675/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Sunra Rajputan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhamanjit Singh s/o Shri Raj Kumar Ajit Singh r/o Sunra Rajputan Teh. Phagwara, District Kapurthala.

(Transferor)

(2) Smt. Preeto w/o Shri Piara Lal s/o Faqir Chand V. Samrai Teh. Phillaur District Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1047 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 26-3-1975.

Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Sri Makhan Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mustafa Raza Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undermentioned :—

Lucknow, the 24th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

ef. No. 40-A/Acq.—Whereas I Bishambhar Nath
being the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. W.D.—17 situated at Civil Line Bareilly
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Bareilly on 22-8-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house measuring 1500 Sq. Yds. situated at Civil
Line Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 24-3-75.

Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Shri Devkumar Gopaldas & Smt Sampat
Kumar Satyapal Singh Thakur &ors.
(Transferor)(2) Narendra Singh Hargopal Singh and ors.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE ROAD,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 31st March 1975

Ref. No. AR. V/161/12/74-75 & AR. V/177/6/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Khot S. No. 31, Part & 19 part New S. No. 195 part, C.T.S. No. 403/8 situated at Kanjur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bombay on 14-8-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land and premises lying and being in the Village of Kanpur (forming part of the Bhandup Khoti Estate) formerly of Taluka Thana, District but now within Greater Bombay Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban admeasuring 2370 sq. yds, equivalent to 1931.64 sq. metres or thereabouts bearing old Khot Survey No. 31, Part and 19 Part, New Survey No. 195 Part C.T.S. No. 403/8 and bounded as follows: i.e. on or towards the East by lands bearing C.T.S. No. 400 and 395 on or towards the West by lands bearing C.T.S. No. 374 on or towards the North by lands bearing C.T.S. No. 403 part and on or towards the South by the property claimed by the Estate Holders of Bhandup States.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay,

Date : 31-3-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Radha Raman Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jai Jai Ram & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 24th March 1975

Ref. No. 18-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 129 situated at Civil Line Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Bareilly on 28-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A portion of House No. 129 measuring 8585 Sqr yards situated at Civil Line Bareilly.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st April 1975

Ref No. IAC/Acq.II/821/74-75/5—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5183-87 situated at Bazar Ballimaran, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Sh. Lal Chand 2. Sh. Teku Mal 3. Sh. Govind Ram all sons of Sh. Nather Mal, r/o 1075, Farash Khana, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Yash Pal Dargan, s/o Shri Chetan Dass Dargan r/o 12-B, Rajindra Park, New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Sh. Ram Chand, 5183, Bazar Ballimaran, Chandani Chowk, Delhi.
2. Sh. Virendra Kumar, 5184, Bazar Ballimaran, Ch. Chowk, Delhi.
3. Sh. Mohd. Suleman, 5185, Bazar Ballimaran, Ch. Chowk, Delhi.
4. Sh. Mohd. Yusb, 5186-87 Bazar Ballimaran, Ch. Chowk, Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor (upto 10 ft) consisting of 5 shops of property in Ward No. VI at No. 5183—87, Bazar Ballimaran, Chandni Chowk, Delhi together with all rights, title and interest fixtures, fittings in the said property.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 1-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1975

Ref No. IAC/Acq.II/817/74-75/5—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 710-11 situated at Katra Bhangi Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-9-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devendra Singh s/o
Shri Kuldeep Singh &
Smt. Kaushalya Devi, w/o Sh. Kuldeep Singh
r/o 18, Darya Ganj, Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Sukhvir Saran Aggarwal,
s/o Sh. Hari Ram
r/o 2003, Katra Lachhu Singh, Fountain,
Chandani Chowk, Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Ramji Dass Darshan Lal
2. Sh. Amar Singh
3. Sh. Khaliq
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building consisting of shops on ground floor and balakhana on first floor situated at No. 710-711, Katra Bhangi, Nai Sarak, Delhi on area measuring 63 sq. yds and bounded as under :—

East: Gali & Katra Chhatri Smt. Sardar Jain
West: Property No. 712 Laxmi Narain Charitable Trust
South: Property of Sardar Jain, Katra Bhangi
North: Gate of Shops & Katra Bhangi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 18-3-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri K. S. Mohana Vadivel & 2 others,
132, Sengaluneer Pilliar Koil Street,
Madras-1

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. V. Nataraja Chetty,
Perumudi Vakkam Village,
Vengal (vis), Chingleput Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. F.IX/3/59/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 132 situated at Chengaluneer Pilliar Koil Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 1 ground and 874 sq. ft. and building at No. 132, Chengaluneer Pilliar Koil Street, Madras-1.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Sundaresa Iyer,
S/o Shri K. R. Subramania Iyer,
Mudikondan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) 1. Shri P. M. Abdul Waheed, S/o Shri P. Moha-
med Hanceba, Vowvaladi, Nannilam Taluk; &
2. Shri A. Mohamed Esuff, S/o Shri Abdul Latif,
Adalayur, Nannilam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Madrass-6, the 29th March 1975

Ref No. F.3176/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at 66, Channanallur Vattam (R.S.No. 46-2, 47-17, 47-19, 47-20 & 47-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nannilam (Doc. No. 1545/74) on 29-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2.03 acres (with buildings & machinery, etc.) and bearing R.S.Nos. 46-2; 47-17, 47-19; 47-20; and 47-21 situated at 66, Channanallur vattam, Nannilam Taluk, Tanjore District.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-3-75

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s National Plating Rectifier (Prop. Sh. Mohd. Ishaq s/o Sh. Mohd. Ibrahim) resident of 2616 Baradari Sher Afghan, Ballimaran, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/815/74-75/12037.—Whereas, I, C. V. Gupte being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5956 to 5958 situated at Gali Babu Khan, Ballimaran, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdul Wahid Khan for self & as attorney of Abdul Shahid Khan, Mst. Aziz Fatima, Mst. Tasmia Begum & Mst. Nighat Parveen, r/o 1386, Kalan Mahal, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in property No; 5956-58 Gali Babu Khan, Ballimaran, Delhi on area measuring 250 sq. yds.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 18-3-1975

Seal :

Form I.T.N.S.—

(2) M/s Aqbal Stores (Prop. Sh. Zahoor Ahmed s/o Sh. Noor Ahmed.
r/o 2616, Baradari Sher Afgan, Ballimaran, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/816/74-75/12037.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5956 to 5958 situated at Gali Babbu Khan, Ballimaran, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 30-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdul Wahid Khan for self & as attorney of Abdul Shahid Khan, Mst. Aziz Fatima, Mst. Tasnim Begam & Mst. Nigat Parveen, r/o 1386, Kalan Mahal, Delhi.
(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in property No. 5956-58 Gali Babbu Khan, Ballimaran, Delhi on area measuring 250 sq. yds.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 18-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri R. Venkat Reddy, S/o Sri B. Ram Reddy,
H. No. 18-4-297, Aliabad, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th March 1975

Ref. No. RAC.No. 144/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-424 situated at Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Hanumara Sivarama Krishna, R/o V. Peyyeru, Gudivada Tq. Krishna Dist. G.P.A. Sri T. K. Viswanatham, Advocate, R/o White house Road, Lallaguda, post Secunderabad-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Building No. 5-4-424, Station Road, Nampally, Hyderabad.
Area : 148 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. S. Radha, R/o 3-6-145/3/A, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 147/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-145/3/A, situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. A. Ratna Bai, R/o Varsikond Village, Metpalli, Tq. Karimnagar Dist.

(Transferor)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Double storied house bearing MCH. No. 3-6-145/3/A, situated at Himayatnagar, Hyderabad.

Area : 144 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-3-1975

Seal :

FORM ITNS-----

(2) Sri Mohd. Khaja Moinuddin, S/o Late Shaik Mahaboob, H. No. 11-2-555/2 Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th March 1975

Ref. No. RAC. No. 146/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-2-555/2/A situated at Agapura, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 19-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Sri Sahabzada Mir Ahmed Ali Khan, H. No. 11-2-555/2 Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 11-2-555/2/A at Agapura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-3-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 156/No. (125 KR)/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. 11-25-65 situated at Main Road Vijayawada,
(and more fully described in
the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 31-8-1974
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
said Act in respect of any income arising from the
transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Manikonda Prapulla Chandirao, Main Bazar,
Vijayawada.
(Transferor)

(2) Shri Sri Marum Siva Ramakoti, Vijayawada and
Chaluvadi Satyanarayana, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada
Municipality Vijayawada Town—Main Bazar—Municipal
Ward No. 10—Revenue ward No. 5—Block No. 6—N.T.S.
No. 6833—Door No. 11-25-65.

BOUNDARIES

East : Municipal Road named as Challam Rajn Street.
South : Joint Compound wall of the same property and
Manikonda Kasiviswanatham.
West : Main Road.
North : Wall of the property and the property of Sri B. V.
Kameswararao within these boundaries site measured 400
Sq. Yds. storied building therein.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 26-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 171/J. No. I(95)/VPS/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Asst. No. 1; Door No. 1 situated at Anganapudi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapally on 15-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. S. Ramanarasimham S/o Boda Venkataratnam, Prop. M/o Boda Venkataratnam Tapeswaram.

(Transferor)

- (2) N. Surendra Babu, Managing Partner M/s Srinivasa Metal Co., Anganapudi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Anakapally Taluk—Anakapally Sub-Registrar Anganapudi village—Asst. No. I—Door No. 1—Shed with machinery including electrical fittings and site.

BOUNDARIES

East : Compound wall of this property and Avala Yerravanipalem village houses etc.
South : Property of Galla Chellaiah.
North : Pingali Venkataratnam's property and compound wall of this property.
West : Road.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Bonam Subbarao, S/o Kanakayya, Kunavaram, Razole Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th March 1975

Ref. No. J. No. (307)EGO/74-75/Acq. File No. 165.—
Whereas, I. K. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. 97-17 situated at Gopalapuram Panchyat
Gopalapuram, (and more fully described in the Schedule
annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the registering officer at
Kothapeta on 31-8-1974
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid, exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen percent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Marreddi Laxmana Rao, General Power of
Attorney and Partner of M/s Sri Laxmi Ganapati
Rice Mill, Gopalapuram.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District—Kothapeta Taluk—Kothapeta Sub-
Registrar Gopalapuram Panchyat—Gopalapuram village—
Zirayati—Dry land S. No. 97-17 Ac. 1.43 cents.

BOUNDARIES

East : 114 Links—Canal bund.
South : 100 links—Tank bund.
West : 100 links Land of Tetali Challayamma.
North : 85 links land of Shaba Saheb.
Boundaries to 2nd item :
East : 318 links—T. Chelayamma's land.
South : 968 links Tank Bund.
West : 316 Links Shaba Saheb's land.
North : 425 Links—T. Chellayamma's land, In between
this 0.30 cents lands with Rice Mill, Shed, Buildings etc.

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madugula Apparao, Owner of M/s Sri Krishna Vijaya Oil Mills, Ponduru.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Abdullah Hazi Shakoor, S/o Late Hazi Shakoor, 2. Iqbal Hazi Abdullah S/o Abdullah Farooq Hazi Abdullah S/o Abdullah partners of M/s Hazi Shakoor Hazi Jamal Noor Mohammed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 166 J. No. I(18)/SKM/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 1-21, Hospital Road, Asst. No. 163 situated at Ponduru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ponduru on 31-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Srikakulam District—Ponduru Sub-Registrar—Ponduru Village Ponduru Panchyat—Hospital Road—Western Side—Panchyat Asst. No. 163—Door No. 1-21—M/s Sri Krishna Vijaya Oil Mills.

BOUNDRIES

East : Part of site of this property and Panchyat Road,
South : Part of residential House and Part of site and lands of Sri G. Vishnu Murthy.
lands of Sri G. Vishnu Murthy.
North : Compound wall of Mill premises and site of Sri Krishna vijaya oil mills.

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jangala Parduranga Rao and Jangala Haranadha Babu, Masulipatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 167 J No. I(199)/74-75 —
Whereas, I, K. Subbarao,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. 11/526, situated at Robertsonpetta Masulipatnam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Masulipatnam on 15-8-74,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Masulipatnam Sub-Registrar—Masulipat-
nam Municipality—Masulipatnam town—Robertsonpetta—
Municipal Old ward No. 14/165 and New ward No. 11/526
—Laxmi Nivas with 5685 Sq. Ft.

Boundaries

East : Kopparti Punnayya's Compound wall.
South : Gajjala Ganga Raju's Site
West : Building known as Atreya Building.
North : Contonment Road.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

(1) Shri Kancherla Vijaya Kumar (2) Kancheela
Narendra Kumar, (3) Kancherla Kishore Kumar,
(4) Kancherla Udaya Kumar being minor by guardian
brother K. Vijaya Kumar, (5) K. Sharada and (6)
K. I. Sukumari Visakhapatnam.

(Transferor)

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-4-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th March 1975

Ref. No. RAC. No. 143/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-413 to 415 situated at Nampally, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. N. Vijayalakshmi, W/o Sri P. N. Seshu Babu, H. No. 1-295 Uppal Road, Tarnaka, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Ramchander Pershad, H. No. 23-4-446, 2. Sri Raghunandan, H. No. 23-3-497, 3. Sri Devaki Nandan Tiwari, H. No. 23-3-497 4. Sri Hahaveer Pershad H. No. 23-3-497 All are residing at Sultan Shāhi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-4-413 to 415 at Station Road, Nampally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Himansu Vrajlal Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Bombay-20, the 25th March 1975

Ref. No. AR.V/160/74-75.II.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 14-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd.

30.—56GI/75,

(Transferor)

"(3) Shri Himansu Vrajlal Parekh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53, 54, 59 and 66 situate, lying and being at Village Nahur, near Mulund, in Greater Bombay together with a portion of the structure erected thereon admeasuring 2105.8 sq. ft. equivalent to 195.65 sq. metres or thereabouts which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows : that is to say ON or towards the North by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing Plots No. 53, 54, 59 and 66, ON or towards the South also by a similar strip of unbuilt land; ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 2105.8 sq. ft. On or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 25-3-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Smt. Swaitri Bai, W/o Sri Gori Shankar, R/o 6-2-648 at Chintal Basti, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th April 1975

Ref. No. RAC.No. 8/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-

raman, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-2-648 situated at Khairtabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allpore Hyderabad on 13-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Fareeduddin Masood Smt. Amceerunnisa Alias Reehana Begum, Sri Ali Allaiddin, all three residing at House No. 2-2-14 at Adikmet, Hyderabad.
- (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of the house bearing Municipal No. 6-2-648 at Chintal Basti, Ghairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-4-1975

Seal :

FORM ITNS.—

(2) Om Nityushree Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V

Bombay-20, the 9th April 1975

Ref. No. AV.V/159/74-75.10.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S, No. 4, Hissa No. 8 situated at Asalphe Village,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-74,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At that piece or parcel of land and building on Survey No. 4, Hissa No. 8, admeasuring 870 sq. yds. situate and being at Asalphe village, Ghatkopar, Bombay 84 in the Registration Sub-Dist. Bandra, Dist. Bombay Suburban which now constitute Plot No. B.II as per the approval of the Bombay Municipal Corporation bearing C.R. 313/B.S.I.A./L dated 28-8-1966 of the Sub-Division passed T.P./LG-1516 of 25-3-1967 and bounded as follows : that is to say on or towards East by 30 ft. wide Road, on or towards the West by Plot No. 3, on or towards north by plot Nos. 9 & 10 and on or towards south by a Recreation Garden.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Smt. Raji Jayaram Mani.

(Transferor)

Date : 9-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Gowri Shanker, S/o Sri Ram Vilap, R/o Chintal Basti, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th April 1975

Ref. No. RAC.9/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-648 situated at Chintal Basti, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-7-74 Hyderabad on 13-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Fareeduddin, Masood, Smt. Ameerunnisa Alias Smt. Reehana Begum, for GPA Naimatunnisa Begum, Sri Ali Allauddin, all three residing at House No. 2-2-14 at Adikmet, Hyderabad.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of the house No. 6-2-648 at Chintal Basti, Khairtabad, Hyderabad (Area : 305 Sq. Yds.).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 21-3-75

Seal :

FORM IPNS—

(1) Smt. Jamuna Devi, w/o Sri Haradhan Chatterjee 4/2 Leonard Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Radhika Kanta Chowdhury, 17/3, Ritchie Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, III (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 10th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 248/Acq. R.-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/2, situated at Ritchie Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs. on 12-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 1 cottah 5 chittacks more or less situated at and being part of the premises No. 17/2, Ritchie Road, Calcutta as per deed No. I-5916 of 1974 registered before the District Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, (3rd Floor),
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sukhbeer Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puran Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 12th February 1975

Ref. No. 26-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-67 situated at Mahatma Gandhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 6-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

One house measuring 444.4 Sq. Yds. which is situated at Mauja Mahatma Gandhi Nagar in Moradabad.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1975

Seal :

Form ITNS—

(1) Shlv Kishore Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Usha Oil Mills.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 13th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10. U/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nill situated at Baksatia Shahjahan Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Shahjahan Pur on 2-8-74 at Basavanagudi Bangalore-4 document No. 1683 on 8-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house measuring 656 Sq. Yds. Having three Shops is situated at Baksatia Shahjahan Pur.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-2-75,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jethalal Ramchand Bhatia "Ganga Vihar",
Sardarnagar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM
ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-334(140)/16-6/74-75.—Whereas,
I J. Kathuria,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 6 situated at Northern side of Swami
Narayan Gurukul, Dhebar Road, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Rajkot in August, 1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) 1. Shri Anilkumar Vinodrai, Kamdar, 2. Shri
Maheshkumar Vinodrai Kamdar, 3. Shri
Rajendrakumar Vinodrai Kamdar, Mandvi
Chowk, Kamdar Sheri, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as 'Kahan Sadan' standing on land
admeasuring 228 sq. yds. bearing Plot No. 6, situated at
Northern side of Swami Gurukul, Dhebar Road, Rajkot.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-2-1975

Seal :

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1975

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/213.—Whereas, I. V. P.
Mittal

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,
No. Agricultural land situated at Chak No. 7Z,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Sriganganagar on August 1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to following per-
sons namely :—

31—56GI/75

(1) Shri Prem Prakash S/o Shri Chunni Lal
Maheshwari, R/o Sriganganagar Teh. & Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Somani S/o Shri Daulat Ram
Somani Maheshwari, R/o 16/1-A, Kari-Karo,
Calcutta-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of Murabha Number 26 measuring
3½ Bigha bearing Kila No. 5/1, 6/1, 15/1 & 16/0-10
situated in Chak No. 7Z, Teh. & Distt. Sriganganagar.

V. P. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-2-1975

Seal :

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1975

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/214.—Whereas, I. V. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Chalk No. 7Z (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sriganganagar on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Prakash S/o Shri Chunnilal Maheshwari R/o Sriganganagar Teh. & Distt. Sriganganagar,

(2) Shrimati Mohini Devi W/o Shri Daulat Ram Somani Maheshwari R/o 16/1-A Kari Karo, Calcutta-14.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of Murabba No. 26 measuring 2 Bigha 18 Biswa bearing Kila No. 3/1-0, 8/1-0 & 13/0-18 situated in Chak No. 7-Z Teh. & Distt. Sriganganagar.

V. P. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Jaipur,

Date : 24-2-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Anurag Somani S/o Shri Daulat Ram Somani, Maheshwari R/o 16/1-A, Kari Karo, Calcutta-14.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1975

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/215.—Whereas, I V. P. Mittal

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Chak No. 7Z (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Sriganganagar on August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land of Murabba No. 26 measuring 3 Bigha 4 Biswa bearing Killa No. 4/1-0, 7/1-0, 14/1-0 & 17/0-4 situated in Chak No. 7-Z Teh. & Distt. Sriganganagar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Prakash S/o Shri Chunnilal Maheshwari R/o Sriganganagar Teh. & distt. Sriganganagar.

(Transferor)

V. P. MITTAL

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Chandra Kanta W/o Shri Raghunandan (ii) Smt. Narbada Devi W/o Shri Wiswa Nath Caste Agarwal Singhal R/o Nasirabad Cantt, Distt, Ajmer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 25th February 1975

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/218.—Whereas, I V. P. Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. AMC 626/23, situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on August 20, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shobha Ram S/o Shri Khuman Chand Jaiswal Jain R/o Village Biryee Distt, Agra (U.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot surrounded by walls and an open plot towards West & South of A.M.C. No. 626/23 Blue Castle, Padav Keshar Ganj, Ajmer.

V. P. MITTAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (2) (i) Smt. Sumitra Devi W/o Shri Jagmohan Lal
(ii) Smt. Shakuntala Devi W/o Shri Triloki Nath Caste Agrawal Singhal R/o Nasirabad Cantt. Distt. Ajmer.

(Transferee)

- (3) Shri Ram Chandra Mangi Lal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shobha Ram S/o Shri Khuman Chand Jain Oswal R/o Village Biryee Distt. Agra (U.P.).

(Transferor)

Kothi bearing No. AMC 626/23, Blue, Parav Keshar Ganj, Ajmer.

V. P. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-2-1975

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHAR, CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA.

Patna, the 4th March 1975

Ref. No. III-96/Acq/74-75.—Whereas, I J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. M.S. Plot No. 1370 to 1373 & 1528 etc. situated at Kajiganj, Patna City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Syd. Sultan Ahmad, Dy. Collector, Saharsa, Dt. Saharsa, 2. Syd. Naqul Ahmad, Dy. Director, Chakbardi (consolidation) Bhojpur cum Rohtas district, P.O. Arrah, both ss/o Late Hussain Khan, 3. Malka Begam D/o Late Hussain Khan, S/o Late Raji Haider of intali Calcutta No. 53, Middle Road, Calcutta-14 (presently), formerly resident of Mohl. Hajiganj, P.S. Chowk, Patna.

(Transferor)

(2) 1. Sri Rajender Singh, 2. Sri Santosh Singh, both ss/o, Sardar Bhaktewar Singh 3. Sri Jasywant Singh, S/o Sardar Jagat Singh 4. Sri Gurumukh Singh, S/o Sardar Tahal Singh 5. Sardar Uttam Singh S/o Late Sardar Diwan Singh 6. Sri Jasywat Singh 7. Sri Indrjit Singh 8. Sri Premjit Singh Ss/o Sardar Uttam Singh 9. Sri Kamaljit Singh (Minor) 10. Sri Ajmer Singh (Minor) guardian Sardar Surjan Singh all of mohalla Hajiganj, P.O. Patna City, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nine annas share out of 16 annas (includes land measuring 1 Bigha 3 Katha 14 Dhwe with an old house and an out house, falling under H. No. 135 & 135 Cr. No. 170, W. No. 26 Sheet No. 243 & 260 M.S. Plot Nos. 1370 to 1373 & 1528 with boundry at Hajiganj, Patna City as described fully in deed No. 13595 dated 28-8-74.

J. NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri C. Ranganathan, 2. Shri R. Roopkumar and Shri R. Jayakumar, No. 53, Alagappa Chettiar Road, Vepery, Madras-84.

(Transferor)

- (2) Shri M. Anwar Hussain, No. 25, Subba Rao Avenue, College Road, Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd March 1975

Ref. No. 1331/74-75.—Whereas, I A. Raghuvendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 144, situated at Purasawalkam High Road, Purasawalkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam, Madras (Doc. No. 1577/74) on 29-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 ground & 848 Sft. (with building) and bearing R.S. No. 607 situated at Door No. 144, Purasawalkam High Road, Purasawalkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-3-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) (i) S/Shri Krishna Kumar Bhargava, (ii) Brij Kumar Bhargava Ss/o Shri Baikunth Nath Bhargava, Laxmi Niwas, Beechla Road, Ajmer.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1975

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/220.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AMC No. II/506, situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on Aug. 12, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mathura Nath Bhargava s/o Late Pandit Purshottam Das Bhargava, Bhargava House, Todar Mal Marg, Ajmer.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring approximately 13,000 Sq. Yds. enclosed by a compound wall, having upon it a Pucca well, situated on the Foy Sagar Road, Ajmer, bearing Municipal No. AMC II/506.

V. P. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 5-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri R. K. Khanna s/o Shri Daulat Ram r/o 3466, Chappewala, Delhi Now Block H-5 Plot No. 1, Krishan Nagar, Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/812/74-75/9039.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-1/5 situated Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Shri P. L. Gupta s/o Shri Baijswar Dass Gupta, r/o D-3/25, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 144.9 sq. yds. at No. H-1/5, Krishan Nagar Delhi together with three storied building constructed thereon.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 17th March, 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/813/74-75/9039.—Whereas I, C. V. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 155 Ward No. V situated at Katra Nawab Sahib, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 8-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shri Hem Chand Jain, s/o Khem Chand Jain, r/o 1865, Chocra Khana, Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar, s/o Shri Panna Lal r/o B-4/18, Safdarjang Development Scheme, New Delhi.
(Transferee)

- (3) Shri Ashok Kumar Jain 155-V, Katra Nawab Sahib, Chandani Chowk, Delhi, 2. Shri Daulat Ram s/o Shri Suraj Bhan, r/o H. No. 5768, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property as described hereunder with all fittings, fixtures electric & water connections with thala No. 206-A, one shop Municipal No. 155 and Balakhana Municipal No. 157-part, abutting on the said shop in Ward No. V, at Katra Nawab Sahib, Chandani Chowk, Delhi, with the land underneath free-hold measuring 19 sq. yds. and bounded as under :—

East—Property of Gupta Bros.
West—Passage
North—Property No. V/154
South—Property No. V/156

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 17th March, 1975
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-780/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sham Kumar w/o Satpal
G.A. for Gurbax Singh, Tarlochan Singh,
Ss/o Jiwan Singh and Smt. Raj Kaur,
w/o Gurbax Singh, 545, Model Town, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Kharaitilal s/o Ramlal,
R.O. Musapur, Teh. Nawanshahr.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 19 Marlas 88 Sq. ft. situated at Satnam Nagar, near Model Town, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 4823 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

